CHOICE OF MILLIONS
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS
BEST SELLER
www.charminarbrush.com
ABRASIVE RED MASALA PAPER
DRY SHEETS
9440297101

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 119 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.1 2083 गुरुवार, 30 जुलाई-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पुलिस ने X से कहा-पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट हटाएं

पोस्ट करने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी दें

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी समेत संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ X पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पत्र लिखा। पुलिस ने प्लेटफॉर्म से संबंधित पोस्ट और वीडियो तत्काल हटाने, साथ ही उन्हें पोस्ट करने वाले अकाउंट होल्डर्स के नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी देने को कहा है।

पेपर लीक बिल पास

इसमें 7 साल की सजा, 10 करोड़ तक जुर्माना; राज्यसभा में वंदेमातरम से जुड़ा संशोधित बिल पास

गृहमंत्री ने छात्रों पर फायरिंग का आदेश दिया, वो इतना डरे हुए हैं कि सदन में बैठने का उनके पास साहस तक नहीं है।

राहुल गांधी
लोकसभा में
विपक्ष के नेता

गृहमंत्री के बयान पर राहुल गांधी को माफी मांगनी पड़ेगी, अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो हम सदन नहीं चलने देंगे।

किरेन रिजिजू
संसदीय कार्य
मंत्री

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा ने बुधवार को विपक्ष के हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन में विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जंतर-मंतर पर छात्रों पर कथित गोलीबारी को लेकर दिए गए बयान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। इसके बावजूद सरकार ने विधेयक को सदन से पारित करा लिया। सरकार ने कहा कि यह संशोधन सार्वजनिक परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक और मजबूत कदम है।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार नीट पेपर लीक मामले में तेजी से कार्रवाई कर चुकी है और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संशोधन सरकार की उस सोच को दिखाता है, जिसमें पिछले अनुभवों से सीख लेकर कानून को और मजबूत बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में एंटी पेपर लीक कानून लागू होने के बाद अब तक 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि पेपर लीक से जुड़े मामलों के कारण होने वाली आत्महत्याओं में भी कमी आई है, जिसे उन्होंने कानून के सकारात्मक प्रभाव का संकेत बताया। विधेयक पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

विधेयक पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों का आंदोलन गुस्सा, हिंसा या नफरत नहीं, बल्कि देश के युवाओं की भावनाओं और चिंताओं की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल, यहां तक कि भाजपा को भी छात्रों की बात सुननी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि अगर भाजपा नेता अपने बच्चों से पूछेंगे कि प्रदर्शन क्यों हो रहा था, तो उन्हें भी छात्रों की चिंताओं का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं ने जो किया, उसमें कुछ भी गलत नहीं था और हर भारतीय को इस पर गर्व होना चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि एक 18 वर्षीय छात्रा ने उन्हें समझाया कि छात्र वह होता है, जिसका दिमाग और दिल खुला होता है और जो मानता है कि सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि छात्र ज्ञान, विनम्रता और सच्चाई के रास्ते पर चलता है। शिक्षा केवल परीक्षा नहीं है, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था का सवाल है। उन्होंने कहा कि शिक्षा बहुत महंगी हो चुकी है और एक परीक्षा पर इतना खर्च हो जाता है, जो लगभग शिक्षा बजट के बराबर पहुंच जाता है।

'इडियट' और 'अंधभक्त' शब्दों पर हंगामा

अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी ने छात्रों से हुई बातचीत का जिक्र करते हुए इडियट, अंधभक्त और मूर्ख जैसे शब्दों का उल्लेख किया। इस पर सत्ता पक्ष के सांसदों ने कड़ा विरोध जताया और सदन में हंगामा शुरू हो गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताते हुए कहा कि राहुल गांधी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं और इन शब्दों को कार्यवाही से हटाया जाना चाहिए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि जो भी शब्द असंसदीय होंगे, उन्हें कार्यवाही से निकाल दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि यदि इडियट शब्द पर आपत्ति है तो वह दूसरा शब्द इस्तेमाल कर देंगे। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि व्यवस्था दी जा चुकी है और असंसदीय शब्द स्वतः हटा दिए जाएंगे।

>14

राज्यसभा से 'वंदे मातरम' विधेयक पारित

नई दिल्ली , 29 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा ने बुधवार को राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। इस संशोधन के बाद अब राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को भी कानूनी संरक्षण मिलेगा। विधेयक के अनुसार, राष्ट्रीय गीत का जानबूझकर अपमान करना या उसके गायन में बाधा डालना अब आपराधिक अपराध माना जाएगा।

यह संशोधन राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के दायरे का विस्तार करता है। अभी तक इस कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान 'जन गण मन' को कानूनी संरक्षण प्राप्त था। अब इसमें राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को भी शामिल कर लिया गया है। विधेयक ऐसे सभी कृत्यों को दंडनीय बनाता है, जिनमें जानबूझकर 'वंदे मातरम' के गायन को रोकना, बाधित करना या उसका अपमान करना शामिल हो। विधेयक ऐसे समय पारित हुआ है, जब 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

संशोधन विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत को भी उसी तरह कानूनी सुरक्षा देना है, जैसी सुरक्षा राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को पहले से प्राप्त है। इसके तहत 'वंदे मातरम्' का अपमान, उसके गायन में जानबूझकर बाधा डालना या राष्ट्रीय सम्मान के खिलाफ माने जाने वाले कृत्य कानून के दायरे में आएंगे। विधेयक में राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान से जुड़े अपराधों के लिए अधिकतम तीन वर्ष तक की जेल का प्रावधान रखा गया है।

8 लाख सालाना आय की सीमा पहली नजर में उचित

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक तौर पर कहा है कि आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण के लिए 8 लाख रुपये सालाना आय की सीमा पहली नजर में उचित लगती है। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला पांच साल से लंबित है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यह टिप्पणी की है। लाइवलॉ की रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने 2021 में दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही है।

10 % ईडब्ल्यूएस कोटा से जुड़ा है मामला

याचिका में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के 2021 के नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई है। इसमें ऑल इंडिया कोटा (एआईक्यू) के तहत मेडिकल कोर्स में ओबीसी के लिए 27% और ईडब्ल्यूएस के लिए 10% कोटा उपलब्ध कराई गई। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आर्थिक तौर पर कमजोर तबकों को 10% आरक्षण सुनिश्चित करने वाले 103वें संविधान संशोधन पर मुहर लगा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट क्राइटेरिया पर जारी रखेगा सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को थोड़ी देर सुनने के बाद क्राइटेरिया को लेकर उठाए गए प्रश्न पर सुनवाई को पेंडिंग रख लिया, क्योंकि तब दो-दो वरिष्ठ वकील उपस्थित नहीं थे। अदालत ने याचिकाकर्ता की वकील से कहा कि एक लिस्ट बनाइए और उसमें संबंधित मुद्दों को शामिल कीजिए। सुनवाई को एक हफ्ते के लिए टालते हुए बेंच ने असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की भी सहायता मांगी और निर्देश दिए कि उन्हें इससे जुड़ी याचिकाएं सौंपी जाएं।

2021-22 के नीट एडमिशन में ईडब्ल्यूएस और ओबीसी आरक्षण को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी, 2022 में कहा था कि 8 लाख रुपये की क्राइटेरिया की वैधता पर बाद में विचार किया जाएगा। अदालत ने तब यह भी स्पष्ट कर दिया था कि क्राइटेरिया की वैधता याचिकाओं पर आखिरी निर्णय पर निर्भर करेगा।

ई20 पेट्रोल से किन वाहनों के रबर पार्ट्स पर पड़ता है असर?

नितिन गडकरी ने खुद संसद में बताया

ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल पर एक अप्रैल 2005 से लागू बीएस-3 मानक वाले और वर्ष 2016 से पहले निर्मित कुछ वाहनों में रबर के कुछ पुर्जे और गैस्केट बदलने की जरूरत पड़ सकती है।

नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल पर एक अप्रैल 2005 से लागू बीएस-3 मानक वाले और वर्ष 2016 से पहले निर्मित कुछ वाहनों में रबर के कुछ पुर्जे और गैस्केट बदलने की जरूरत पड़ सकती है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहन के माइलेज पर असर को लेकर उठी चिंताओं के संबंध में वाहन निर्माताओं और वाहन एवं इंजन परीक्षण एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि वाहन का माइलेज केवल ईंधन के प्रकार पर नहीं, बल्कि कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है।

नितिन गडकरी ने बताया कि दोपहिया और चारपहिया वाहनों पर ई20 के प्रभाव का आकलन करने के लिए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) देहरादून, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) ने संयुक्त अध्ययन किया। अध्ययन में कार और दोपहिया वाहनों के इंजन में किसी तरह के बदलाव की जरूरत नहीं पाई गई। मंत्री के अनुसार, पुराने वाहनों के प्रदर्शन में ई20 ईंधन के इस्तेमाल से कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं देखा गया और न ही उनमें असामान्य घिसावट के संकेत मिले।

गडकरी ने कहा कि ड्राइवबिलिटी, स्टार्ट होने की क्षमता, धातु के पुर्जों और प्लास्टिक के हिस्सों की अनुकूलता जैसे मानकों पर भी कोई समस्या सामने नहीं आई।

ई20 पेट्रोल (80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल) लागू किए जाने के बाद विपक्षी दलों और कुछ उपभोक्ता संगठनों ने चिंता जताई है कि 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के अनुरूप तैयार नहीं किए गए पुराने वाहनों पर इसका असर पड़ सकता है।

ई20 पेट्रोल पर क्या बोले नितिन गडकरी?

गडकरी ने बताया कि नीति आयोग के तहत 26 दिसंबर 2020 को गठित अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) ने इथेनॉल मिश्रण से जुड़े वाहन अनुकूलता और माइलेज एवं दक्षता के सभी पहलुओं का विस्तृत अध्ययन किया था।

उन्होंने कहा कि जून 2021 में जारी समिति की रिपोर्ट रोडमैप फॉर इथेनॉल ब्लेंडिंग इन इंडिया 2020-25 वाहन निर्माताओं, तेल कंपनियों और कृषि विशेषज्ञों से व्यापक परामर्श के बाद तैयार की गई थी। इसमें सामग्री की अनुकूलता, इंजन कैलिब्रेशन, ईंधन प्रणाली, ड्राइवबिलिटी, टिकाऊपन, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे पहलुओं का परीक्षण किया गया था।

शरद पवार के बीजेपी में जाने का सवाल ही नहीं उठता: हुसैन दलवई

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मॉनसून सत्र में सभी की नजरें लोकसभा परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक पर लगी हैं। चर्चा है कि महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी एनडीए का हिस्सा बन सकती है। शरद पवार के बीजेपी के साथ जाने की अटकलों पर महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता हुसैन दलवई ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि शरद पवार के बीजेपी के साथ जाने का कोई सवाल ही नहीं उठता है। हाल ही में शरद पवार की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई थी कि वे एनडीए में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, शरद पवार ने साफ कर दिया है कि वे एनडीए में शामिल नहीं होंगे।

हुसैन दलवई ने कहा कि मैं पहले दिन से कह रहा हूं कि शरद पवार कभी भी एनडीए में शामिल नहीं होंगे।

हम बहुत जल्द दोबारा सड़कों पर उतरेंगे : अभिजीत दीपके

अब क्यों सरकार को चेतावनी दे रही सीजेपी?

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी ने एक बार फिर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने के अपने वादे से पीछे हट रही है। सीजेपी का कहना है कि सरकार इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों का सहारा ले रही है।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर छात्रों का उत्पीड़न नहीं रुका और उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं लिए गए, तो पार्टी जल्द ही फिर से सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा, '20 जुलाई को छात्रों ने पुलिस की लाठियां और खून-खराबा झेला। अगर सरकार इतने पर भी नहीं चेती और युवाओं का उत्पीड़न जारी रहा, तो हम बहुत जल्द दोबारा सड़कों पर उतरेंगे।'

यह बयान ऐसे समय आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने दावा किया कि सरकार ने पहले सार्वजनिक रूप से भरोसा दिया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी और पुराने मामले भी वापस लिए जाएंगे। लेकिन अब सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देकर कह रही है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। सौरव दास का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कहीं भी यह नहीं कहा गया कि सरकार एफआईआर वापस नहीं ले सकती। उनके मुताबिक, एफआईआर वापस लेने का अधिकार सरकार के पास है और आदेश की गलत व्याख्या कर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई को उचित ठहराया जा रहा है।

साथी ट्रेनी ऑफिसर की शिकायत पर ट्रेनी आईपीएस गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल पुलिस एकेडमी में एक साथी ट्रेनी ऑफिसर द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले में बुधवार को अत्तापुर पुलिस ने ट्रेनी आईपीएस ऑफिसर उदय कृष्णा रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, माना जा रहा है कि उसने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया था, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार था। गिरफ्तारी के बाद, उसे मेडिकल जांच के लिए उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल ले जाया गया। यह गिरफ्तारी हाल की उन खबरों के बाद हुई है जिनमें कहा गया था कि उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश की थी और उसे एसआर नगर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका इलाज हुआ।

यह मामला कर्नाटक की एक 30 वर्षीय विवाहित ट्रेनी आईपीएस ऑफिसर की शिकायत से जुड़ा है, जिसने उस पर बार-बार यौन उत्पीड़न और मारपीट का आरोप लगाया था। उसने आरोप लगाया कि उसने अश्लील मैसेज भेजे, उसे जबरन एक कमरे में खींचा, बाल खींचकर मारपीट की, गला घोंटने की कोशिश की, चाकू से धमकाया और चुपके से एक प्राइवेट वीडियो रिकॉर्ड किया। उसने यह भी दावा किया कि बाद में उसने उस वीडियो को उसके पति को भेजकर उसे ब्लैकमेल किया।

शिकायत के आधार पर, अट्टापुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। जांच जारी है। इस बीच, खबर है कि नेशनल पुलिस एकेडमी की एक आंतरिक जांच समिति ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों की जांच के बाद पाया कि आरोपों में दम है। इन नतीजों के बाद, एकेडमी ने उदय कृष्णा रेड्डी को सस्पेंड कर दिया।

आत्महत्या की कथित कोशिश से पहले, उसने एक व्हाटसअप स्टेटस पोस्ट किया था जिसमें दावा किया गया था कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में क्लीन चीट दी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ जारी आपराधिक मामला बुधवार को बंद कर दिया और उन्हें आरोपी के रूप में तलब करने वाले आदेश रद्द कर दिए।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस 'क्लोजर रिपोर्ट' को स्वीकार कर लिया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अन्य को क्लीन चिट दी गई थी। अदालत ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश के पास सीबीआई की 'क्लोजर रिपोर्ट' को खारिज कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। बेंच ने कहा कि अपीलकर्ता के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के कारण यह अपील निष्फल मानकर समाप्त की जा सकती थी। लेकिन विशेष न्यायाधीश द्वारा संज्ञान लेने और

अपीलकर्ता को तलब करने के पहलू पर विचार करने के लिए हमने सीबीआई द्वारा दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्टों का अध्ययन किया।

अदालत ने कहा, ''जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के संबंध में इस अदालत द्वारा लगातार तय किए गए मानकों को ध्यान में रखते हुए हम संतुष्ट हैं कि विशेष न्यायाधीश के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को अस्वीकार कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। हम अपील स्वीकार करते हैं और विवादित आदेश को रद्द करते हैं। परिणामस्वरूप, हम सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए मामले को बंद करते हैं।''

वर्ष 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-II कोयला ब्लॉक आवंटन से संबंधित कथित कोयला घोटाले में एक विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला, पूर्व कोयला सचिव पी. सी. पारेख और तीन अन्य लोगों को आरोपी के रूप में तलब किया था। हालांकि, न्यायालय ने इस आदेश में हस्तक्षेप करते हुए इस पर रोक लगा दी थी।

सीजेआई को अपशब्द कहने वाले को जमानत

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में हंगामा काटने, पेपर उछालने और यहां तक कि भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) को भद्दी गालियां देने वाले शख्स को दिल्ली की एक निचली अदालत से जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान सिक्योरिटी गार्ड के साथ मारपीट और अदालत की कार्यवाही बाधित करने के आरोपों में दो लॉ स्टूडेंट को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें सीजेआई को अपशब्द बोलने वाला वह व्यक्ति भी शामिल है। दोनों आरोपियों को बेल देते हुए निचली अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि सुप्रीम कोर्ट जैसी बड़ी संस्था की गरिमा किसी एक परेशान और बिना वकील वाले याचिकाकर्ता के बेलगाम बर्ताव से कमतर नहीं हो सकती, इसलिए निचली अदालतों को भी संस्थागत संयम का पालन करना चाहिए।

25,000 रुपये के बेल बॉन्ड पर मिली जमानत

जुडिशल मजिस्ट्रेट रवि ने अपने आदेश में साथ ही साथ यह भी कहा कि ऐसे बर्ताव 'बर्दाश्त नहीं किए जा सकते और इसकी स्पष्ट तौर पर निंदा की जाती है।' अदालत ने 24 वर्षीय प्रबल प्रताप सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश सुनाया है। 27 जुलाई, 2026 का यह आदेश बुधवार को उपलब्ध कराया गया है।

मजिस्ट्रेट ने कहा कि उम्मीद है कि आरोपी भविष्य में किसी अन्य अदालत में मर्यादा के साथ पेश आएंगे और न्यायिक-प्रक्रिया की गरिमा का ख्याल रखेंगे।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

13 आरोपी अब तक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पेपर लीक मामले में सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। पेपर लीक और इससे जुड़े अन्य मामलों पर सुनवाई के लिए बनी विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने भी बुधवार को इसे रिकॉर्ड पर ले लिया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट की विशेष जज अनु ग्रोवर बालिगा ने मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट को स्वीकार करते हुए एजेंसी को एनेक्सर्स दाखिल करने का समय भी दे दिया है। सीबीआई ने अदालत को बताया कि करीब 20,000 पन्नों के एनेक्सर्स की स्कैनिंग की जा रही है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें तीन दिनों के भीतर अदालत में जमा कर दिया जाएगा।

राहुल गांधी के परिवार पर विवादित टिप्पणी करना पड़ा भारी

कर्नाटक के भाजपा विधायक पर एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में भाजपा के विधायक यशपाल सुवर्णा की एक विवादित टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के परिवार को लेकर दिए गए बयान के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बुधवार को उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में यह मामला उडुपी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार कोडावूर की शिकायत पर दर्ज किया गया। पुलिस ने विधायक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 57, 192, 196(2), 352, 353(2) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक, उडुपी में भाजपा द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यशपाल सुवर्णा ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अगर आप लोग ऐसे ही नाटक करते रहे, तो जैसे 1992 में हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हमारी भावनाएं आहत होने पर बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया था, उसी तरह कांग्रेस का वंश और राहुल गांधी का परिवार भी खत्म कर दिया जाएगा। इस बयान के सामने आते ही कर्नाटक की राजनीति गरमा गई। कांग्रेस ने भाजपा पर नफरत फैलाने वाली भाषा और धमकी की राजनीति करने का आरोप लगाया। विधायक के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग उठने लगी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और एमएलसी मंजूनाथ भंडारी ने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यशपाल सुवर्णा की टिप्पणी को 'घृणित, अपमानजनक और भड़काऊ' बताया और कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले किसी जनप्रतिनिधि के लिए इस तरह की भाषा उचित नहीं है। मंजूनाथ भंडारी ने आरोप लगाया कि भाजपा नीट पेपर लीक विवाद और उसे लेकर देशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों से ध्यान हटाने के लिए राहुल गांधी पर व्यक्तिगत हमले कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद कभी भी मानहानि, नफरत फैलाने वाले भाषण या धमकी का आधार नहीं बन सकते। इस तरह की टिप्पणी से खासकर तटीय कर्नाटक में सांप्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को राज्य के गृह मंत्री के सामने उठाकर जांच में तेजी लाने की मांग करेंगे।

प्रेम विवाह के 9 साल बाद महिला ने तेजाब पीकर दी जान, पति शराब पीकर करता था मारपीट

पानीपत, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पानीपत में तहसील कैंप थाना क्षेत्र की वधवाराम कॉलोनी में एक 29 वर्षीय महिला ने तेजाब पीकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले में थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान नेहा (29) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार नेहा ने करीब 9 साल पहले अपने पहले पति से तलाक लेकर प्रेम विवाह किया था। बताया जा रहा है कि नेहा और उसका वर्तमान पति गौरव दोनों एक ही कॉलोनी के रहने वाले थे। शादी के बाद से दोनों के बीच अक्सर विवाद रहता था। परिजनों के मुताबिक, पति शराब के नशे में मारपीट करता था। जिस कारण नेहा मानसिक रूप से परेशान रहती थी। इसी तनाव के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। नेहा अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई है। मां की मौत के बाद दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है,

'तीन साल में 1.21 लाख से ज्यादा एमएसएमई बंद'

सामना में शिवसेना यूटीबी ने केंद्र पर साधा निशाना

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने केंद्र पर देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने बुधवार को अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लोकसभा में पेश केंद्र सरकार के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में देशभर में 1,21,805 एमएसएमई इकाइयां बंद हो गईं। इसके कारण लाखों युवाओं की नौकरियां चली गईं। शिवसेना (यूबीटी) ने संपादकीय लिखा, पिछले 12 वर्षों से देश में पुराने उद्योग बंद हो रहे हैं और नए उद्योग शुरू करने की बातें हो रही हैं।

जिस शासन में युवाओं के हाथों में रोजगार देने के बजाय उनके मन में धार्मिक उन्माद भरा जाए, वहां इससे अलग परिणाम की उम्मीद कैसे की जा सकती है? संपादकीय के अनुसार, 2024 से 2026 के बीच 1,21,805 एमएसएमई इकाइयों ने अपना संचालन बंद कर दिया। पार्टी ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यह कृषि के बाद देश में सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है और निर्यात में भी इसकी बड़ी भूमिका है। इसके बावजूद पिछले एक दशक में एमएसएमई इकाइयों के बंद होने की रफ्तार लगातार बढ़ती गई है। राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां 28,764 एमएसएमई इकाइयां बंद हुईं। इसके बाद तमिलनाडु में 14,176, गुजरात में 11,150 और राजस्थान में 9,881 इकाइयों ने हमेशा के लिए कामकाज बंद कर दिया। संपादकीय में कहा गया कि ये आंकड़े बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश और रोजगार सृजन के सरकारी दावों से मेल नहीं खाते।

संपादकीय में शिवसेना (यूबीटी) ने यह भी दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण उपलब्ध कराए। लेकिन इसके बावजूद उद्यमियों को बढ़ती परिचालन लागत, बाजार की चुनौतियों और प्रशासनिक अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा सांसद ने केंद्र सरकार के सामने उठाया मणिपुर पुनर्वास का मुद्दा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर की सांसद ए शारदा देवी ने बुधवार को केंद्र से राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत अलग-अलग प्रस्तावों को जल्द से मंजूरी देने का आग्रह किया, जिसमें आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के कल्याण और पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने संसद भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात की। इसके साथ ही मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक स्थिति के बीच राज्य के विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

राज्यसभा सांसद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री से मणिपुर सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों और मांगों को मंजूरी देने में सुविधा प्रदान करने का अनुरोध किया है। मौजूदा संकट से प्रभावित समुदायों के लिए समय पर हस्तक्षेप और बेहतर समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया है।

मुंबई धमाकों के मास्टरमाइंड टाइगर मेमन की तीन संपत्तियां नीलाम, कीमत करोड़ों में

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में 1993 के सिलसिलेवार बम धमाकों के करीब 33 साल बाद मंगलवार को इस साजिश के मुख्य सरगना और भगोड़े आतंकवादी टाइगर मेमन की तीन संपत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। नीलाम की गई संपत्तियों में माहिम स्थित उसका वह दफ्तर भी शामिल है, जिसे 1992-93 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान आग के हवाले कर दिया गया था।

नीलामी में कई लोगों ने हिस्सा लेकर बोलियां लगाईं, हालांकि अंतिम बोली और सफल खरीदारों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

पूरी प्रक्रिया तस्करी और विदेशी मुद्रा से जुड़ी अवैध संपत्तियों की जब्ती से संबंधित कानून सफेमा की प्रशासक सुरभि शर्मा की निगरानी में संपन्न हुई। नीलामी में माहिम की अल-हुसैनी इमारत में स्थित 751 वर्ग फुट का एक फ्लैट (गैरेज सहित), 550 वर्ग फुट में बना 'तिजारत इंटरनेशनल' का दफ्तर और बांद्रा पश्चिम का 970 वर्ग फुट का एक फ्लैट शामिल था। सफेमा ने अल-हुसैनी फ्लैट की आरक्षित कीमत 1.90 करोड़ रुपये, तिजारत इंटरनेशनल कार्यालय की 2.05 करोड़ रुपये और बांद्रा स्थित फ्लैट की 5.20 करोड़ रुपये तय की थी। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में कहा था कि 12 मार्च 1993 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों की साजिश बाबरी मस्जिद ढांचा गिराए जाने का बदला लेने के उद्देश्य से रची गई थी। जांच अधिकारियों के मुताबिक, 1992-93 के दंगों के दौरान टाइगर मेमन की संपत्तियों को हुए नुकसान ने भी उसके भीतर बदले की भावना को और भड़काया था। मुश्ताक अब्दुल रज्जाक नदीम मेमन उर्फ टाइगर मेमन का जन्म 24 नवंबर 1960 को मुंबई के मोहम्मद अली रोड इलाके में हुआ था। शुरुआती दिनों में वह डोसा बंधुओं—मोहम्मद और मुस्तफा—के यहां ड्राइवर के रूप में काम करता था। बाद में उसकी पहचान दाऊद इब्राहिम गिरोह से हुई और वह उसके संपर्क में आ गया।

अस्सी के दशक के मध्य में मेमन परिवार माहिम की अल-हुसैनी इमारत में रहने लगा। इसके बाद टाइगर मेमन चांदी की तस्करी के कारोबार में उतरा और धीरे-धीरे मुंबई के अपराध जगत का बड़ा नाम बन गया। जांच एजेंसियों ने समय-समय पर टाइगर मेमन और उसके रिश्तेदारों की करीब 18 संपत्तियां जब्त कीं। सुरभि शर्मा ने बताया कि सबसे पहले सफेमा ने इन संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी किया था। बाद में विशेष टाडा अदालत ने कोर्ट रिसीवर को इनका मालिकाना

अब पंजाब में आंदोलन! सीएम आवास की तरफ मार्च, अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग

चंडीगढ वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर उनकी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास की ओर मार्च करने की तैयारी कर रहे हैं। अभी पार्टी नेता और कार्यकर्ता अम्ब साहिब गुरुद्वारा में इकट्ठा हुए हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने इन्हें रोकने के लिए जबरदस्त तैयारी कर रखी है। बुडैल जेल के चौक पर बैरिकेडिंग की गई है और एंटी-रायट गियर में पुलिस जवाब तैनात हैं।

अकाली दल वारिस पंजाब दे के कार्यकर्ताओं की मांग है कि जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह और उनके साथियों को रिहा किया जाए। इसके अलावा, आतंकवाद में संलिप्तता के लिए पिछले कई साल से जेल में बंद सिखों की भी रिहाई हो।

बारामूला में घिनौनी वारदात, दोस्त के साथ घूमने आई लड़की का गैंगरेप

जम्मू, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के बारामूला से एक चौंकाने वाली वारदात सामने आई है। पुलिस ने बारामूला जिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसपर आरोप है कि उन्होंने 21 साल की एक महिला के साथ गैंग-रेप किया। इस घिनौनी वारदात का वीडियो बनाया और फिर महिला को ब्लैकमेल भी किया। बारामूला के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) गुरिंदरपाल सिंह ने इस जघन्य वारदात की पुष्टि करते हुए कहा कि शिकायत मिलने के 48 घंटों के अंदर सबूतों और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से दो संदिग्धों का पता लगाया गया है।

दोनों ही आरोपी पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस के मुताबिक, यह अपराध 3 जुलाई को बारामूला के जलशेरी-ड्रंगबल इलाके में हुआ था, जहां पीड़िता और उसका एक पुरुष दोस्त घूमने गए थे। वहां दो अनजान लोगों ने उनके पास आकर उन्हें परेशान किया और अपने मोबाइल फोन पर वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने पीड़िता के पुरुष साथी के साथ मारपीट की और उसे भगा दिया।

कर्नाटक में आरएसएस का रजिस्ट्रेशन जरूरी, नहीं तो लीगल एक्शन, प्रियांक खरगे की संघ को चेतावनी

बेंगलुरु, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अब तक का सबसे कड़ा हमला किया। उन्होंने आरएसएस के इतिहास और कानूनी दर्जे पर सवाल उठाए और चेतावनी दी कि कर्नाटक सरकार एक ऐसा कानून ला सकती है जिसके तहत संगठन को कानून के दायरे में रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी हो जाए। समाजवादी संगम (एक सामाजिक-राजनीतिक मंच) आयोजित 'आरएसएस का रजिस्ट्रेशन क्यों जरूरी है' कार्यक्रम में बोलते हुए खरगे ने कहा कि आरएसएस ने लंबे समय से खुद को राष्ट्रवाद का रक्षक बताया है, जबकि वह उन मूल्यों को बनाए रखने में नाकाम रहा है जिनका वह प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। प्रियांक खरगे ने कहा कि आरएसएस के पास देशभक्ति का सर्टिफिकेट जारी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

मेरी नजर में, यह देश के इतिहास का सबसे ज्यादा राष्ट्र-विरोधी संगठन है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी सरकार ऐसे तरीकों पर विचार कर रही है जिनसे यह पक्का किया जा सके कि इतने बड़े पैमाने पर काम करने वाले संगठनों को एक पारदर्शी कानूनी ढांचे के तहत लाया जाए। आरएसएस एक स्वैच्छिक संगठन है और इसने कभी भी किसी कानून के तहत सोसाइटी, ट्रस्ट या कंपनी के तौर पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। अदालतों और टैक्स अधिकारियों ने इसे कानूनी तौर पर व्यक्तियों का समूह माना है। खरगे के मुताबिक, कर्नाटक के गृह मंत्री का पद संभालने के बाद उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर यह स्पष्टीकरण मांगा था कि संगठन बिना औपचारिक रजिस्ट्रेशन के क्यों काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। जो संगठन न तो राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करता है और न ही संविधान को स्वीकार करता है, वह राष्ट्रवाद का रक्षक होने का दावा नहीं कर सकता। लोकतांत्रिक संस्थाएं पिछले कुछ वर्षों में आरएसएस की ठीक से जांच-पड़ताल करने में नाकाम रही हैं, जिससे उसका प्रभाव बेरोकटोक बढ़ता गया।

प्रियांक खरगे ने कहा कि अगर वे कानूनी ढांचे से बाहर ही रहते हैं, तो कर्नाटक रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाने पर विचार करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में काम करने वाले किसी भी संगठन को कानून का पालन करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि लगातार नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई हो सकती है, जिसमें प्रतिबंध भी शामिल है। खरगे ने आरएसएस के खिलाफ अतीत में की गई कई आलोचनाओं का भी ज़िक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आजादी की लड़ाई और अंग्रेजों से आजादी मिलने के तुरंत बाद के सालों में संगठन ने भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों से दूरी बनाए रखी।

एर्नाकुलम-पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस का एक कोच अलग तकनीकी खराबी के बाद दूसरी बोगी में शिफ्ट किए गए यात्री

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। एर्नाकुलम-पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस के एक कोच को आज बुधवार सुबह नवी मुंबई के पनवेल रेलवे स्टेशन पर अलग कर दिया गया, क्योंकि जांच के दौरान रेलवे कर्मचारियों को उसमें तकनीकी खराबी का पता चला। अधिकारियों ने जानकारी दी कि ट्रेन के फिर से शुरू होने से पहले, प्रभावित कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों को सुरक्षित रूप से दूसरी बोगियों में शिफ्ट कर दिया गया। पनवेल रेलवे स्टेशन, जहां यह घटना हुई, पुणे जंक्शन से लगभग 100 किलोमीटर दूर है और कई लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए एक महत्वपूर्ण स्टॉप है।

एर्नाकुलम से पुणे जा रही ट्रेन नंबर 22149 में यह घटना हुई। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर कोच को हटाने का फैसला लिया गया। किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

सेंट्रल रेलवे के अनुसार, एर्नाकुलम-पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस सुबह करीब 6:30 बजे पनवेल स्टेशन पहुंची, जहां नियमित जांच के दौरान रेलवे कर्मचारियों ने बी1 कोच में एक टूटा हुआ कंट्रोल आर्म देखा।

इस खराबी के कारण 'कैरेज एंड वैगन' (सी एंड डब्ल्यू) से जुड़ी समस्या पैदा हुई, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया। ट्रेन में टूटा हुआ कंट्रोल आर्म मिलना एक गंभीर तकनीकी समस्या है जो कोच के सुरक्षित संचालन को प्रभावित कर सकती है, इसलिए ट्रेन को आगे बढ़ने देने से पहले प्रभावित डिब्बे को हटाना जरूरी हो गया।

जांच के बाद, रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा उपाय के तौर पर ट्रेन से बी1 कोच को अलग कर दिया। पनवेल से ट्रेन के रवाना होने से पहले, उस कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों को दूसरी बोगियों में उपलब्ध सीटों पर शिफ्ट कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को शिफ्ट करने का काम आसानी से पूरा हो गया, जिससे ट्रेन खराब कोच के बिना पुणे की ओर अपनी आगे की यात्रा जारी रख सकी। इस प्रक्रिया के दौरान कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ और न ही कोई फंसा।

'आंदोलन की आड़ में देश तोड़ने की साजिश'

सौरव दास-उमर खालिद की तस्वीर साझा कर सीजेपी पर बरसे राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास की उमर खालिद के साथ पुरानी तस्वीर साझा कर पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने छात्र आंदोलन पर सवाल उठाए। उन्होंने छात्रों और अभिभावकों से ऐसे लोगों की पहचान करने और उनसे दूर रहने की अपील की। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास का जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद के साथ एक पुराना सोशल मीडिया पोस्ट फिर चर्चा में है। इसी तस्वीर को साझा करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सीजेपी और छात्र आंदोलन पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि छात्र और उनके अभिभावक समझें कि आंदोलन का नेतृत्व कौन कर रहा है और उनकी सोच क्या है।

राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असली छात्रों और उनके अभिभावकों को यह तय करना होगा कि वे किन लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत को बांटने और कमजोर करने की सोच रखने वाले लोग युवाओं का भविष्य तय नहीं कर सकते। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि छात्र आंदोलन की आड़ में हिंसा और उपद्रव करने वाले समूहों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश करने वाली ताकतों का विरोध करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। राजीव चंद्रशेखर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल के दिनों में पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर और दिल्ली के अन्य हिस्सों में छात्र प्रदर्शन हुए।

इन प्रदर्शनों का नेतृत्व सीजेपी कर रही थी। इसी दौरान सौरव दास का उमर खालिद के साथ पुराना पोस्ट फिर सामने आया, जिसके बाद राजीव चंद्रशेखर ने इसे साझा करते हुए सवाल उठाए कि क्या छात्र अपना भविष्य ऐसे लोगों के हाथों में सौंपना चाहते हैं, जिनकी विचारधारा पर सवाल उठते रहे हैं। राजीव चंद्रशेखर ने जिस पोस्ट को साझा किया, उसमें सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद के साथ दिखाई दे रहे हैं।

यह तस्वीर सौरव दास की पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट की है। उस पोस्ट में उन्होंने उमर खालिद को सबसे बहादुर बताते हुए उनके प्रति गहरा सम्मान जताया था। उमर खालिद 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में हैं और उनके खिलाफ मुकदमे की सुनवाई जारी है।

> छात्रों और उनके अभिभावकों को समझना होगा कि आंदोलन का नेतृत्व कौन कर रहा है। भारत को तोड़ने और बांटने की सोच रखने वाले युवाओं का भविष्य तय नहीं कर सकते। ऐसे देश विरोधी तत्वों को पहचानना जरूरी है।
>
> राजीव चंद्रशेखर, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री

मिड-डे मील में अब मिलेगी 'चिकन बिरयानी', सरकार कर रही विचार, बच्चों की मौज

चेन्नई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार राज्य की प्रमुख मिड-डे मील योजना के तहत सप्ताह में एक बार 'चिकन बिरयानी' शुरू करने पर विचार कर रही है। इस कदम का मकसद पोषण में सुधार करना और स्कूली खाने को छात्रों के लिए अधिक आकर्षक बनाना है। यह प्रस्ताव अभी सरकार के विचाराधीन है और अगर इसे मंजूरी मिल जाती है, तो यह देश के सबसे पुराने स्कूल न्यूट्रिशन प्रोग्राम में एक अहम बदलाव होगा। अधिकारियों ने बताया कि कोई भी फैसला सोशल वेलफेयर और महिला सशक्तिकरण विभाग के साथ बातचीत करके लिया जाएगा, जो पूरे राज्य में मिड-डे मील स्कीम को लागू करता है। यह कदम सरकार की उन कोशिशों का हिस्सा है, जिनके जरिए वह बेहतर न्यूट्रिशन सपोर्ट देकर सरकारी स्कूलों में छात्रों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को मजबूत करने और उपस्थिति बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

प्रस्तावित चिकन बिरयानी से मौजूदा मेन्यू में एक और अच्छा विकल्प जुड़ने की उम्मीद है, साथ ही इससे छात्रों को हफ्ते में एक बार प्रोटीन से भरपूर खाना भी मिल सकेगा। सरकार मिड-डे मील स्कीम के तहत परोसे जाने वाले खाने की कुल क्वालिटी को बेहतर बनाने के सुझावों पर भी विचार कर रही है,

मध्य प्रदेश में किसानों से बात करने के लिए सरकार ने बनाई समिति

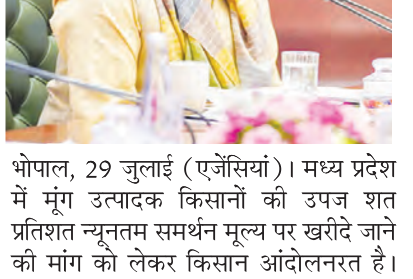

भोपाल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मूंग उत्पादक किसानों की उपज शत प्रतिशत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने की मांग को लेकर किसान आंदोलनरत है। राज्य सरकार ने किसानों की मांग पर संवाद करने के लिए मंत्रियों की एक समिति बनाई है। दरअसल, राज्य में समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी हो रही है। किसानों का आरोप है कि मूंग खरीदी में लापरवाही और गड़बड़ी हो रही है। परिणामस्वरूप राज्य के अलग-अलग हिस्सों के किसान राजधानी भोपाल की ओर कूच कर गए हैं, कई किसान भोपाल पहुंच भी चुके हैं।

किसानों के आंदोलन के चलते कई मार्गों पर बैरिकेट्स लगाकर आवागमन बंद करना पड़ा है, साथ ही परिवर्तित मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि किसान सरकार की प्राथमिकता है इसीलिए मंत्रियों की समिति बनाई गई है। इस समिति में एदल सिंह कंसाना, कृष्णा गौर, विश्वास सारंग और राकेश सिंह आदि को शामिल किया गया है जो किसानों से सीधे बात करेंगे। वही, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि नर्मदापुरम के बरखेड़ा से प्रारंभ हुई किसान क्रांति पैदल यात्रा का भोपाल पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश का किसान भाजपा सरकार की नीतियों से गहरे आक्रोश में है।

हजारों किसान परिवार अपनी जायज मांगों को लेकर राजधानी की सड़कों पर डटे हुए हैं, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने के बजाय मौन धारण किए बैठी है। जीतू पटवारी ने कहा कि किसान मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, खाद की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों के हितों की रक्षा तथा केंद्र सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। ये कोई राजनीतिक मांगें नहीं, बल्कि किसानों के जीवन और आजीविका से जुड़े बुनियादी प्रश्न हैं।

सुविचार
संभल के चलने पर भी गीर जाते है। ये तुम्हारी लापरवाही नहीं, रास्ते के उतार चढाव है।

हुस्नाबाद मंडल के सभी गांवों के समग्र विकास के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करें : पोन्नम प्रभाकर

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई, विकास कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को हुस्नाबाद मंडल के सभी गांवों के समग्र विकास के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। हुस्नाबाद मंडल परिषद कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने गांवों के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में अधिकारियों की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में वर्तमान मौसम की स्थिति, पेयजल समस्या, कृषि क्षेत्र, बिजली आपूर्ति, परिवहन सुविधाएं, पंचायत राज, सड़कें, शिक्षा, रोजगार गारंटी योजना और इंदिरम्मा आवास निर्माण सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित रहने वाले बिजली विभाग के सहायक अभियंता के रवैये पर मंत्री ने नाराजगी जताई। सरपंचों ने जब बताया कि सहायक अभियंता ग्राम सभाओं में भी उपस्थित नहीं रहते हैं, तो मंत्री ने कहा कि जनता के लिए उपलब्ध नहीं रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों से पूछा कि शातवाहन विश्वविद्यालय के कार्यों के लिए 15 लाख रुपये का भुगतान किए जाने के बावजूद अब तक बिजली कनेक्शन क्यों नहीं दिया गया। उन्होंने संबंधित समस्या का तत्काल समाधान कर बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि हुस्नाबाद मंडल में स्वीकृत 240 इंदिरम्मा मकानों में से 210 मकानों का निर्माण कार्य जारी है। मंत्री ने शेष मकानों का कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि लापरवाही होने पर स्वीकृतियां रद्द करनी पड़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में मकानों का निर्माण पूरा होगा, उन्हें अगली किश्त में अतिरिक्त मकानों के आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री ने पंचायत राज और सड़क एवं भवन विभाग से जुड़े लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने तथा लंबित निविदा प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गांवों में स्वीकृत विकास कार्य किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहने चाहिए और उनकी नियमित निगरानी की जाए। एल-नीनो के प्रभाव से भविष्य में जल संकट की संभावना को देखते हुए मंत्री ने पेयजल समस्या से निपटने के लिए अग्रिम योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की खेती के प्रति जागरूक करने को कहा। बैठक में विशेष अधिकारी कोंडल रेड्डी, मंडल विकास अधिकारी सुरेश, कृषि बाजार समिति अध्यक्ष तिरुपति रेड्डी, प्राथमिक कृषि सहकारी समिति अध्यक्ष शिवैया, आत्मा समिति अध्यक्ष अय्यैया, सरपंच, जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व बाघ दिवस : बाघ संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान

मंत्री कोंडा सुरेखा बोलीं- बाघों की रक्षा यानी जंगल, पर्यावरण और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा

Global Tiger Day Celebrations

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने समाज के सभी वर्गों से बाघ संरक्षण को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानते हुए प्रकृति संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी केवल मनुष्यों का ही नहीं, बल्कि समस्त जीव-जंतुओं का साझा आवास है, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों और वन्यजीवों की रक्षा हर नागरिक का दायित्व है। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर मेडचल-मलकाजगिरि जिले के दूलपल्ली स्थित तेलंगाना राज्य वन अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं मंत्री ने बाघ संरक्षण पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा इस विषय पर तैयार लघु फिल्म भी देखी। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में इसकी शुरुआत विश्व स्तर पर बाघ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हुई थी। उन्होंने कहा कि बाघ वन संपदा का प्रतीक है और बाघों का संरक्षण करना अर्थात जंगलों, पर्यावरण, जैव विविधता तथा भावी पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि शिकार, वनों की कटाई और अवैध तस्करी के कारण एक समय बाघों की संख्या में भारी गिरावट आई थी। इस स्थिति को बदलने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में वर्ष 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू किया गया तथा 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर शुरू किया गया। इन प्रयासों का परिणाम है कि आज भारत बाघ संरक्षण के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बन चुका है। उन्होंने बताया कि विश्व के लगभग 75 प्रतिशत बाघ भारत में हैं तथा देश में वर्तमान में 58 टाइगर रिजर्व सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना का भी बाघ संरक्षण में महत्वपूर्ण स्थान है। अमराबाद और कवाल टाइगर रिजर्व देश के प्रमुख बाघ अभयारण्यों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अमराबाद टाइगर रिजर्व में जल स्रोतों के विकास, आवास सुधार तथा आधुनिक सुरक्षा उपायों से बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि कवाल टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए टाइगर पुनर्स्थापन (टाइगर री-इंट्रोडक्शन) कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत कवाल टाइगर रिजर्व को महाराष्ट्र के ताडोबा टाइगर रिजर्व से जोड़कर बाघों के प्राकृतिक आवागमन के लिए अनुकूल परिस्थितियां विकसित की गई हैं। साथ ही वन विभाग लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चला रहा है। मंत्री ने सभी नागरिकों से जंगलों और वन्यजीवों की रक्षा करने तथा आने वाली पीढ़ियों को हरित तेलंगाना सौंपने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्व बाघ दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेने का अवसर है। वन अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश और केरल के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि वे निष्ठा, ईमानदारी और सेवा भावना के साथ वन संपदा की रक्षा करें तथा हरित भविष्य के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस अवसर पर वन एवं वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन विभाग के अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। वहीं, विश्व बाघ दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सरकारी स्कूल के हेडमास्टर पर पाक्सो का मामला दर्ज

वारंगल, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के वर्धन्नपेट मंडल में 50 वर्षीय सरकारी स्कूल के हेडमास्टर पर चार साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी तातिकयाला भास्कर जनगाँव जिले के ज़फ़रगढ़ मंडल के एक सरकारी स्कूल में हेडमास्टर के तौर पर काम करता है।

रविवार रात, उसने कथित तौर पर गाँव में अपने घर के सामने खेल रही चार साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले लिया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

जब बच्ची ने अपने माता-पिता को घटना के बारे में बताया, तो उन्होंने वर्धन्नपेट पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, भास्कर के खिलाफ पाक्सो का मामला दर्ज किया गया और मामले की जांच शुरू की गई।

मल्कजगिरी और पटनचेरु में दो अलग-अलग छापों में 2 किलो गांजा ज़ब्त

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध और आबकारी विभाग ने मंगलवार को मल्कजगिरी और पटनचेरु में दो अलग-अलग ऑपरेशन किए और दो लोगों को पकड़ा। कुल 2 किलो सूखा गांजा ज़ब्त किया गया, जबकि फ़रार चल रहे दो अन्य लोगों को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

पहले ऑपरेशन में, अधिकारियों ने पक्की जानकारी के आधार पर रंगा रेड्डी ज़िले के फ़तेहनगर स्थित पारधी बस्ती के रहने वाले कालीवाला मल्लेश (20) को गांजा रखने और बेचने के आरोप में पकड़ा। टीम ने उसके पास से 780 ग्राम सूखा गांजा ज़ब्त किया।

पूछताछ के दौरान, मल्लेश ने कथित तौर पर एक महिला, राशि, और वुखंड्रे विनोद की संलिप्तता का खुलासा किया; ये दोनों एर्रागड्डा के छत्रपति शिवाजीनगर के रहने वाले हैं। दोनों के ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया गया है और वे अभी फ़रार हैं।

एक अन्य ऑपरेशन में, अधिकारियों ने राजेश कुमार (20) को पकड़ा, जो कथित तौर पर पटनचेरु में गांजा बेचने में शामिल था। अधिकारियों ने उसके पास से 1.15 किलो सूखा गांजा ज़ब्त किया। आरोपी और ज़ब्त किया गया गांजा आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पटनचेरु आबकारी स्टेशन को सौंप दिया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14681027H, Hav, Dhokte Sominath Navnath, R/o, Vill & PO: Darewadi, Dist : Ahmadnagar, Maharashtra, changed my Son's name from Abhishak Sominath Dhokte to Abhishek Sominath Dhokte, vide Affidavit No. 467835 dt 28.07.2026, before Medchal - Malkajgiri Court, Telangana.

I, RATHNAMMA, is legally Mother of Service No-15218166A, Rank-NK(MKEEPER), RAVINDRA P, R/o Vill -Alli Marada Koppalu Po-Melur, Teshil-Bettadapura Hobali Periyapattana, Dist- Mysore, Karnataka, I have to change my Name from - RATHNAMMA to RATNAMMA For all purpose vide affidavit dated: 29-07-2026.

I, PUTTASWAMY GOWDA, is legally Father of Service No-15218166A, Rank-NK(MKEEPER), RAVINDRA P, R/o Vill -Alli Marada Koppalu Po-Melur, Teshil-Bettadapura Hobali Periyapattana, Dist- Mysore, Karnataka, I have to change my Name from - PUTTASWAMY GOWDA to PUTTASWAMYGOWDA For all purpose vide affidavit dated: 29-07-2026.

PLOT FOR SALE

Plot for sale Bhagyalaxmi colony, Pipeline road suchitra 300 Sqyd. (40 feet road) commercial Plot, 2 sides road, near Aimatha temple, No broker excuse. Contact: 9848121504

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मियापुर में मरम्मत के काम के दौरान खुला नाला बुजुर्ग को बहा ले गया

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात मियापुर में वैशाली नगर अंडरपास के पास बारिश के पानी के साथ एक खुले स्टॉर्मवॉटर ड्रेन (तूफानी जल निकासी नाले) में बह जाने से एक 70 साल का बुजुर्ग लापता हो गया, जिसके बाद बचाव दलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया।

लापता बुजुर्ग की पहचान हफीजपेट के प्रेम नगर निवासी बालैया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अंडरपास के पास नाले की मरम्मत का काम चल रहा था, तभी वह नाले में गिर गए।

पुलिस के अनुसार, जल निकासी की मरम्मत के काम के लिए अंडरपास को कई दिनों से बंद रखा गया था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि बालैया गलती से खुले नाले में गिर गए और पानी के तेज बहाव में बह गए।

मियापुर के इंस्पेक्टर एन. जयराम ने बताया कि कई बचाव दल लापता बुजुर्ग की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, विशेष टीमों ने स्टॉर्मवॉटर ड्रेन के साथ लगभग 4 किलोमीटर तक तलाशी ली, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। हमारी तत्काल प्राथमिकता बचाव अभियान है, और सबूतों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बालैया, जो छड़ी के सहारे चल रहे थे, रात करीब 9:20 बजे अपने घर पहुंचने के लिए नाले वाले हिस्से को पार करने की कोशिश कर रहे थे। बताया जाता है कि दो युवकों ने उन्हें पार करने में मदद करने की कोशिश की, लेकिन उनका पैर फिसल गया और वे तेज बहते पानी में गिरकर बह गए।

परिवार के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि यह हादसा ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुआ। उन्होंने दावा किया कि मरम्मत का काम चल रहा था, लेकिन इसके बावजूद पर्याप्त बैरिकेड्स और सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। उन्होंने साइट पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए नगर प्रशासन की भी आलोचना की। वहाँ रहने वाले लोगों ने बताया कि अंडरपास बंद होने की वजह से आस-पास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को या तो खतरनाक रास्ते से गुज़रना पड़ रहा था या फिर घर पहुँचने के लिए तीन किलोमीटर से ज़्यादा का लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा था।

स्थानीय विधायक अरिकेपुडी गांधी ने घटनास्थल का दौरा किया, अधिकारियों के साथ बचाव अभियान का जायज़ा लिया और उन्हें लापता व्यक्ति को खोजने की कोशिशें तेज़ करने का निर्देश दिया। बुधवार को भी खोज अभियान जारी रहा, जबकि मियापुर पुलिस इस घटना की जाँच कर रही थी।

नकली पनीर का रैकेट पकड़ा गया, कीसारा में 300 किलो ज़ब्त

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी स्पेशल ऑपरेशन्स टीम ने फ़ूड सेफ़्टी अधिकारियों के साथ मिलकर मिलावटी पनीर सप्लाई करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया। बुधवार को शहर के बाहरी इलाके कीसारा में दो ऑटो-रिक्शा से लगभग 300 किलो संदिग्ध नकली पनीर ज़ब्त किया गया। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ़्तार किया है जो होटलों, रेस्तरां और स्थानीय विक्रेताओं को सप्लाई करने के लिए यह पनीर ले जा रहे थे।

अधिकारियों को शक है कि यह पनीर घटिया सामग्री से बनाया गया था और इसे खाने से सेहत को गंभीर ख़तरा हो सकता है। इसे यदाद्री-भोंगिर ज़िले से शहर में लाया जा रहा था। ज़ब्त किए गए पनीर को लैब टेस्टिंग के लिए भेज दिया गया है।

अधिकारी इस खेप के स्रोत की भी जांच कर रहे हैं और सप्लाई नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Dated : 29.07.2026

Notice is hereby given to the general public that Sri/Smt/Kum **A. PRAVEEN KUMAR**, President/Gereral Secretary intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **PRK PARTY Progress reform knowledge (Name of the Party)** With location of its head office **H.No:2-18/1, AMEENPUR, opp:H.D.F.C ATM centre Opposite preveen kumar Niliyam Ameenpur** under the Registration of Political Parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are 1) Sri/Smt/Kum **A.PRAVEENKUMAR;** 2)Sri/Smt/Kum **A.MAHALAXMI;** 3)Sri/Smt/Kum **S.V.BHOPAL REDDY.** Objection, If any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad -500004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **PRK PARTY. Progress reform knowledge (Name of the Party)** as Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

President
PRK PARTY

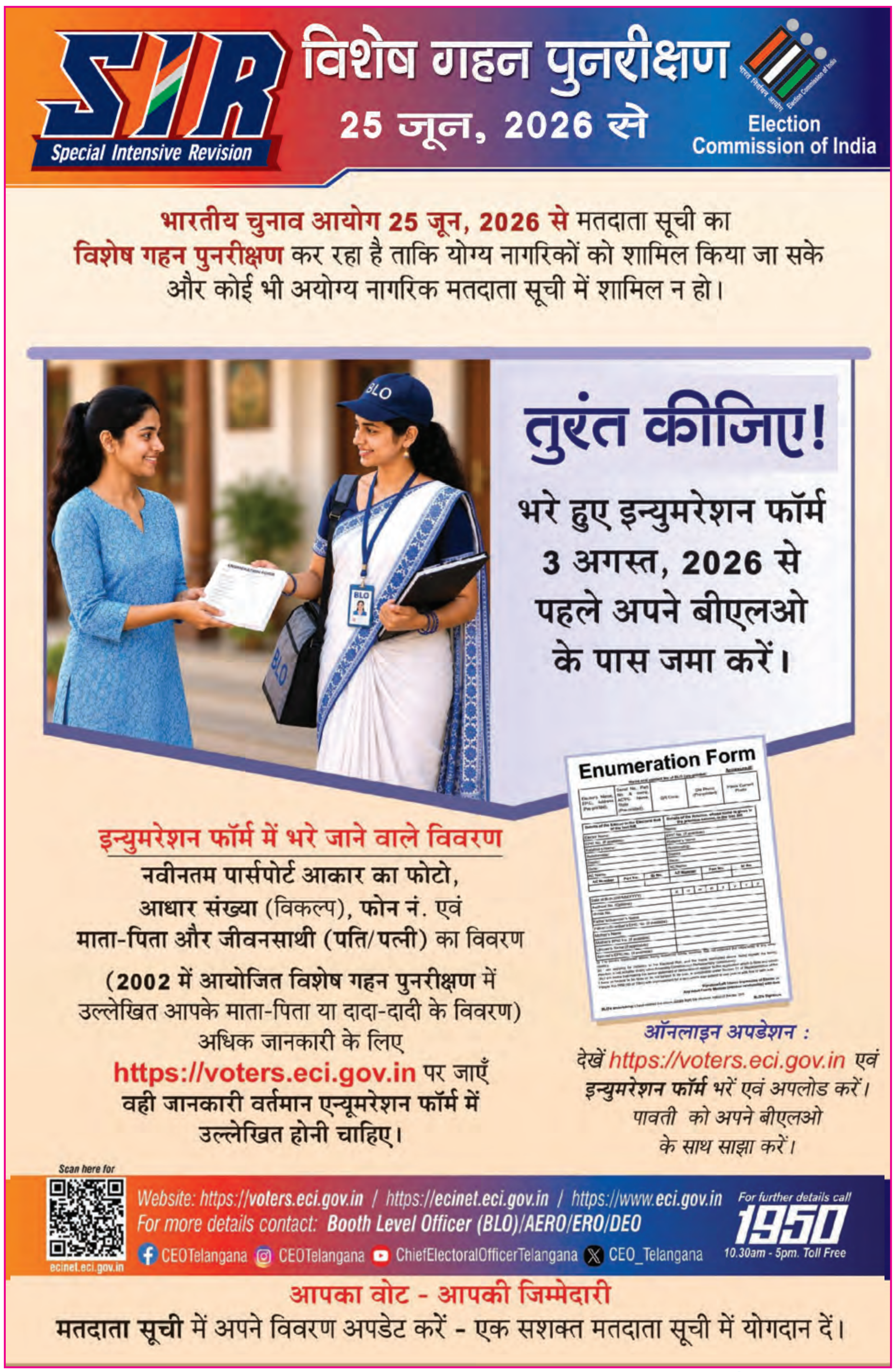

SIR
Special Intensive Revision
विशेष गहन पुनरीक्षण
25 जून, 2026 से
Election Commission of India

भारतीय चुनाव आयोग 25 जून, 2026 से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर रहा है ताकि योग्य नागरिकों को शामिल किया जा सके और कोई भी अयोग्य नागरिक मतदाता सूची में शामिल न हो।

तुरंत कीजिए!
भरे हुए इन्युमरेशन फॉर्म 3 अगस्त, 2026 से पहले अपने बीएलओ के पास जमा करें।

इन्युमरेशन फॉर्म में भरे जाने वाले विवरण
नवीनतम पार्सपोर्ट आकार का फोटो, आधार संख्या (विकल्प), फोन नं. एवं माता-पिता और जीवनसाथी (पति/पत्नी) का विवरण
(2002 में आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण में उल्लेखित आपके माता-पिता या दादा-दादी के विवरण)
अधिक जानकारी के लिए https://voters.eci.gov.in पर जाएँ
वही जानकारी वर्तमान एन्यूमरेशन फॉर्म में उल्लेखित होनी चाहिए।

ऑनलाइन अपडेशन :
देखें https://voters.eci.gov.in एवं इन्युमरेशन फॉर्म भरें एवं अपलोड करें।
पावती को अपने बीएलओ के साथ साझा करें।

Scan here for
ecinet.eci.gov.in
Website: https://voters.eci.gov.in / https://ecinet.eci.gov.in / https://www.eci.gov.in
For more details contact: Booth Level Officer (BLO)/AERO/ERO/DEO
CEOTelangana CEOTelangana ChiefElectoralOfficerTelangana CEO_Telangana
For further details call 1950
10.30am - 5pm. Toll Free

आपका वोट - आपकी जिम्मेदारी
मतदाता सूची में अपने विवरण अपडेट करें - एक सशक्त मतदाता सूची में योगदान दें।

कौन है गैंगस्टर जोबनजीत सिंह उर्फ बिल्ला जो इंडोनेशिया में पकड़ा गया, गोरखपुर के पते पर बनवाया फर्जी पासपोर्ट

गोरखपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के एक कुख्यात गैंगस्टर का यूपी के गोरखपुर के पते पर फर्जी बना पासपोर्ट सामने आया है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसी सहित सरकारी अमला हरकत में आ गया। फर्जी पते पर पासपोर्ट बनाने वाले पूरे नेटवर्क की जांच पड़ताल शुरू की गई है। अमृतसर निवासी गैंगस्टर जोबनजीत सिंह उर्फ बिल्ला हाल ही में इंडोनेशिया से पकड़ा गया। उस पर 5 लाख का इनाम घोषित था। उसने गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र के एक एड्रेस पर अपना पासपोर्ट बनवाया और विदेश फरार हो गया। यह जानकारी होते ही पंजाब पुलिस की एक टीम गोरखनाथ थाना क्षेत्र के एड्रेस पर पहुंची। अब सुरक्षा एजेंसियां इस बात का पता करने में लगी हैं कि आखिर बिल्ला को गोरखपुर का एड्रेस किसने मुहैया कराया और पासपोर्ट बनवाने के लिए फर्जी दस्तावेज किसने दिए। शक है कि इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क शामिल है और इस बात की भी जानकारी जुटाई जा रही है कि ऐसे और कितने लोगों के फर्जी दस्तावेज इस्तेमाल कर डॉक्यूमेंट बनवाए गए हैं।

नीट बवाल के बीच बिहार का मास्टरस्ट्रोक

पेपर लीक पर अब 90 दिन में फैसला, पूर्णिया समेत 3 स्पेशल कोर्ट बनेंगी

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में पेपर लीक को लेकर छात्रों के लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच राज्य में परीक्षा माफियाओं पर सबसे बड़ा कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी हो गई है। पटना हाईकोर्ट ने द पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मींस) एक्ट, 2024 के तहत दर्ज मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए पटना, लखीसराय और पूर्णिया में तीन विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करने का निर्णय लिया है। इन अदालतों में पेपर लीक और परीक्षा धांधली से जुड़े मामलों की रोजाना सुनवाई होगी और ट्रायल शुरू होने के 90 दिनों के भीतर फैसला सुनाना होगा।

हाईकोर्ट ने इन तीनों स्पेशल कोर्ट के लिए पीठासीन अधिकारियों के नाम भी तय कर दिए हैं। पटना में गौरव सिंह, लखीसराय में सीमा भारतीय और पूर्णिया में ठाकुर अमन कुमार इन मामलों की सुनवाई करेंगे। अब बिहार सरकार से इन अदालतों को जल्द अधिसूचित कर संबंधित न्यायिक अधिकारियों की पदस्थापना करने का अनुरोध किया गया है। इन विशेष अदालतों की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि चार्जशीट दाखिल होने के बाद मुकदमे वर्षों तक लंबित नहीं रहेंगे।

रोजाना सुनवाई के कारण दोषियों को जल्द सजा मिल सकेगी और संगठित पेपर लीक गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता बढ़ेगी और लाखों अभ्यर्थियों का भरोसा परीक्षा प्रणाली पर फिर से मजबूत होगा।

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में बीपीएससी, नीट समेत कई बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली के मामलों ने बिहार को सुर्खियों में ला दिया था। लंबी जांच और मुकदमों में देरी के कारण छात्र लगातार नाराज थे। हाल के दिनों में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर बिहार सहित पूरे देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिसके बाद परीक्षा प्रणाली को और सख्त बनाने की मांग तेज हो गई।

पेपर लीक के खिलाफ सरकार सख्त

इसी बीच, केंद्र सरकार ने भी पेपर लीक के खिलाफ कानून को और कड़ा करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। संसद के मॉनसून सत्र में पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मींस) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया गया है। प्रस्तावित संशोधनों में संगठित पेपर लीक नेटवर्क पर और सख्त कार्रवाई, त्वरित जांच, फास्ट ट्रैक कोर्ट तथा दोषियों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ तक जुर्माने का प्रावधान शामिल हैं।

यदि ये व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से लागू होती हैं तो बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली करने वालों के लिए बच निकलना बेहद मुश्किल हो जाएगा। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा विश्वसनीयता बढ़ने की उम्मीद है।

2027 मिशन में जुटी बीएसपी मायावती ने आकाश आनंद को सौंपी चुनावी कमान, हाथरस से करेंगे अभियान की शुरुआत

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अगले साल (2027) में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको लेकर तमाम राजनीतिक दल तैयारियों में जुट गए हैं। चुनावी रणनीति के साथ ही सीट शेयरिंग पर भी मंथन शुरू हो गया है। वहीं बहुजन समाज पार्टी ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को चुनावी मैदान में उतारने का फैसला किया है। जानकारी के मुताबिक आकाश आनंद 10 अगस्त को हाथरस जिले की सादाबाद विधानसभा से पार्टी के चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे।

पार्टी की रणनीति के तहत आकाश सादाबाद में विधानसभा प्रभारी के नाम की घोषणा करेंगे और इसके बाद कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करेंगे। बीएसपी की योजना प्रदेशभर में विधानसभा स्तर पर प्रभारियों की घोषणा के साथ चुनावी अभियान को गति देने की है।

सपा सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

गाजीपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बाहुबली मुख्तार अंसारी के गैंग और उसके परिजनों को जारी शस्त्र लाइसेंसों की जांच में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा किया है। जांच के आधार पर गाजीपुर जिले में सांसद अफजाल अंसारी, मुख्तार अंसारी की पत्नी अफसा बेगम, गैंग के सहयोगियों तथा तत्कालीन शस्त्र लिपिकों व अन्य अधिकारियों के खिलाफ कुल पांच मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर एसटीएफ की सूचनाओं के आधार पर वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक की निगरानी में यह जांच कराई गई।

जांच के दौरान मुख्तार अंसारी के परिवार के पांच सदस्यों, गैंग के 11 सदस्यों और सहयोगियों तथा कथित रूप से फर्जी तरीके से जारी किए गए 27 शस्त्र लाइसेंसों सहित कुल 43 लाइसेंसधारकों और उनसे जुड़े 80 से अधिक हथियारों का भौतिक सत्यापन कराया गया। जांच में सामने आया कि कई शस्त्र लाइसेंसों की मूल पत्रावलियां और हथियारों की खरीद-बिक्री से जुड़े अभिलेख जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, गाजीपुर से गायब हैं।

पुलिस के अनुसार, इन अभिलेखों को तत्कालीन शस्त्र लिपिकों और अधिकारियों की कथित मिलीभगत से गायब कराया गया, ताकि हथियारों की वास्तविक स्थिति छिपाई जा सके और उनके दुरुपयोग का पता न चल सके। एक मामले में फर्जी पते के आधार पर शस्त्र लाइसेंस हासिल करने का भी खुलासा हुआ है। जांच के आधार पर दर्ज पांच मुकदमों में सांसद अफजाल अंसारी पर विभिन्न शस्त्र लाइसेंसों से जुड़े रिकॉर्ड गायब कराने और हथियारों के सत्यापन को प्रभावित करने के आरोप लगाए गए हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में न्याय मांग रही मां को जान से मारने की धमकी; रिश्तेदार के साथ भी मारपीट

भोजपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत भूषण तिवारी कथित एनकाउंटर मामले में एक बार फिर नया घटनाक्रम सामने आया है। न्याय की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच सोशल मीडिया पर कथित धमकी देने और गांव में मारपीट करने के आरोप में शाहपुर थाना में दो अलग-अलग आवेदन दिए गए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला भरत भूषण तिवारी की मां आशा देवी से जुड़ा है। शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी आशा देवी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि हाल के दिनों में उन्होंने अपने पुत्र को न्याय दिलाने के लिए विभिन्न जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। इसके बाद सुबह एक व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर फोन कर कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आवेदन में यह भी कहा गया है कि इससे पहले 11 जुलाई को भी सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र भाषा का प्रयोग कर धमकी दी गई थी।

क्या फिर मारेंगे पलटी! ओम प्रकाश राजभर ने कर दी राहुल गांधी की तारीफ

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के आंदोलन और एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के बीच योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ की है। जिसके बाद प्रदेश में सियासी हलचलें तेज हो गई हैं। कयास लग रहे हैं कि क्या राजभर का मन बदल रहा है वो आने वाले समय में फिर से पलटी मार सकते हैं।

ओम प्रकाश राजभर ने राहुल गांधी की तारीफ़ की और कहा कि उनकी ताकत पहले से बढ़ती जा रही है जबकि अखिलेश यादव की कमज़ोर हो रही हैं। उन्होंने कहा कि छात्र आंदोलन की वजह से राहुल गांधी की लोकप्रियता बढी है जबकि विपक्ष में घबराहट हो रही है। अखिलेश सिर्फ सीएम बनने के चक्कर में है। राजभर ने कहा कि छात्रों के प्रदर्शन के बाद राहुल गांधी की ताकत बढ़ गई और अखिलेश यादव की घट गई है। उसका कारण हैं कि आप सोशल मीडिया पर देखेंगे तो बड़ी संख्या में यादव और मुसलमान योगी जी के काम से संतुष्ट हैं। तो जब यादव और मुसलमान ही उनका मूल बेस हैं जब वो उनके यहां से हट रहे हैं।

आप 2022, 2024 के नतीजे उठाकर देखिए, काँग्रेस ने जो वोट हासिल किया है उसकी तुलना करिए तो समझ आएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए राजभर ने कहा कि जब सपा की सरकार थी तो नकल खुलेआम कराई जाती थी। नौकरी बेची जाती थी, अयोग्य बच्चे पास कराए जाते थे और योग्य बच्चे अयोग्य कर देते थे, ऐसे लोग पेपर लीक की बात कर रहे हैं।

आर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहा था गंदा खेल, पुलिस ने 2 नाबालिगों को कराया मुक्त

शिवहर / तरियानी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। एसपी शैलेंद्र सिंह द्वारा गठित पुलिस टीम ने तरियानी थाना क्षेत्र के सुमहूती बाजार स्थित आर्यन म्यूजिकल नामक आर्केस्ट्रा केंद्र पर छापेमारी करते हुए जहां दो किशोरियों को मुक्त कराने में सफलता पाई है। पुलिस ने आर्केस्ट्रा संचालक पूर्वी चंपारण जिले के राजेपुर थाना के मदुआहां निवासी मनीष कुमार तथा उसकी सहयोगी पश्चिम बंगाल की दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ थाना क्षेत्र के चंदनसौर निवासी मो। कासिम की पुत्री रिंकी कुमारी उर्फ रिंकी खातून को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस की टीम उपलब्ध साक्ष्यों एवं तकनीकी प्रमाणों के आधार पर मामले की गहन जांच कर रही है। साथ ही इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस ने मुक्त कराई गई किशोरियों को सुरक्षित बरामद कर आवश्यक संरक्षण उपलब्ध कराया गया है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, बोले- हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता

गोरखपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पर्व संबंधी आनुष्ठानिक कार्यक्रम की व्यस्तता के बावजूद जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। लोगों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित किया जाए। बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पूजन के बाद गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

सपा जिलाध्यक्ष गार्गी सिंह पटेल को फिर गला दबाकर मारने का प्रयास

सपा कार्यकर्ता व पूर्व प्रधान पर आरोप

चंदौली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष गार्गी सिंह पटेल ने बहादुरपुर के पूर्व प्रधान एवं सपा कार्यकर्ता वीरेंद्र यादव पर गला दबाकर हत्या का प्रयास और छेड़खानी का आरोप लगाया है। वहीं, वीरेंद्र यादव ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि विवाद के दौरान उनके साथ मारपीट हुई, जिसमें उन्हें चोटें आई हैं। दोनों पक्षों ने मुगलसराय कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

गार्गी सिंह पटेल के अनुसार,शाम करीब सात बजे बहादुरपुर के पूर्व प्रधान वीरेंद्र यादव उनके घर पहुंचे। उनका कहना है कि पूर्व में हुए मारपीट के एक मामले को लेकर वीरेंद्र यादव द्वारा लोगों के बीच कथित रूप से गलत बातें कही जा रही थीं। इसी मुद्दे पर बातचीत के दौरान वीरेंद्र यादव ने उनका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की और उनके साथ छेड़खानी भी की। गार्गी सिंह पटेल का आरोप है कि शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद वीरेंद्र यादव की पिटाई कर दी गई और मामला शांत कराया गया। वहीं, बहादुरपुर के पूर्व प्रधान वीरेंद्र यादव ने आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि कुछ लोगों ने उनसे कहा था कि उन पर गार्गी सिंह पटेल पर हुए पूर्व हमले के आरोपियों से जेल में मिलने का आरोप लगाया जा रहा है।

इसी बात की सच्चाई बताने और अपना पक्ष रखने के लिए वह गार्गी सिंह पटेल के घर गए थे। उनका कहना है कि बातचीत के दौरान माहौल बिगड़ गया और जिस व्यक्ति ने उक्त बात बताई थी, उसकी पिटाई होने लगी। उसे बचाने के प्रयास में उन्हें भी चोटें आईं। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

बेखौफ बदमाश, लूट में नाकाम हुए तो पान व्यवसायी को मारी गोली

दरभंगा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सिमरी थाना क्षेत्र के कंसी शोभन स्थित एनएच-27 पर लूट की कोशिश के दौरान अपराधियों ने एक पान व्यवसायी को गोली मारकर जख्मी कर दिया। घायल की पहचान माधोपुर-बस्तवाड़ा पंचायत के माधोपुर निवासी 50 वर्षीय बाला भगत के रूप में हुई है। गोली उनके पैर में लगी है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बाला भगत प्रतिदिन की तरह दरभंगा बाजार से पान का कारोबार कर दस बजे बाइक से अपने घर लौट रहे थे।

इसी दौरान पल्सर बाइक पर सवार बदमाशों ने कंसी शोभन के पास उन्हें ओवरटेक कर रोकने की कोशिश की। बदमाशों की मंशा भांपते हुए बाला भगत ने अपनी बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। इससे नाराज अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। एक गोली उनके पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। गोली चलाने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे लूट के प्रयास से जुड़ा मामला मान रही है।

आठ इंसानों की जान लेने वाले छेदीलाल को हुई थी 'उम्रकैद'

लोगों का घर से निकलना हो गया था मुश्किल

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पीलीभीत का जंगल, वर्ष 2016। प्रदेश के सबसे बड़े मानव-वन्यजीव संघर्ष में छेदीलाल (रॉयल बंगाल टाइगर) ने आठ इंसानों को अपना शिकार बना लिया था। करीब 35 दिन तक चले इस संघर्ष में वन विभाग के अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए थे। कड़ी मशक्कत के बाद पकड़े गए छेदीलाल को 'उम्रकैद' यानी जीवनभर लखनऊ चिड़ियाघर में रखने का फैसला लिया गया।

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के निदेशक संजय कुमार विश्वाल बताते हैं कि पीलीभीत में वन्यजीवों का दिखना सामान्य बात है। इनमें शेर, बाघ, तेंदुए भी शामिल होते हैं। वर्ष 2016 में इंसानों की बस्ती तक पहुंच गया छेदीलाल आठ ग्रामीणों के लिए काल बन चुका था। उसकी दहशत में लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। ऐसे में छेदीलाल को मारने तक का आदेश दे दिया गया। हालांकि, मशक्कत के बाद वह जिंदा पकड़ा गया। निदेशक ने बताया कि वर्ष 2016 में छेदीलाल की उम्र करीब 10 वर्ष थी। लखनऊ चिड़ियाघर लाने के बाद उसे डेढ़ महीने तक क्वारंटाइन (सख्त निगरानी) में रखा गया।

बाद में फैसला लिया गया कि उसे जंगल में छोड़ने के बजाय चिड़ियाघर में ही रखा जाए। पीलीभीत के जंगल से करीब पांच वर्ष पहले चार शावकों (साक्षी, सिब्बा, अभि और शेरखान) को लखनऊ चिड़ियाघर लाया गया था। बाघों के आपसी संघर्ष में इनकी मां की मौत हो गई थी। चार में से तीन शावकों को यहीं के बाड़े में रखा गया, जबकि एक को दूसरे चिड़ियाघर भेज दिया गया। मौजूदा समय में चिड़ियाघर में 12 बाघ हैं, जिनमें से नौ रॉयल बंगाल टाइगर और तीन सफेद बाघ हैं। संजय कुमार विश्वाल ने बताया कि भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के कुछ नियम हैं। इसके तहत वन्यजीवों, खास तौर पर बाघ के व्यवहार और प्रवृत्ति के आधार पर उन्हें आजाद या कैद रखने का फैसला लिया जाता है।

27 साल बाद आगरा कोर्ट ने चरस आरोपी को किया बरी गवाही के लिए नहीं पहुंची पुलिस

आगरा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने 27 साल पहले चरस की 19 पुड़ियां बरामद कर अपनी पीठ थपथपाई। थाना पुलिस के साथ एसओजी टीम भी लगाई गई थी। आरोपित पकड़ा गया तो कहा गया कि वह चरस की खरीद और बिक्री करता है। जब अदालत में इसकी पैरवी की वारी आई तो सभी भूल गए। अदालत 27 साल तक इंतजार करती रही, लेकिन गवाही को एक भी पुलिसकर्मी भी नहीं पहुंचा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सप्तम अनुज कुमार सिंह की अदालत ने साक्ष्य के अभाव का हवाला देकर 27 साल बाद आरोपित मुन्ना को बरी करने का आदेश जारी किया है। 23 अगस्त 1999 को सदर थाने में तैनात उपनिरीक्षक आरके सिसौदिया, उपनिरीक्षक पीएन राय, पुलिस कर्मी रमाशंकर, जगदीश सिंह के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे, तभी राजपुर चुंगी के पास भांग दुकान के बाहर चरस एवं शराब बेचने की सूचना मिली। थाना सदर पुलिस ने एसओजी के उपनिरीक्षक संजीव कटियार, पुलिस कर्मी रामपाल, प्रदीप पचौरी, मानपाल सिंह, वेद प्रकाश को साथ लेकर मौके पर दबिश दी, जहां से आरोपित मुन्ना को 19 पुड़िया चरस के साथ हिरासत में ले लिया।

यूपी के पूर्व डीजीपी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का किया समर्थन

हिंसक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की वकालत

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों और निर्देशों पर उत्तर प्रदेश के दो पूर्व पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) ने टिप्पणी करते हुए न्यायालय के फैसले का समर्थन किया है।

दोनों पूर्व डीजीपी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन हिंसा, कानून-व्यवस्था भंग करने और आपराधिक तत्वों को किसी भी तरह की छूट नहीं दी जा सकती।

नोएडा में पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट कर दिया है कि जिन लोगों ने हिंसा की है या जो आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं, उनके प्रति किसी भी प्रकार का दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाएगा और न ही उन्हें किसी तरह का संरक्षण मिलेगा। न्यायालय का यह निर्देश कानून के शासन को मजबूत करने वाला है।

विक्रम सिंह ने सीजेपी की उस प्रतिक्रिया पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें कथित तौर पर कहा गया कि यदि प्रशासनिक आदेश के माध्यम से सभी मामलों को वापस नहीं लिया गया तो दोबारा धरना दिया जाएगा। उन्होंने इसे सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना बताते हुए कहा कि इस प्रकार की भाषा यह संकेत देती है कि कुछ लोग स्वयं को कानून से ऊपर समझते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश सभी के लिए बाध्यकारी होते हैं और यदि किसी पक्ष को अदालत का निर्णय स्वीकार नहीं है, तो उसके पास कानूनी उपाय उपलब्ध हैं। ऐसे मामलों में अदालत में पुनर्विचार याचिका या अन्य वैधानिक प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, न कि सड़कों पर उतरकर दबाव बनाने की कोशिश की जानी चाहिए। पूर्व डीजीपी ने शासन-प्रशासन और पुलिस से भी अपील की कि वे हर संभावित परिस्थिति के लिए तैयार रहें, लेकिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान संयम बरतें। बिना अनावश्यक बल प्रयोग और बिना हिंसा के स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास होना चाहिए, क्योंकि पुलिस जनता की शत्रु नहीं है।

वहीं, लखनऊ में पूर्व डीजीपी एके जैन ने सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी का स्वागत किया, जिसमें अदालत ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन संविधान प्रदत्त अधिकार है और अत्यधिक बल प्रयोग के मामलों में कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालत का निर्णय संतुलित और सुविचारित है। यदि प्रदर्शन की आड़ में शामिल आपराधिक तत्वों को भी बिना जांच के राहत दे दी जाएगी, तो इससे भविष्य में गलत संदेश जाएगा।

हत्या, दुष्कर्म, नारकोटिक्स जैसे गंभीर मामलों में आरोपी या हिस्ट्रीशीटर यदि प्रदर्शनों में शामिल होकर हिंसा फैलाते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तो इससे असामाजिक तत्वों का मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने दावा किया कि फेशियल रिकग्निशन सिस्टम के आधार पर दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट में लगभग 2800 ऐसे लोगों की पहचान की गई है, जो विभिन्न आपराधिक मामलों में आरोपी या हिस्ट्रीशीटर बताए गए हैं। यह गंभीर जांच का विषय है कि लंबे समय तक शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा छात्र आंदोलन अचानक हिंसक कैसे हो गया और उसमें ऐसे तत्व कैसे शामिल हो गए। पूर्व डीजीपी ने आगे कहा कि यदि किसी आंदोलन में बाहरी आपराधिक तत्व घुसकर पथराव, हिंसा और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य के लिए एक स्पष्ट नजीर स्थापित हो सके।

मणिपुर की लड़की से शादी और बेटी! ग्रेटर नोएडा में पकड़े गए चीनी नागरिक का 6 साल पहले खत्म हो चुका था वीजा

नोएडा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा की बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने जेपी ग्रीन्स सोसायटी से चीन के नागरिक को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी पिछले 6 साल से बिना वैध वीजा के भारत में रह रहा था और फर्जी आधार कार्ड के सहारे अपनी पहचान छिपाकर कारोबार कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सांग सिओमाओ निवासी चीन के रूप में हुई है। वह ग्रेटर नोएडा की जेपी ग्रीन्स सोसायटी में रह रहा था।

उससे 2020 में समाप्त हो चुका वीजा, मणिपुर के पते पर बना फर्जी आधार और पैन कार्ड बरामद हुआ है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी हैं कि फर्जी दस्तावेज किसने तैयार किए और इनके जरिए उसने कौन-कौन से सरकारी और वित्तीय काम कराए। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी एक साल के वीजा पर भारत आया था। इसी दौरान उसने मणिपुर की एक युवती से शादी कर ली, जिससे उसकी एक बेटी भी है। पुलिस अब आरोपी के बैंक खातों, मोबाइल, लैपटॉप, कंपनी के दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का येलो अलर्ट

भारी बारिश के साथ तेज तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मौसम विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली समेत पूरे एनसीआर क्षेत्र के लिए 29 और 30 जुलाई को भारी बारिश और तेज तूफान को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को हुई बारिश ने पहले ही यातायात व्यवस्था को चरमरा दिया है, जबकि कई इलाकों में जलभराव से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार, अगले दो दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों में गिरावट दर्ज की जाएगी।

मौसम विभाग का अनुमान है कि 29 जुलाई को दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहेगा। आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) सुबह 100 प्रतिशत और रात में 90 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है, जिससे उमस भरी गर्मी और बारिश दोनों का अहसास होगा। इस दिन आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग ने दिन के पांचों हिस्सों सुबह, पूर्वाह्न, दोपहर, शाम और रात के लिए 'हल्की से मध्यम बारिश' की भविष्यवाणी की है। खासतौर पर सुबह और पूर्वाह्न में बारिश की तीव्रता अधिक रह सकती है, जिससे सड़कों पर पानी भरने और यातायात बाधित होने की आशंका है। 30 जुलाई के लिए मौसम विभाग ने और भी सख्त चेतावनी दी है। इस दिन अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री रहने का अनुमान है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 30 जुलाई को 'आंधी-तूफान के साथ बिजली चमकने' की चेतावनी दी गई है। पूर्वाह्न, दोपहर और रात के समय तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस दिन मौसम अधिक अस्थिर रहेगा, इसलिए नागरिकों को जरूरी यात्रा से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। 31 जुलाई को तापमान 34 डिग्री (अधिकतम) और 26 डिग्री (न्यूनतम), हल्की बारिश या बूंदाबांदी के साथ आसमान में सामान्य बादल रहेंगे। 1 अगस्त को भी अधिकतम 34 डिग्री, न्यूनतम 26 डिग्री, और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। 2 और 3 अगस्त के लिए अधिकतम तापमान 34 डिग्री और 33 डिग्री के बीच, जबकि न्यूनतम 25 डिग्री व 24 डिग्री रहने का पूर्वानुमान है।

हुई बारिश ने राजधानी में जाम, पानी भराव और बिजली आपूर्ति में रुकावट जैसी समस्याएं खड़ी कर दी थीं। जलभराव के कारण लोगों को ऑफिस-स्कूल जाने में कठिनाई हुई और कई इलाकों में वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहेगा। लेकिन आर्द्रता अधिक होने के कारण उमस से राहत नहीं मिलेगी।

पप्पू यादव ने चीन का जिक्र कर किया बड़ा दावा, बताया कैसे पेपर लीक रोके सरकार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार स्थित पूर्णिया से लोकसभा सांसद पप्पू यादव ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक 2026 की चर्चा में हिस्सा लिया। इस दौरान पप्पू यादव ने चीन, जापान, फिनलैंड, सिंगापुर का जिक्र करते हुए बताया कि सरकार पेपर लीक को कैसे रोक सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को माफिया एजेंसी बताते हुए यादव ने कहा कि इस बिल में माफियाओं को निवारण की कोई चर्चा नहीं है। पप्पू यादव ने यह सवाल भी उठाया कि कैसे 24 लोग एनटीए संचालित कर रहे हैं। 2026 तक एनटीए में केवल 24 पदाधिकारी थे। ये परीक्षा करा रहे हैं। आश्चर्य होगा कि यह संस्था ऐसी संस्था है जो 6 से 8 करोड़ फॉर्म भरवाती है। एक ही पदाधिकारी को बार-बार बड़े पदों पर रखा जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीए की नीतियों के चलते बच्चे डिप्रेशन में चले गए। सांसद ने पूछा कि जवाबदेही किसकी तय होगी? एनटीए के चेयरमैन को अब तक क्यों नहीं हटाया गया? यादव ने कहा कि सीबीआई ने पेपर लीक के एक मामले में संजीव मुखिया को बरी कर दिया। इससे पहले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने नीट पेपर लीक मामले में चार्जशीट दाखिल होने पर कहा, 12-13 केस हुए, 12-13 केस में एक सजा हुई, 11 केस में कोई सजा नहीं हुई। इन्वेस्टिगेशन छोटी मछली को पकडेगी। एनटीए के चीफ को बचाने के लिए ही सीबीआई जांच, अलग-अलग कमिटी जितनी बनाएंगे, उतना ही चोरी होगी और उतनी ही हिस्सेदारी बढ़ जाएगी। ये एनटीए को बचाने के लिए और चोरी को बढ़ाने के लिए यह नया कानून हमको दिख रहा है।

'हमारा इतिहास पढ़ लेना किसी का बाप भी', आरक्षण नहीं हटा सकता है: केंद्रीय मंत्री अठावाले का बयान

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि सीजेपी आंदोलन की आड़ में आरक्षण हटाओ की नफरती मुहिम शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमारी एनडीए सरकार और प्रधानमंत्री ऐसे बेवकूफों और उनकी बेतुकी मांगों को कतई समर्थन नहीं करते।

रामदास अठावले ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पिछले कुछ दिनों से सीजेपी आंदोलन की आड़ में विरोधियों ने सरकार को बदनाम करने का एक नया पैंतरा ढूंढ लिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 'आरक्षण हटाओ' की एक भ्रामक और नफरती मुहिम शुरू की गई है, जहां कुछ लोग जानबूझकर आरक्षण को केवल गरीबी हटाने का माध्यम बताकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि पर्दे के पीछे छिपकर वार करने वाले ऐसे लोगों को मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमारी एनडीए सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे बेवकूफों और उनकी बेतुकी मांगों का कतई समर्थन नहीं करते। इसके उलट, मोदी जी खुद भारतरत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों को पूरी निष्ठा के साथ आगे ले जा रहे हैं। अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को मिली सफलता के बाद अब ऑनलाइन कई ऐसी ही मुद्दे आधारित मुहिम शुरू हो गई है।

इन्ही में से एक 'रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन' जो जाति-आधारित आरक्षण के खिलाफ है, सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ रहा है। रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन के इंस्टाग्राम पर 56 लाख से अधिक फॉओलर्स हो गए हैं। बता दें कि यह ग्रुप खुद को गैर-राजनीतिक बताता है और जाति-आधारित आरक्षण को खत्म करने की मांग कर रहा है। पिछले सप्ताह जब पूरे देश में सीजेपी के नेतृत्व में छात्र विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे, तब आरक्षण हटाओ आंदोलन ऑनलाइन लोकप्रियता हासिल कर रहा था।

एयर इंडिया विमान हादसे की जांच अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी? एएआईबी ने सुप्रीम कोर्ट को दे दी जानकारी

अहमदाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद में एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 के हादसे से जुड़ी जांच के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी है कि 12 जून, 2025 को एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 के हादसे की जांच अक्टूबर महीने तक पूरी कर ली जाएगी। जानकारी के अनुसार, एएआईबी के इस बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को करने की बात कही है। एएआईबी ने बताया है कि डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के अधिकारियों तक सीमित यह इन-हाउस जांच नहीं है, बल्कि इसमें इंटरनेशनल एविएशन प्रोटोकॉल के अनुसार उन देशों के एक्सपर्ट और मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि भी शामिल हैं जिनके नागरिक हादसे मे मारे गए थे।

आपको बता दें कि एयर इंडिया विमान हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी।

मृतक पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता और फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान ये बात कही गई, जिसमें हादसे की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। कैप्टन सभरवाल के पिता की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने जांच की रफ़्तार और नेचर पर सवाल उठाए। उन्होंने तर्क दिया कि जांच पूरी करने में काफी देरी हुई है और कहा कि जांच सिर्फ डीजीसीए के अधिकारी ही कर रहे हैं। इस दलील का जवाब देते हुए, एएआईबी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आरोप गलत है। जांच एयरक्राफ्ट (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियमों और लागू इंटरनेशनल ट्रीटी के अनुसार की जा रही है, जिसमें भारत एक पक्ष है। मेहता ने कोर्ट को बताया कि जिन देशों के नागरिक पीड़ितों में शामिल थे, उनके मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि और एक्सपर्ट इंटरनेशनल प्रोटोकॉल के तहत जांच में हिस्सा ले रहे थे।

एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि फाइनल जांच रिपोर्ट इस साल अक्टूबर तक एक सीलबंद लिफाफे में कोर्ट के सामने पेश की जाएगी। आपको बता दें कि इससे पहले एएआईबी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि विमान हादसे की जांच अगले करीब 6 हफ्तों में पूरी होने की संभावना है।

अफेयर के शक में पति ने की पत्नी की हत्या, तड़पते हुए आखिरी पलों को कैमरे में भी किया कैद

बागलकोट, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बागलकोट से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति को अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि पति ने पत्नी के तड़पते हुए आखिरी पलों का वीडियो भी बनाया। अपनी पत्नी पर एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर का शक होने पर उसकी हत्या करने के आरोप में 29 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

जांचकर्ताओं का आरोप है कि उसने पत्नी को बचाने की कोशिश करने के बजाय उसके आखिरी तड़पते हुए पलों का वीडियो रिकॉर्ड किया। मृतक महिला की पहचान भाग्यश्री जिगलूर के तौर पर हुई है। बागलकोट ज़िले के बिलागी तालुक के गलागली गांव में स्थित घर में उसका शव मिला। पुलिस ने उसके पिता की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज करने के बाद उसके पति प्रवीण अशोक जिगलूर को गिरफ़्तार कर लिया।

जाली कागजों से मंदिर की 100 करोड़ की जमीन 2 करोड़ में हड़पने के मामले में एक्शन, 3 गिरफ्तार

दिंडीगुल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के दिंडीगुल जिले के प्रसिद्ध पलनी मुरुगन मंदिर की जमीन को हड़पने की कोशिश के मामले की जांच कर रही सीबी-सीआईडी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तीनों लोगों पर आरोप है कि तीनों ने मिलकर फर्जी पेपर्स की मदद से मंदिर की पार्किंग वाली जमीन, जिसकी आज की मार्केट वैल्यू लगभग 100 करोड़ है उसे महज 2 करोड़ में अपने नाम रजिस्टर करवा लिया था।

अरेस्ट किए गए लोगों की पहचान 60 साल के वेल्लईथुरई जो तिरुपुर जिले के मडाथुकुलम तालुक के पप्पनकुलम से हैं; 65 साल के अनवरदीन जो दिंडीगुल जिले के पलनी तालुक के गौंडनकुलम, एसीसी रोड से हैं और 56 साल के मुरुगदास, जो विल्लुपुरम जिले के सलामेडु, कामराजर नगर 2एंड क्रॉस स्ट्रीट से हैं, के रूप में हुई है। सीबी-सीआईडी ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 336(3), 340(2), 49 और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

लाखों भारतीयों की आस्था की चोरी: राम मंदिर मामले पर बोलीं डिंपल यादव

लखनऊ नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने एक साथ कई मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। डिंपल यादव ने दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर लाठी चार्ज की घटना पर बीजेपी से जवाब मांगा है। अयोध्या राम मंदिर चंदे की चोरी के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा, पूरा देश इस मुद्दे से वाकिफ है। राम मंदिर से संबंधित हजारों करोड़ रुपये की कथित चोरी कोई साधारण चोरी नहीं है। यह एक तरह से लाखों भारतीयों की आस्था की चोरी है, उनकी भक्ति की चोरी है। इस सरकार ने कहीं न कहीं लोगों की धार्मिक भावनाओं और संवेदनाओं को ठेस पहुंचाया है।

प्रियंका गांधी टिप्पणी पर बोलीं- कोई विवाद नहीं हुआ

लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की टिप्पणी पर डिंपल यादव ने कहा, कोई विवाद नहीं हुआ। मैं सदन में मौजूद थी और ऐसी कोई घटना नहीं हुई। लेकिन बीजेपी सांसद असली मुद्दों को उठाने में नाकाम रहे। सड़कों पर बच्चों की पिटाई हुई। क्या किसी बीजेपी सांसद ने भी खून-खराबे, छात्रों पर लाठीचार्ज, या कथित तौर पर एके-47 राइफलों, पेलेट गन और लोहे की कीलों वाले डंडों के इस्तेमाल के बारे में बात की?

संविधान सदन
Samvidhan Sada

छात्रों के मुद्दे पर डिंपल यादव ने केंद्र से पूछे सवाल

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि, क्या किसी भाजपा सांसद ने भी इस देश के युवाओं, हमारे छात्रों, जेन-ज़ी के लिए आवाज उठाई? क्या किसी ने कुछ कहा? सपा सांसद ने आरोप लगाया है कि वे ऐसे मुद्दों पर चुप रहना पसंद करते हैं। फिर उनकी आवाज कहां गायब हो जाती है? यही असली सवाल है।

बीजेपी के आरोपों पर किया पलटवार

डिंपल यादव ने भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, ये लोग इमरजेंसी की बात करते हैं, आज भी पुरानी बातों को खोदकर ये लोग लोगों की भावना के साथ खेलना चाहते हैं।

राम मंदिर से संबंधित हजारों करोड़ रुपये की कथित चोरी कोई साधारण चोरी नहीं है। यह एक तरह से लाखों भारतीयों की आस्था की चोरी है, उनकी भक्ति की चोरी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि राम मंदिर चोरी में भारतीय जनता पार्टी के लोगों का हाथ है।

'बाबरी मस्जिद को नहीं गिराना चाहिए था'

कहना राष्ट्रविरोधी नहीं: हाईकोर्ट की टिप्पणी, एसडीपीआई नेताओं को दी राहत

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के दो पदाधिकारियों को इलाके से बाहर करने के मुंबई पुलिस के आदेशों को रद्द कर दिया। इन आदेशों के तहत दोनों लोगों को एक साल के लिए मुंबई से बाहर रहने को कहा गया था। यह मामला फिरोज अब्दुल खान बनाम महाराष्ट्र सरकार और अन्य से जुड़ा था। जस्टिस माधव जामदार ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी प्राथमिकी के आधार पर दोनों लोगों के खिलाफ जारी तड़ीपार आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं लगते।

खासकर तब, जब इन्हीं प्रदर्शनों में अन्य राजनीतिक दलों ने भी हिस्सा लिया था। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कार्रवाई चुनिंदा तरीके से की गई लगती है और दोनों याचिकाकर्ताओं के मुस्लिम समुदाय से होने के कारण प्रभावित हो सकती है। जज ने कहा, प्राथमिकी सभी राजनीतिक दलों के खिलाफ है। लेकिन केवल इन याचिकाकर्ताओं को निशाना बनाया गया। उन्होंने आगे कहा, कार्रवाई चुनिंदा तरीके से नहीं की जा सकती। क्या आपने कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक कार्यकर्ताओं, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की है? सिर्फ इसलिए कि वे एक धर्म से जुड़े हैं? कोर्ट ने यह भी कहा कि 'अयोध्या में बाबरी मस्जिद को नहीं गिराया जाना चाहिए था', ऐसा विचार रखना राष्ट्रविरोधी नहीं है। किसी भी नागरिक को इस मुद्दे पर अपनी राय रखने का अधिकार है। याचिकाकर्ता फिरोज अब्दुल वहाब खान और मोहम्मद रफीक गुलाम रसूल अंसारी ने 3 दिसंबर 2025 को जारी तड़ीपार आदेश को चुनौती दी थी।

इस आदेश के तहत उन्हें एक साल के लिए मुंबई से बाहर रहने को कहा गया था। ये आदेश 2024 और 2025 में दर्ज तीन प्राथमिकी के आधार पर जारी किए गए थे। इनमें वक्फ विधेयक को लेकर हुए प्रदर्शन, चेंबूर-गोवंडी में सीमेंट गोदामों से होने वाले वायु प्रदूषण और बाबरी मस्जिद मुद्दे से जुड़े विरोध प्रदर्शन शामिल थे। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील इब्राहिम हरबत ने दलील दी कि कथित घटनाओं में महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 56 लागू करने जैसी कोई स्थिति नहीं बनती। इस धारा के तहत तभी तड़ीपार की कार्रवाई की जा सकती है, जब यह दिखाने के लिए ठोस आधार हो कि व्यक्ति से लोगों या संपत्ति को खतरा पहुंचाने वाले अपराध होने की आशंका है।

भोपाल में किसानों का अर्धनग्न प्रदर्शन

बैरिकेड तोड़ बसों पर चढ़े:सड़क पर दाल-बाटी बनाई, सद्बुद्धि यज्ञ भी किया; सीएम हाउस के रास्ते पर कड़ी सुरक्षा

VOLVO
PUSHP
VOLVO

भोपाल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मूंग खरीदी, ई-टोकन सिस्टम समेत अन्य मांगों को लेकर भोपाल में किसानों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी है। सीएम हाउस की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे किसानों को एम्प्री के पास वीर सावरकर सेतु पर पुलिस ने रोक दिया। बसों की चार लेयर में बैरिकेडिंग की गई है। कुछ किसान पहले बैरिकेडिंग पर चढ़ गए थे, जिन्हें पुलिस ने समझाइश देकर नीचे उतार दिया। इसके बाद किसान वहीं बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन स्थल पर कुछ किसान अर्धनग्न होकर विरोध जता रहे हैं और सरकार से एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगें पूरी करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, कुछ किसान रातभर जागने के बाद आराम करते नजर आए। दाल-बाटी बनाकर सड़क पर ही लंच का इंतजाम किया। किसानों के समर्थन में जेनजेड भी प्रदर्शन में शामिल हैं।

किसानों ने सरकार की 'सद्बुद्धि' के लिए हवन भी किया और आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई के बावजूद उनकी फसल का उचित दाम नहीं मिल रहा। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने कई रास्तों पर बैरिकेडिंग कर आवाजाही रोक दी है। इससे होशंगाबाद रोड और आसपास के इलाकों में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने नर्मदापुरम रोड के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों से जुड़े मुद्दों पर संवाद के लिए सरकार ने एक कमेटी बनाई है। कमेटी में शामिल मंत्रियों का दल किसानों से बातचीत करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के सकारात्मक सुझावों के साथ है, लेकिन आम जनता को परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

आईआईटी बॉम्बे में सेकेंड ईयर के स्टूडेंट ने की आत्महत्या, मुंबई पुलिस ने जांच शुरू की

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। आईआईटी बॉम्बे में सेकेंड ईयर के स्टूडेंट ने आत्महत्या की है। इस खबर से इलाके में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, 29 जुलाई की रात सूचना प्राप्त हुई कि आईआईटी बॉम्बे, पवई परिसर के हॉस्टल नंबर 04 के कमरा नंबर जी-4147 में रहने वाले सेकंड ईयर के मटेरियल साइंस के छात्र सोहिल राजकुमार सांगवान (20 वर्ष) ने अपने हॉस्टल के कमरे में छत के पंखे से बेडशीट के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस संबंध में पवई पुलिस स्टेशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 194 के तहत एडीआर (एडीआर) क्रमांक 83/2026 दर्ज किया गया है।

मृत्यु के सटीक कारणों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला कि मृतक स्टूडेंट राजस्थान के पिलानी का रहने वाला था। उसकी चैट्स से पुलिस को जानकारी मिली कि वह पारिवारिक समस्याओं और अपने रिश्ते में भी मुश्किल दौर से गुज़र रहा था। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस उसके मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की जांच कर रही है।

टीवीके विधायक को तोड़ने की कोशिश

मद्रास एचसी ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर केंद्र और राज्य से जवाब मांगा

चेन्नई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्र और तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया। यह नोटिस एक याचिका पर जारी किया गया है जिसमें टी वीके विधायक को तोड़ने की कथित कोशिश की जांच को ग्रेटर चेन्नई पुलिस से हटाकर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को सौंपने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की बेंच ने प्रतिवादियों को चार हफ़्ते के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। यह याचिका करूर के टी।

रमेश ने दायर की थी, जो कथित पोचिंग मामले में गिरफ्तार लोगों में से एक हैं। यह मामला 29 जून को ट्रिपलिकेन पुलिस ने उथंगराई टी वीके विधायक एन एलैयाराजा की शिकायत पर दर्ज किया था। बेंच ने रमेश के खिलाफ जांच की कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी, जो चार हफ़्ते बाद होगी। रमेश, जिन्हें ट्रिपलिकेन पुलिस ने 1 जुलाई, 2026 को उनके करूर स्थित घर से गिरफ्तार किया था, ने याचिका दायर कर 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988' की धारा 17 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। उनका तर्क है कि यह धारा 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023' की धारा 35 के तहत अनिवार्य सुरक्षा उपायों को बाहर करती है या उन पर हावी हो जाती है, जिससे संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन होता है। रमेश की ओर से पेश वरिष्ठ वकील वी। राघवाचारी (मुथुचरण सुंदेश की सहायता से) ने कहा कि पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 35 (3) के तहत अनिवार्य नोटिस जारी किए बिना ही रमेश को गिरफ्तार कर लिया।वकील ने कहा, बाकी सभी लोगों के लिए उन्होंने बीएनएसएस की धारा 35 (3) के तहत नोटिस जारी किया, लेकिन रमेश के लिए ऐसा नहीं किया।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें बिना सुने ही बेवजह जेल में रखा गया है, सिर्फ़ इसलिए क्योंकि उन्होंने एक व्यक्ति से फ़ोन पर बात की थी। विधायक की शिकायत की सच्चाई पर शक जताते हुए, वकील ने इस बात पर सवाल उठाया कि मामले के मुख्य आरोपी आईपीडीएस थिरुनावुक्कारासु के पैसे का ऑफर देने के लिए संपर्क करने के बाद शिकायत दर्ज कराने में पूरे तीन दिन की देरी क्यों हुई।

अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी

चेन्नई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार राज्य के प्राकृतिक संसाधन विभाग में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रही है। सरकार एक व्यापक डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने जा रही है, जिसका उद्देश्य अवैध खनन पर रोक लगाना, पूरे सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ाना और आने वाले वर्षों में खनन से होने वाली आय में बड़ा इजाफा करना है। इस योजना की समीक्षा मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय की अध्यक्षता में इस सप्ताह हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में की गई। सरकार का लक्ष्य राज्य में होने वाले सभी खनिजों के खनन को एकीकृत ऑनलाइन मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म के दायरे में लाना है।

बैठक में मुख्य सचिव, वित्त सचिव और कई प्रमुख विभागों के सचिव भी शामिल हुए। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में प्राकृतिक संसाधन विभाग ने खनन पट्टा शुल्क, रॉयल्टी, खनिज युक्त भूमि कर, ग्रीन फंड में योगदान और जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के भुगतान के जरिए करीब 4,500 करोड़ रुपए का राजस्व जुटाया। सरकार का मानना है कि तकनीक आधारित सख्त निगरानी और नियमों के बेहतर पालन से पहले चरण में यह वार्षिक आय बढ़कर करीब 6,500 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। वहीं, अगले कुछ वर्षों में इसे 9,000 करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

सऊदी अरब का ईरान जंग में एंट्री

अमेरिका संग इराक में हमला, कई मारे गए

वाशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में बढ़ते संकट के बीच सऊदी अरब ने ईरान से जुड़े संघर्ष में सीधे कदम रख दिया है। अमेरिकी सेना के साथ मिलकर सऊदी बलों ने इराक के पूर्वी क्षेत्र में ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों के ठिकानों पर हवाई हमले किए। इस कार्रवाई में कई लोग मारे गए या घायल हुए।

अमेरिकी सैन्य कमांड के मुताबिक, यह संयुक्त अभियान हाल के दिनों में हुए ईरान निर्देशित ड्रोन हमलों का जवाब था। इन हमलों में सऊदी अरब की तेल सुविधाओं और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि रियाद ने अपने हितों की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले तीन दिनों में 30 से अधिक ड्रोन हमले हुए, जिन्हें ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने निर्देशित किया था। दोनों देशों ने कहा कि हमले केवल सैन्य लॉजिस्टिक्स और हथियार भंडारों तक सीमित रखे गए।

ईरान से जुड़े इराकी मिलिशिया संगठनों ने दावा किया कि हमलों में उनके कई सदस्य प्रभावित हुए। कुछ रिपोर्टों में मरने वालों की संख्या आठ बताई जा रही है, जबकि कुल क्षति का आंकड़ा अभी स्पष्ट नहीं है।

अमेरिका और सऊदी अरब ने आम नागरिकों को नुकसान पहुंचने से इनकार किया है।

जापान में 6 .8 तीव्रता का भूकंप, शॉपिंग मॉल गिरा

50 से ज्यादा लोग फंसे, 1.5 लाख लोगों को हटाया गया, टोक्यो से 900 किमी दूर था केंद्र

टोक्यो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन करीब एक घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया। भूकंप के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्यूशू द्वीप के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके की तस्वीरों में कई सड़कों और पुलों में दरारें, इमारतों में आग और अन्य नुकसान दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

पाक रक्षा मंत्री बोले- पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन

इनसे कोई बातचीत नहीं करेंगे, फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत

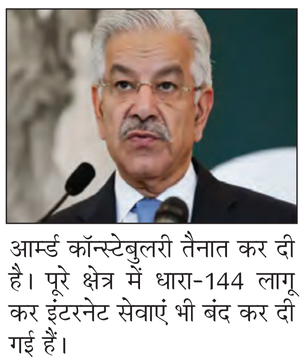

इस्लामाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि पीओके में सरकार विरोधी प्रदर्शन कर रहे लोगों को वह भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से किसी तरह की बातचीत नहीं की जाएगी।

आसिफ का यह बयान उस समय आया है, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पोक में पुलिस की फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यहां चुनाव के विरोध में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने मार्च निकाला था।

प्रदर्शनकारी पोक विधानसभा की 12 शरणार्थी सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। हिंसा के बाद पाकिस्तान ने पूरे पोक में अतिरिक्त सेना, पैरा मिलिट्री और आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी तैनात कर दी है। पूरे क्षेत्र में धारा-144 लागू कर इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं।

मंगलवार को जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बैनर तले करीब 5 हजार लोग रावलाकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च निकाल रहे थे। संगठन का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने बिना किसी उकसावे के फायरिंग कर दी।

हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने जेएएसी के आरोपों से इनकार किया है। सरकार का दावा है कि प्रदर्शनकारी आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने पहले सुरक्षाबलों पर हमला किया, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई।

पीओके की 12 शरणार्थी सीटों का विवाद क्या है?

पोक विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें 8 सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट्स और अन्य आरक्षित वर्गों के लिए हैं। बाकी 45 सीटों पर सीधे चुनाव होते हैं। इन्हीं 45 सीटों में 12 सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए हैं, जो 1947 और उसके बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान चले गए थे। इन सीटों के मतदाता पोक में नहीं, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और अन्य हिस्सों में रहते हैं। इस बार इन 12 सीटों पर करीब 6 लाख मतदाता वोट डालेंगे।

जेएएसी का आरोप है कि इन सीटों के जरिए इस्लामाबाद की राजनीतिक पार्टियां पोक की सरकार के गठन में दखल देती हैं।

मलेरिया से 3 बच्चों समेत 4 मौतें

32 लोग पॉजिटिव, बॉयज हॉस्टल में फैला इनफेक्शन टीमों ने शुरू की स्क्रीनिंग

कांकेर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर जिले कांकेर में मलेरिया से 4 लोगों की मौत हुई है। इनमें 3 स्टूडेंट और 1 महिला शामिल है। चारों मौत के मामले अलग-अलग इलाके के हैं। सरडी, डोमारगढ़, मदेपोटे और चिचगांव गांव में मलेरिया फैला हुआ है, यहां 32 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं, सभी का अलग-अलग हॉस्पिटल में इलाज जारी है।

सरडी के बॉयज हॉस्टल में 11 स्टूडेंट्स पॉजिटिव थे, इनमें एक मौत हुई है। सरकारी हॉस्टल में रहने वाले 2 स्टूडेंट की मौत हुई है। इसके अलावा डोमारगढ़ में 3 बहने पॉजिटिव मिले थे, इनमें एक 9 साल की बच्ची की मौत हुई है। सरकारी हॉस्टल आदिम जाति कल्याण विभाग की सहायक आयुक्त जया मनु ने बताया कि 22 जुलाई को सभी छात्रावासों में बच्चों की मेडिकल जांच कराई गई थी। उस समय कोई भी बच्चा मलेरिया संक्रमित नहीं मिला था।

यूक्रेन में जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंसे

15 क्रू मेंबर सवार थे, लगातार ड्रोन और मिसाइलों से अटैक हो रहे

कीव, 29 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन में चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंस गए हैं। 'एमवी अमीर 1' नाम का जहाज लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच फंस गया है। इसके बाद इंडियन सीमेन यूनियन ने इस मामले में तुरंत मदद की अपील की है।

यूनियन के मुताबिक, जहाज पर कुल 15 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 13 भारतीय नाविक शामिल हैं। जहाज बेहद खतरनाक हालात में फंसा हुआ है। उसके आसपास लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश हो रही है, जिससे चालक दल के सदस्य हर पल सीधे हमले की आशंका में जी रहे हैं।

यूनियन ने भारत सरकार, जहाज के मालिक, फ्लैग स्टेट और सभी संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि नाविकों की सुरक्षा तुरंत सुनिश्चित की जाए और उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाया जाए।

यूनियन ने कहा कि भारतीय नाविकों को युद्ध वाले इलाके में निशाना बनने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

इंडियन सीमेन यूनियन भारत के समुद्री कर्मचारियों का एक संगठन है।

यह जहाजों पर काम करने वाले भारतीय नाविकों और समुद्री कर्मियों के अधिकारों, सुरक्षा, वेतन और कामकाजी परिस्थितियों से जुड़े मुद्दे उठाता है।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी और सी ऑफ एजोव में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। इससे कारोबारी जहाजों और अनाज के निर्यात पर खतरा बढ़ गया है।

2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ब्लैक सी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री इलाकों में शामिल हो गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौतों से अनाज का निर्यात फिर शुरू हुआ था, लेकिन हाल के महीनों में बढ़े हमलों से यह व्यवस्था फिर प्रभावित हुई है।

यूक्रेन लगातार रूस के ऊर्जा ढांचे और तेल टैंकरों को निशाना बना रहा है। वहीं रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों, ईंधन भंडारण केंद्रों और कार्गो जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी दावा किया है कि उसकी सेना ने ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया।

यूक्रेन दुनिया के कुल गेहूं निर्यात का करीब 6% और मक्का निर्यात का लगभग 11% हिस्सा देता है। लेकिन लगातार हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण ब्लैक सी के जरिए होने वाला यूक्रेन का अनाज निर्यात करीब एक-तिहाई तक प्रभावित हुआ है।

दूसरी तरफ यूक्रेनी हमलों का असर रूस के अनाज कारोबार पर भी पड़ा है। रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेन के हमलों के कारण रूस को सी ऑफ एजोव के रास्ते होने वाली जहाजों की आवाजाही सीमित करनी पड़ी है। इसी रास्ते से रूस के करीब एक-चौथाई अनाज का निर्यात होता है।

युवक की सड़क किनारे मिली लाश

परिजनों ने पैसे के लेनदेन में मर्डर का लगाया आरोप, पहले जा चुका था जेल

रामगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रामगढ़ थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी बगीचा में बुधवार को एक युवक का शव सड़क किनारे मिला। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। युवक के शरीर और गर्दन पर चाकू से गोदने के कई गहरे निशान पाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में इसे हत्या का मामला माना जा रहा है। मृतक की पहचान झंडा चौक निवासी सुमित अग्रवाल के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तत्काल रामगढ़ पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की हर बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है। मृतक सुमित अग्रवाल पूर्व में नशे के इंजेक्शन बेचने के आरोप में जेल भी जा चुका था। उसके मामा आनंद अग्रवाल ने बताया कि सुमित फिलहाल टेंपो चलाने का काम करता था।

अमेरिका ने इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट पर रोक लगाई

वॉशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने चीन समेत दूसरे देशों से आने वाले इंसानों जैसे दिखने वाले (ह्यूमनॉइड) और चार पैरों पर चलने वाले (क्वाड्रुपेड) रोबोट के आयात पर रोक लगा दी है।

अमेरिका के फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन ने इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से जुड़े जोखिमों का हवाला दिया है। यह प्रतिबंध सिर्फ उन रोबोट पर लागू होगा जो अभी अमेरिका नहीं पहुंचे हैं। पहले से इस्तेमाल हो रहे रोबोट इस फैसले के दायरे में नहीं आएंगे। इस फैसले पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने आरोप लगाया कि अमेरिका बिना किसी सबूत के चीनी कंपनियों को निशाना बना रहा है। चीन ने कहा कि वह अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी जवाबी कदम उठाएगा।

अमेरिका का मानना है कि अगर देश की जरूरी सेवाओं में विदेशी कंपनियों के रोबोट का इस्तेमाल बढ़ता गया, तो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ सकता है।

सरकार को आशंका है कि किसी विवाद या तनाव की स्थिति में इन रोबोट की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा साइबर हमलों के जरिए बिजली ग्रिड, संचार नेटवर्क और दूसरे अहम सिस्टम को भी निशाना बनाया जा सकता है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और चीन के बीच AI, रोबोटिक्स और दूसरी उन्नत तकनीकों में बढ़त हासिल करने की होड़ तेज है। अमेरिका चाहता है कि भविष्य की अहम तकनीकों के लिए उसकी निर्भरता विदेशी कंपनियों पर कम हो और घरेलू कंपनियां मजबूत बनें।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को चीन से मिला 6,000 करोड़ का फंड

अमेरिका में विदेशी फंडिंग पर उठा सवाल, जांच शुरू करने की मांग

वॉशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में यूनिवर्सिटीज को मिलने वाली विदेशी फंडिंग पर सवालों के बीच नया खुलासा हुआ है। इससे यूनिवर्सिटीज और ट्रम्प प्रशासन के बीच टकराव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। शिक्षा विभाग के पोर्टल के मुताबिक, हार्वर्ड को विदेशी स्रोतों से रिकॉर्ड 43,100 करोड़ रु. मिले हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। इसमें से छह हजार करोड़ चीन से आए हैं।

ट्रम्प प्रशासन की वीसा नीतियों और प्रवासियों पर सख्ती के बीच अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर विदेशी नागरिकों और पैसे पर अत्यधिक निर्भरता का आरोप लग रहा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौते की बात कही जा रही है। ट्रम्प प्रशासन से जांच शुरू करने की मांग उठी है। यह विवाद सिर्फ हार्वर्ड तक सीमित नहीं है। अमेरिका के वॉच-लिस्ट में शामिल शीर्ष पांच चीनी कंपनियों (जैसे हुआवेई और एयर चाइना) ने देश के अलग-अलग कॉलेजों को करीब 1,140 करोड़ रु. दिए हैं। इन्हें भी राडार पर लेकर जांच हो सकती है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आ रहा विदेशी पैसा सिर्फ दान नहीं, बल्कि रणनीतिक घुसपैठ का जरिया बन चुका है। फंड के इस खेल से अमेरिका के सामने कई बड़े खतरे खड़े हो गए हैं। यूनिवर्सिटी लैब्स में विदेशी फंड के जरिए गोपनीय रिसर्च और डेटा चुराए जाने की आशंका जताई जा रही है। आरोप हैं कि चीनी सेना से जुड़ी संस्थाएं फंडिंग देकर अमेरिकी तकनीक का इस्तेमाल अपने हथियारों को तैयार करने में कर सकती हैं।

हार्वर्ड ने विदेशी संस्थाओं के साथ 7,089 अलग-अलग वित्तीय सौदे किए हैं। इस रिकॉर्ड वित्तीय सौदे के कारण हार्वर्ड अमेरिका में विदेशी फंडिंग हासिल करने वाला शीर्ष संस्थान बना है। हार्वर्ड को चीनी सैन्य विकास से जुड़ी संस्थाओं से करीब 4 करोड़ रुपए और विदेशी टैलेंट प्रोग्राम से 4 करोड़ रु. मिले हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निशाने पर रहती है। पिछले साल उन्होंने एक बयान में कहा था कि यह यूनिवर्सिटी एक मजाक है और यह सिर्फ वोक कर्मचारियों की भर्ती कर रहा है। अब हार्वर्ड को दुनिया की सबसे बेहतर यूनिवर्सिटी या कॉलेजों की किसी भी लिस्ट में नहीं गिना जाना चाहिए।

रूस ने टेलीग्राम फाउंडर पावेल दुरोव पर लगाया आतंकवाद में मदद करने का आरोप

वॉन्टेड लिस्ट में डाला नाम

मास्को, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टेलीग्राम एप के फाउंडर पावेल दुरोव को बुधवार बड़ा झटका लगा है। रूस ने पावेल दुरोव पर आतंकवाद में मदद करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्हें इंटरनेशनल वॉन्टेड लिस्ट में डाल दिया है। यह जानकारी एपी रिपोर्ट के अनुसार है।

रूस की मुख्य घरेलू सुरक्षा एजेंसी ने बुधवार को एक बयान दिया। इसमें कहा कि टेलीग्राम के एडमिनिस्ट्रेशन ने रूस में ऐसे कई चैनलों, चैट्स और बॉट्स को नहीं हटाया है, जिनका इस्तेमाल यूक्रेनी इंटेलिजेंस एजेंसियों, आतंकवादी और चरमपंथी संगठन कर रही है। इस का इस्तेमाल तोड़-फोड़, आतंकवाद, सामूहिक हत्या और साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं की तैयारी और उन्हें अंजाम देने के लिए किया जा रहा है।

साल के शुरुआत में दुरोव ने क्या कहा था?

दुरोव पर ये आरोप तब लगे हैं जब रूस ने टेलीग्राम पर पाबंदियां लगाई हैं। टेलीग्राम देश के सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप्स में से एक है। दुरोव ने इस साल की शुरुआत में बताया था कि रूसी अधिकारियों ने उनके खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी टेलीग्राम तक पहुंच को रोकने के लिए झूठे बहाने बना रहे हैं। ताकि प्राइवेसी और बोलने की आजादी के अधिकार को दबाया जा सके।'

थाईलैंड में 3 इंडियन टूरिस्ट का अपहरण, 5 भारतीय गिरफ्तार

बैंकॉक, 29 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड में तीन भारतीय पर्यटकों का अपहरण करके उनके परिवारों से फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें एक पाकिस्तानी नागरिक ने तीनों को किडनैप करने को कहा था। पुलिस ने तीनों लड़कों को रेस्क्यू कर लिया है।

पीड़ितों की पहचान मोहित (23), आशीष (24) और हिमांशु (20) के रूप में हुई है। आरोपियों ने उन्हें सस्ते 7 दिन के टूर पैकेज का लालच देकर थाईलैंड के पटाया शहर बुलाया था।

वहां पहुंचने के बाद उन्हें एक घर में बंधक बना लिया गया और उनके परिवारों से तीनों के बदले 40-40 लाख रुपए, यानी कुल 1.20 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवतार सिंह (38), जगजीत सिंह (38), रंभालक कुमार (24), सुखबीर सिंह (37) और कुलरा सिंह (27) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले एक महीने से चैट एप्लीकेशन के जरिए दुबई में बैठे एक पाकिस्तानी नागरिक के संपर्क में थे। उसी ने अपहरण की पूरी साजिश रची थी।

फिरौती की रकम क्रिप्टोकरेंसी के जरिए लेने की योजना बनाई गई थी। इसके बदले आरोपियों को नकदी, कीमती सामान और थाईलैंड से बाहर जाने के लिए एयरलाइन टिकट देने का वादा किया गया था।

पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि उन्हें कई दिनों तक भूखा रखा गया। उनके हाथ-पैर बांध दिए गए और उल्टा लटकाकर बेरहमी से पीटा गया।

आरोपियों ने पीड़ितों के शरीर पर लाल स्प्रे पेंट लगाया, ताकि वीडियो कॉल के दौरान ऐसा लगे कि उन्हें गंभीर चोटें आई हैं और उनके शरीर से खून बह रहा है। इन वीडियो के जरिए परिवारों पर फिरौती देने का दबाव बनाया जा रहा था।

पीड़ितों के परिजनों ने भारतीय दूतावास से संपर्क किया। इसके बाद 21 जुलाई को दूतावास ने चोनबुरी इमिग्रेशन पुलिस और पटाया पुलिस को अलर्ट किया।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी के आधार पर पटाया के एक टाउनहाउस में छापा मारा। वहां तीनों पीड़ित अलग-अलग कमरों में बंधे हुए मिले। उनके मुंह पर टेप लगा था और शरीर पर चोट के निशान थे। पुलिस को मौके से टेप, लकड़ी का डंडा और लाल स्प्रे पेंट बरामद हुआ है। रेस्क्यू किए गए पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि उनके आने से पहले भी एक भारतीय को उसी घर में बंधक बनाया गया था।

अमेरिका से लिया ईरान का जब्त पैसा तो होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने नहीं देंगे

ईरानी सेना की दुनिया को चेतावनी

Iran
Strait of Hormuz

तेहरान, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच वार और पलटवार का दौर जारी है। ईरान की सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबकि, ईरान के मुख्य सैन्य कमान, खात्म अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स ने कहा कि जो भी देश या कंपनी ईरान की फ्रीज की गई संपत्तियों से मुआवजा स्वीकार करेगी, उसके जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कमान के एक प्रवक्ता ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि खाड़ी क्षेत्र में ईरान से हुए नुकसान का भुगतान ईरान के फ्रीज कए हुए धन से किया जाएगा।

प्रवक्ता ने कहा कि ईरान का मानना है कि इन जहाजों को नुकसान अमेरिका की सैन्य गतिविधियों से पैदा हुई असुरक्षा के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि जहाज होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिण में एक ऐसे समुद्री रास्ते का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसे ईरान गैरकानूनी और असुरक्षित मानता है। प्रवक्ता ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल उन सभी देशों या कंपनियों के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने से रोक देंगे, जो इस तरह का मुआवजा स्वीकार करेंगे।

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका के नियंत्रण में मौजूद ईरानी धन का इस्तेमाल होर्मुज स्ट्रेट में संघर्ष के दौरान क्षतिग्रस्त हुए जहाजों के नुकसान की भरपाई के लिए किया जाएगा। एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने पैसे से शिपिंग कंपनियों को मुआवजा नहीं देगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका सीधे कंपनियों को भुगतान करेगा, तो ट्रंप ने कहा, 'नहीं। हम ईरान के पैसे का इस्तेमाल करेंगे ताकि उनकी ओर से किए गए नुकसान का भुगतान किया जा सके।'

उन्होंने कहा की दूसरे शब्दों में, ईरान का वह पैसा जो हमारे नियंत्रण में है, नुकसान की भरपाई के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि अमेरिका के नियंत्रण में ईरान का कितना पैसा है, किन शिपिंग कंपनियों को मुआवजा मिलेगा और भुगतान किस तरीके से किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति बेहतर हुई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि उनका पूरा तट बर्बाद हो चुका है। अब होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति बहुत अच्छी है और हम इस समय बातचीत कर रहे हैं।

बातचीत जारी रहने के दौरान ईरान ने हमलों को रोकने की अपील की थी। उन्होंने संकेत दिया कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

करेले के ढेर से निकला कोबरा, युवक को डसा

झाड़ियों से आकर छिपा था, बिलासपुर के बाजार में भगदड़ मची, सिम्स में इलाज जारी

बिलासपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नेहरू नगर स्थित साप्ताहिक सब्जी बाजार में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब करेले के ढेर से अचानक एक कोबरा निकल आया। इस दौरान करेला छांट रहे एक युवक को सांप ने पैर में डस लिया। घायल युवक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सांप निकलने की घटना के बाद बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोगों में दहशत फैल गई। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के जरिए बरसात के मौसम में जहरीले जीव-जंतुओं से सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

दरअसल, सरकंडा क्षेत्र के बहतराई में रहने वाले बिहारी साहू बाजार में मंगलवार को सब्जी खरीदने पहुंचे थे। इसी दौरान वह करेले के ढेर में से करेला छांट रहे थे, तभी अचानक वहां छिपा कोबरा फन फैलाकर बाहर निकल आया। कुछ समझ पाते, इससे पहले ही सांप ने उनके पैर में डस लिया।

घटना के बाद उन्हें तत्काल सिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। कोबरा निकलने की खबर फैलते ही लोग सब्जियां छोड़कर इधर-उधर भागने लगे। वहीं, सब्जी विक्रेताओं में भी दहशत का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक सब्जी विक्रेता करेले सहित अन्य सब्जियां बेच रहा था। इसी दौरान पास की झाड़ियों से निकलकर कोबरा करेले के ढेर में जाकर छिप गया। जब बिहारी साहू करेला छांटने लगे, तभी कोबरा अचानक फन फैलाकर बाहर निकला और उन्हें डस लिया।

ट्रम्प ने नेतन्याहू-जेलेंस्की से बंद कमरे में मुलाकात की

कहा- ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे, जेलेंस्की बोले- अमेरिका लंबी दूरी के मिसाइल देगा

वॉशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से अलग-अलग मुलाकात की। हालांकि, इस बार दोनों बैठकें ओवल ऑफिस में आमतौर पर होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम की बजाय बंद कमरे में हुईं।

ट्रम्प आमतौर पर विदेशी नेताओं से कैमरों के सामने मुलाकात करते हैं, लेकिन इस बार मीडिया को बैठक से दूर रखा गया। मुलाकात के बाद ट्रम्प ने भी कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। इसकी जानकारी नेतन्याहू और जेलेंस्की ने खुद दी।

आज से शुरू हो रहा है सावन

इस साल सावन का महीना 30 जुलाई 2026 से शुरू हो रहा है। कुछ लोग इस माह में आने वाले सावन सोमवार के उपवास रखते हैं। ऐसे में आइए सावन के पहले सोमवार से लेकर उसके व्रत नियमों को जानते हैं।

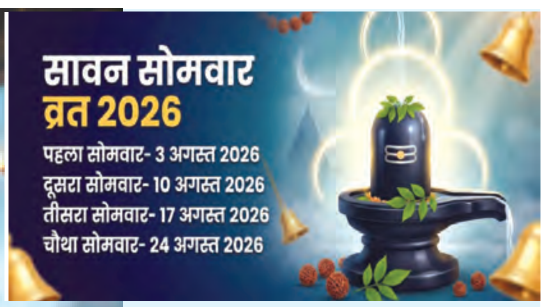
सावन सोमवार
व्रत 2026
पहला सोमवार- 3 अगस्त 2026
दूसरा सोमवार- 10 अगस्त 2026
तीसरा सोमवार- 17 अगस्त 2026
चौथा सोमवार- 24 अगस्त 2026

कब है सावन 2026 का पहला सोमवार ?

साल 2026 का पहला सावन सोमवार 3 अगस्त 2026 को है। इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा, जलाभिषेक और व्रत का अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यता है कि, इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से शिव आराधना करने से वैवाहिक सुख और मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। इस दिन उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रहेगा तथा सुकर्मा योग का शुभ संयोग भी बनेगा, जिससे पूजा का महत्व कई गुना बढ़ जाएगा।

भगवान शिव के भक्तों के लिए 30 जुलाई 2026 का दिन बेहद खास रहने वाला है, क्योंकि इसी दिन से पवित्र सावन माह का शुभारंभ होगा। सावन शुरू होते ही देशभर में कांवड़ यात्रा, शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और भगवान भोलेनाथ के जयकारों की गूंज सुनाई देने लगेगी। हिंदू धर्म में सावन केवल एक महीना नहीं, बल्कि शिव आराधना का महापर्व माना जाता है। मान्यता है कि, सावन में सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत करने से महादेव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। पूरे सावन में आने वाले सावन सोमवार का विशेष महत्व होता है। इस दिन व्रत और पूजा करने से भगवान शिव के साथ माता पार्वती की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि साल 2026 का पहला सावन सोमवार कब पड़ेगा, शुभ मुहूर्त क्या रहेगा और व्रत के प्रमुख नियम क्या हैं।

शुभ योग में शुरू होगा सावन 2026

पंचांग के अनुसार, श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई 2026 को रात 8:05 बजे से शुरू होगी और इसका समापन 30 जुलाई 2026 को रात 9:30 बजे होगा। उदया तिथि के आधार पर 30 जुलाई 2026, गुरुवार से सावन महीने की शुरुआत मानी जाएगी।

सावन सोमवार व्रत के नियम

सावन सोमवार के दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करें और शिवलिंग का अभिषेक करें।
महादेव को बेलपत्र, धतूरा और सफेद चंदन अर्पित करें।
इस दिन तामसिक भोजन का सेवन करने से बचें।
व्रत के दौरान दिन में न सोएं और प्रदोष काल में भगवान शिव की विशेष पूजा अवश्य करें।
जरूरतमंदों को अपनी श्रद्धा के अनुसार दान करें और किसी से भी विवाद या कटु वचन बोलने से बचें।
व्रत के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करें और सात्विक आचरण अपनाएं।

लोक कथा की सीख

संतोष का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति मेहनत करना छोड़ दे, इसका अर्थ है कि काम करते समय बेचैनी और लालच से मुक्त रहे

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक छोटे से आश्रम में एक गुरु अपने शिष्य के साथ रहते थे। आश्रम में सादगी और अनुशासन का वातावरण था। वे सीमित साधनों में भी प्रसन्न रहते थे, क्योंकि गुरु हमेशा अपने शिष्य को संतोष और समभाव का महत्व समझाते थे।

एक दिन एक भक्त आश्रम में आया। उसने गुरु को श्रद्धापूर्वक एक गाय दान में दी। शिष्य को यह देखकर बहुत खुशी हुई और उसने गुरु को बताया कि अब आश्रम में अपनी गाय है। गुरु मुस्कुराए और बोले, "यह बहुत अच्छी बात है। अब हमें रोज ताजा दूध मिलेगा, जिससे हमारा स्वास्थ्य बेहतर होगा।"

गुरु की बात सुनकर शिष्य भी प्रसन्न हो गया। अब आश्रम में रोज ताजा दूध आने लगा। गुरु-शिष्य की सेहत अच्छी रहने लगी। शिष्य को लगने लगा कि गाय आने से आश्रम की सुविधाएं बढ़ गई हैं। कुछ समय तक गुरु-शिष्य इस सुख का आनंद लेते रहे, लेकिन एक दिन अचानक गाय कहीं चली गई। आश्रम में हलचल मच गई। शिष्य बहुत दुखी हो गया। उसे लगने लगा कि अब पहले जैसी सुविधा नहीं रहेगी। वह उदास मन से गुरु के पास गया और बोला, "गुरुजी, हमारी गाय चली गई। अब हमें ताजा दूध नहीं मिलेगा। सब कुछ फिर पहले जैसा हो गया।"

गुरु शांत भाव से बोले, "बेटा, यह भी अच्छी बात है। अब हमें गाय की देखभाल नहीं करनी पड़ेगी और गोबर की सफाई में समय नहीं लगेगा। यह समय अब हम साधना और ज्ञान प्राप्त करने में लगा सकते हैं।"

शिष्य को गुरु की बात सुनकर आश्चर्य हुआ। उसने कहा, "लेकिन गुरुजी, जो सुविधा हमें मिली थी, वह तो चली गई। उसका दुख कैसे न करें?"

गुरु ने समझाया, "जीवन में सुख और दुख दोनों आते-जाते रहते हैं। यदि सुख मिलने पर हम बहुत अधिक उत्साहित हो जाएंगे और दुख आने पर टूट जाएंगे, तो हमारा मन कभी शांत नहीं रह पाएगा। हमें हर परिस्थिति में संतुलित रहना सीखना चाहिए।"

गुरु ने आगे समझाया, समझदार व्यक्ति न तो दुख में अत्यधिक परेशान होता है और न ही सुख में अहंकार या अत्यधिक उत्साह में बहता है। वह हर परिस्थिति को समान भाव से स्वीकार करता है।

शिष्य को गुरु की सीख समझ आ गई। उसने जाना कि जीवन की असली खुशी बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि मन की संतुष्टि में होती है। इच्छाएं जितनी बढ़ती हैं, मन की बेचैनी भी उतनी ही बढ़ती है। संतोष रखने वाला व्यक्ति सीमित साधनों में भी सुखी रह सकता है।

कथा की सीख

इच्छाओं को नियंत्रित करें

जीवन में आगे बढ़ने के लिए इच्छाएं जरूरी हैं, लेकिन अनंत इच्छाएं मन को परेशान कर सकती हैं। हर इच्छा पूरी हो, यह संभव नहीं है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी जरूरतों और इच्छाओं में अंतर समझें।

जो मिला है, उसकी कद्र करें

अक्सर व्यक्ति उन चीजों के पीछे भागता रहता है जो उसके पास नहीं हैं और उन चीजों को भूल जाता है जो उसके पास पहले से मौजूद हैं। परिवार, स्वास्थ्य, अच्छे संबंध और वर्तमान समय जीवन की बड़ी संपत्तियां हैं। इनकी सराहना करना सीखें।

सफलता और असफलता को समान भाव से लें

मेहनत करने के बाद सफलता मिलना सुखद होता है, लेकिन असफलता जीवन का अंत नहीं होती। असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इसी तरह सफलता मिलने पर अहंकार से बचना चाहिए।

तुलना करने से बचें

दूसरों की उपलब्धियों को देखकर अपने जीवन को कमतर समझना मन की शांति छीन सकता है। हर व्यक्ति की परिस्थितियां और यात्रा अलग होती है। अपनी प्रगति पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है।

वर्तमान में जीना सीखें

भविष्य की चिंता और अतीत का पछतावा वर्तमान की खुशियां छीन लेते हैं। जो समय अभी हमारे पास है, उसका सही उपयोग करना चाहिए।

सकारात्मक सोच विकसित करें

हर परिस्थिति में अच्छाई खोजने की आदत बनाएं। जैसे गुरु ने गाय जाने में भी एक अवसर देखा, वैसे ही हमें समस्याओं में भी सीख और सुधार का रास्ता तलाशना चाहिए।

धैर्य बनाए रखें

मुश्किल समय हमेशा नहीं रहता। धैर्य रखने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों को भी आसानी से पार कर लेता है।

मन को शांत रखने का अभ्यास करें

ध्यान, प्रार्थना, अच्छे विचार और आत्मचिंतन मन को स्थिर बनाते हैं। शांत मन ही सही निर्णय ले सकता है। संतोष का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति मेहनत करना छोड़ दे। इसका अर्थ है कि प्रयास करते हुए भी मन को बेचैनी और लालच से मुक्त रखा जाए। जो व्यक्ति संतोष, धैर्य और समभाव के साथ जीवन जीता है, वही वास्तविक सुख और शांति का अनुभव करता है।

सावन में आखिर क्यों नहीं खाई जाती दही और कढ़ी?

भगवान शिव का प्रिय महीना सावन 30 जुलाई दिन गुरुवार से शुरू हो रहा है और 28 अगस्त दिन शुक्रवार को सावन पूर्णिमा के दिन समापन होगा। वहीं सावन के पहले सोमवार का व्रत 2 अगस्त को रखा जाएगा। इस पूरे महीने श्रद्धालु व्रत, पूजा, रुद्राभिषेक और सात्विक भोजन का पालन करते हैं। सावन मास में कुछ चीजों के सेवन को लेकर सख्त मनाही है। धर्मशास्त्र और आयुर्वेद में सावन मास के दौरान दूध और दही से संबंधित जो भी चीज हैं, जैसे कढ़ी, रायता आदि चीजों का सेवन करना वर्जित बताया गया है। सावन महीने में इन चीजों का सेवन करने से कई तरह की बीमारियां होने की आशंका बनी रहती है। आइए जानते हैं सावन मास में क्यों नहीं खानी चाहिए दही और कढ़ी...

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन का महीना तप, संयम और सात्विक जीवन का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान तामसिक और भारी भोजन से बचने की सलाह दी जाती है। कई परंपराओं में दही, कढ़ी और अधिक खट्टे खाद्य पदार्थों का सेवन कम करने की परंपरा है। माना जाता है कि सावन में भगवान शिव को शीतल और सात्विक पदार्थ अर्पित किए जाते हैं तथा स्वयं भी हल्का और सुपाच्य भोजन ग्रहण करना शुभ माना जाता है।

आयुर्वेद के अनुसार सावन वर्षा ऋतु के मध्य का समय होता है। इस मौसम में वातावरण में नमी अधिक रहती है और पाचन शक्ति अपेक्षाकृत कमजोर हो जाती है। दही का स्वभाव गुरु (भारी) और कफवर्धक माना गया है। अधिक मात्रा में दही खाने से कफ, गले की समस्या, सर्दी-जुकाम और पाचन संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। इसी कारण आयुर्वेद वर्षा ऋतु में विशेषकर रात के समय दही खाने से बचने की सलाह देता है।

सावन मास में दूध, कढ़ी, दही से संबंधित चीजों का सेवन करने से स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन चीजों का सेवन करने से पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ता है। दरअसल सावन मास में वर्षा अधिक होती है, जिसकी वजह से अनचाही जगहों पर घास उगने लगती है और इस तरह की घास पर कई तरह कीड़े-मकोड़ रहते हैं। गाय भैंस जब चरने के लिए निकलती हैं, तब इस तरह की घास को खा लेती हैं, जिसका प्रभाव उनके दूध पर पड़ता है। इस तरह का दूध सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता। इसलिए सावन मास में दूध, दही से संबंधित चीजों का वर्जित माना गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सावन में ताजे फल, हरी सब्जियां, मूंग की दाल, लौकी, तोरई, परवल, घी की सीमित मात्रा और हल्का भोजन अधिक लाभकारी माना जाता है। धार्मिक विद्वानों का मानना है कि सावन में खान-पान के नियमों का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुशासन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की रक्षा भी है। इसलिए श्रद्धालुओं को अपनी परंपरा, स्वास्थ्य और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार संतुलित एवं सात्विक आहार अपनाना चाहिए। इससे सावन की साधना के साथ शरीर भी स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है।

पूजा के बाद फूलों को कूड़ेदान में फेंक देते हैं? कर रहे हैं बड़ी गलती, जान लें सही उपयोग

पूजा-पाठ में फूलों का विशेष महत्व माना जाता है। भगवान को ताजे और सुगंधित फूल अर्पित करना श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। लेकिन पूजा समाप्त होने के बाद इन फूलों का क्या किया जाए, इसे लेकर कई लोगों के मन में भ्रम रहता है। अक्सर लोग पूजा में चढ़े फूलों को कूड़ेदान में फेंक देते हैं या किसी भी जगह डाल देते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान को अर्पित किए गए फूल निर्माल्य कहलाते हैं। इन्हें सामान्य कचरे की तरह नहीं देखा जाता, क्योंकि ये पूजा का हिस्सा रह चुके होते हैं। इसलिए इनका सम्मानपूर्वक विसर्जन या पुनः उपयोग करने की सलाह दी जाती है। हालांकि अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं में इसके तरीके अलग हो सकते हैं।

कूड़ेदान में फेंकने से बचें

कई लोग सुविधा के लिए पूजा के फूल सीधे डस्टबिन में डाल देते हैं। धार्मिक दृष्टि से इसे उचित नहीं माना जाता। इसके अलावा अगर फूल प्लास्टिक या अन्य कचरे के साथ मिल जाते हैं, तो वे जैविक कचरे के रूप में भी उपयोग नहीं हो पाते। इसलिए इन्हें सामान्य कचरे से अलग रखना बेहतर माना जाता है।

फूलों का ऐसे कर सकते हैं इस्तेमाल

अगर आपके घर में बगीचा है, तो पूजा के फूलों को मिट्टी में दबाकर खाद बनाई जा सकती है। कुछ फूलों की पंखुड़ियों को सुखाकर पोटपौरी, प्राकृतिक रंग या धूप बनाने में भी इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह फूलों का दोबारा उपयोग पर्यावरण के लिए भी अच्छा माना जाता है।

बहते पानी में विसर्जन हर जगह सही विकल्प नहीं

पहले पूजा के फूलों को नदियों या तालाबों में प्रवाहित करने की परंपरा रही है, लेकिन आज पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए कई विशेषज्ञ ऐसा करने से बचने की सलाह देते हैं। फूलों के साथ प्लास्टिक, कपड़ा या अन्य पूजा सामग्री पानी में जाने से जल प्रदूषण बढ़ सकता है। इसलिए अगर विसर्जन करना हो, तो स्थानीय नियमों और पर्यावरण का ध्यान रखना जरूरी है।

नोटों वाली कांवड़ लेकर हरिद्वार पहुंचे दो दोस्त, रील बनाने के लिए लगी भीड़

हरिद्वार में दिल्ली से आए दो कांवड़िए नोटों की कांवड़ लेकर गंगाजल भरने पहुंचे हैं। हरकी पैड़ी पर जैसे ही दोनों दोस्त नोटों से सजी कांवड़ लेकर पहुंचे, लोगों की भीड़ जुट गई। युवाओं ने उनके साथ रील भी बनाई।

कांवड़ लेकर आए दीपांशु ने बताया कि उनकी इस कांवड़ में 100, 50, 20 और 10 रुपए के असली नोट लगाए गए हैं। इसमें कुल कितने नोट लगे हैं, इसकी गिनती नहीं की गई। उन्होंने कहा कि जितने नोट उपलब्ध होते गए, उन्हें कांवड़ में सजाया जाता गया।

बारिश के मौसम को देखते हुए नोटों को सुरक्षित रखने के लिए पूरी कांवड़ को पारदर्शी पन्नी से ढक दिया गया है, ताकि रास्ते में बारिश होने पर नोट खराब न हों। कांवड़ की सजावट में भी इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि श्रद्धा के साथ-साथ नोट सुरक्षित भी रहें।

1. चार साल से लगातार आ रहे- दिल्ली के हर्ष विहार निवासी शिवभक्त दीपांशु पिछले चार सालों से कांवड़ यात्रा कर रहे हैं। पिछले साल हरिद्वार यात्रा के दौरान उन्होंने कुछ अलग करने का संकल्प लिया था और नोटों की कांवड़ ले जाना उनका एक सपना था।

इस अनोखी कांवड़ को तैयार करने के लिए दीपांशु, उनके साथी तरुण और अन्य 7 दोस्तों (कुल 9 लोगों) ने मिलकर काम किया। कांवड़ की डिजाइनिंग, नोट लगाने और उन्हें सुरक्षित व्यवस्थित करने में पूरी एक दिन और एक रात की मेहनत लगी, जिसके बाद मंगलवार सुबह यह कांवड़ बनकर तैयार हुई।

कांवड़ में 10, 20, 50 और 100 के असली नोट लगाए गए हैं। उपलब्ध होते गए नोटों को सजाया जाता गया, इसलिए इनकी कोई गिनती नहीं की गई और कुल रकम अनगिनत है। बारिश के मौसम को देखते हुए नोटों को सुरक्षित रखने के लिए पूरी कांवड़ को पारदर्शी (वॉटरप्रूफ) पन्नी से सावधानीपूर्वक ढका गया, ताकि रास्ते में बारिश होने पर नोट खराब न हों।

2. हरकी पैड़ी पर भरा गंगा जल- जैसे ही दीपांशु और तरुण नोटों से सजी यह अनोखी कांवड़ लेकर हरकी पैड़ी पहुंचे, श्रद्धालुओं और पर्यटकों का हुजूम इसे देखने के लिए उमड़ पड़ा। रंग-बिरंगे असली नोटों से ढकी इस कांवड़ के साथ युवाओं और यात्रियों ने जमकर फोटो खिंचवाई, रील बनाई और यह जानने की कोशिश करते रहे कि इसमें कुल कितने रुपए लगे हैं।

3. गंगाजल पूजन और दिल्ली के लिए पदयात्रा- मंगलवार को हरकी पैड़ी से विधि-विधान के साथ गंगाजल भरा गया। गंगाजल भरने के बाद दीपांशु और उनके 3 अन्य साथियों का दल दिल्ली (हर्ष विहार) के लिए रवाना हुआ।

यह एक कंधे की कांवड़ है, जिसे पूरी यात्रा के दौरान स्वयं दीपांशु अकेले अपने कंधे पर उठाकर ले जाएंगे।

4. नोटों का उपयोग और भविष्य की मनोकामना- दीपांशु और तरुण ने स्पष्ट किया कि इस कांवड़ का उद्देश्य किसी प्रकार का प्रदर्शन करना नहीं है। यात्रा पूरी होने के बाद शिवालय पहुंचकर कांवड़ से सारे नोट उतारे जाएंगे और उन्हें मंदिर में दान कर दिया जाएगा, जिससे भंडारा कराया जाएगा या ज़रूरतमंदों की मदद की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 30 जुलाई - 2026

जवाबदेही का नया अध्याय

असहमति लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है, लेकिन जब विरोध-प्रदर्शन हिंसा, आगजनी और सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान में बदल जाएँ, तब संविधान, कानून और प्रशासन की परीक्षा शुरू होती है। हाल के छात्र आंदोलनों के दौरान हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने जिस संतुलित दृष्टिकोण का परिचय दिया है, वह केवल एक न्यायिक आदेश नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के बीच संतुलन स्थापित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। अदालत ने पहली बार यह संकेत भी दिया है कि भविष्य में ऐसे आंदोलनों से निपटने के लिए देशव्यापी राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार करने पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि जिन छात्रों और नाबालिगों को आंदोलन के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया तथा जिनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। वहीं जिनके खिलाफ पहले से आपराधिक मामले हैं, उन्हें यह राहत नहीं मिलेगी। यह आदेश स्पष्ट करता है कि न्याय का आधार भीड़ नहीं, बल्कि व्यक्ति की भूमिका और उसका रिकॉर्ड होना चाहिए। अदालत ने यह भी माना कि पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र अथवा आयोग के माध्यम से निष्पक्ष जांच कराने का प्रथम दृष्टया आधार बनता है। यही कानून के निष्पक्ष शासन की पहचान है। कांग्रेस के 'जनता न्याय' मार्च और अन्य राज्यों में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा, पुलिस बल प्रयोग, पेलेट गन तथा एके-47 जैसे हथियारों के इस्तेमाल के आरोपों ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यदि पुलिस ने आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया है तो उसकी जवाबदेही तय होना उतना ही जरूरी है, जितना हिंसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन हिंसा, तोड़फोड़ और अराजकता किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। पुलिस के अनुसार कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। आंदोलन में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले तथा असामाजिक तत्व भी शामिल थे। यह आशंका नई नहीं है। अक्सर शांतिपूर्ण आंदोलनों में ऐसे तत्व घुसकर हिंसा फैलाते हैं और पूरे आंदोलन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचाते हैं। इसलिए प्रशासन की जिम्मेदारी केवल भीड़ को नियंत्रित करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि ऐसे उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ त्वरित और सटीक कार्रवाई भी करनी चाहिए। साथ ही निर्दोष प्रदर्शनकारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाना भी उतना ही आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अत्यंत महत्वपूर्ण है कि कानून किसी को भी अपने हाथ में लेने की छूट नहीं दी जा सकती। चाहे प्रदर्शनकारी हों, राजनीतिक कार्यकर्ता हों या पुलिस अधिकारी। यदि किसी ने अधिकारों का दुरुपयोग किया है, तो उसके खिलाफ निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई होनी चाहिए। किसी भी पक्ष को दंड से छूट देना न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करेगा। अब समय आ गया है कि विरोध-प्रदर्शनों के लिए एक स्पष्ट राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाया जाए, जिसमें पुलिस बल के प्रयोग की सीमा, बॉडी कैमरा और वीडियो रिकॉर्डिंग, महिलाओं एवं नाबालिगों के लिए विशेष दिशा-निर्देश, समयबद्ध न्यायिक या आयोगीय जांच, मानवाधिकारों का पालन और जवाबदेही के स्पष्ट प्रावधान शामिल हो। इससे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी और शांतिपूर्ण विरोध का संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित रहेगा। लोकतंत्र की असली ताकत विरोध को दबाने में नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित, अनुशासित और संवैधानिक दायरे में अभिव्यक्त करने में है। सुप्रीम कोर्ट का यह संदेश भविष्य के भारत के लिए मार्गदर्शक है कि विरोध का अधिकार अक्षुण्ण रहे, हिंसा पर शून्य सहिष्णुता हो, पुलिस जवाबदेह बने और कानून सब पर समान रूप से लागू हो।

सुरक्षित और टिकाऊ मुद्रा की नई पहल

महेन्द्र तिवारी

भारत की अर्थव्यवस्था निरंतर विस्तार के नए चरण में प्रवेश कर रही है। डिजिटल भुगतान के बढ़ते प्रचलन के बावजूद नकद मुद्रा आज भी करोड़ों भारतीयों के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है। देश के छोटे व्यापार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, कृषि बाजार और असंगठित क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी नकद लेनदेन पर निर्भर है। ऐसे में मुद्रा की गुणवत्ता, सुरक्षा और टिकाऊपन केवल तकनीकी विषय नहीं रह जाते, बल्कि आर्थिक व्यवस्था की विश्वसनीयता से सीधे जुड़े होते हैं। इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पॉलीमर अर्थात प्लास्टिक आधारित नोटों की दिशा में उठाया गया कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केंद्र सरकार ने आरबीआई के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए दस रुपये और बीस रुपये के पॉलीमर नोटों के बड़े पैमाने पर फील्ड ट्रायल की अनुमति दी है। पहले चरण में दोनों मूल्यवर्ग के एक एक अरब नोटों का परीक्षण किया जाएगा। यदि यह प्रयोग सफल रहता है तो भविष्य में अन्य मूल्यवर्ग के नोटों में भी इस तकनीक का विस्तार किया जा सकता है। फिलहाल सरकार ने स्पष्ट किया है कि कागजी नोटों को तत्काल हटाने की कोई योजना नहीं है और यह केवल परीक्षण आधारित पहल है।

पॉलीमर नोट सामान्य कागज से नहीं बल्कि विशेष प्रकार के सिंथेटिक पॉलीमर पदार्थ से बनाए जाते हैं। यह सामग्री नमी, धूल, गंदगी और बार बार मोड़े जाने जैसी परिस्थितियों को बेहतर ढंग से सहन कर सकती है। यही कारण है कि इनकी आयु पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में कई गुना अधिक होती है। सामान्यतः कम मूल्यवर्ग के नोट सबसे अधिक हाथों से गुजरते हैं और कुछ ही महीनों में फटने या खराब होने लगते हैं। इसके कारण रिजर्व बैंक को हर वर्ष बड़ी संख्या में पुराने नोट वापस लेकर नए नोट छापने पड़ते हैं। यदि पॉलीमर नोट अपेक्षा के अनुसार लंबे समय तक चलते हैं तो नोटों की छपाई, परिवहन और नष्ट करने की लागत में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

भारत में नकली नोटों की चुनौती लंबे समय से चिंता का विषय रही है। समय समय पर सुरक्षा एजेंसियों ने नकली भारतीय मुद्रा के नेटवर्क का खुलासा किया है। नकली नोट केवल आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचाते बल्कि उनका उपयोग अवैध गतिविधियों और संगठित अपराध में भी किया जाता है। पॉलीमर नोटों में पारदर्शी विंडो, उन्नत होलोग्राम, रंग बदलने वाली स्याही, सूक्ष्म प्रिंटिंग और अन्य आधुनिक सुरक्षा विशेषताएं जोड़ी जा सकती हैं। इन विशेषताओं की नकल करना पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में कहीं अधिक कठिन माना जाता है। इसलिए पॉलीमर नोट नकली मुद्रा पर प्रभावी नियंत्रण का माध्यम बन सकते हैं।

पहली नजर में प्लास्टिक शब्द सुनकर पर्यावरण संबंधी चिंताएं स्वाभाविक लग सकती हैं, लेकिन पॉलीमर नोट सामान्य प्लास्टिक नहीं होते। इनका निर्माण विशेष तकनीक से किया जाता है और उपयोग के बाद इन्हें पुनर्चक्रित भी किया जा सकता है। चूंकि इनकी आयु अधिक होती है इसलिए समान अवधि में कम संख्या में नोट छापने पड़ते हैं। इससे कागज की खपत, ऊर्जा की आवश्यकता और परिवहन संबंधी खर्च में भी कमी आती है।

कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी माना है कि लंबे समय में पॉलीमर नोट पर्यावरणीय दृष्टि से लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। दुनिया के अनेक देशों ने पहले ही पॉलीमर मुद्रा को अपनाकर इसके लाभ प्राप्त किए हैं। ऑस्ट्रेलिया इस तकनीक को अपनाने वाला पहला देश था। इसके बाद कनाडा, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, रोमानिया और अनेक अन्य देशों ने भी अपनी मुद्रा में पॉलीमर तकनीक का उपयोग किया।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा व्यवस्था में सुधार का अवसर

डा. नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

भारतीय लोकतंत्र में शायद ही कोई ऐसा विषय हो जो कुछ ही दिनों में राजनीति का अखाड़ा न बन जाए। सड़क पर उठने वाली हर आवाज़ कुछ ही समय बाद सत्ता और विपक्ष के बीच रस्साकशी का विषय बन जाती है लेकिन कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिन्हें राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय राष्ट्रीय दृष्टि से देखना चाहिए। NEET को लेकर उठा छात्र आंदोलन और उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी ऐसा ही प्रश्न है। यदि कभी किसी मंत्री का इस्तीफ़ा होता है तो उसे न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत पराजय माना जाना चाहिए और न राहुल गांधी अथवा विपक्ष की विजय। यदि उस घटना से शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, अधिक उत्तरदायी और अधिक विश्वसनीय बनती है, तभी उसका वास्तविक अर्थ होगा।

भारत में डॉक्टर बनने का सपना केवल छात्र का सपना नहीं होता। उसके साथ एक किसान का खेत जुड़ा होता है, एक मजदूर की अधूरी इच्छाएँ जुड़ी होती हैं, एक माँ के गहने गिरवी रखे होते हैं और एक पिता की पूरी सेवा-निवृत्ति की जमा पूँजी दाँव पर लगी होती है। ऐसी स्थिति में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो केवल प्रश्नपत्र नहीं, करोड़ों परिवारों का विश्वास भी कटघरे में खड़ा हो जाता है। इसलिए यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल की देन नहीं था; इसकी जड़ें उन विद्यार्थियों की पीड़ा में थीं जो अपनी मेहनत का न्याय चाहते थे।

इस आंदोलन ने एक महत्वपूर्ण सत्य उजागर किया कि आज का भारतीय विद्यार्थी पहले की तरह मौन नहीं है। वह प्रश्न पूछता है। वह सूचना का अधिकार भी जानता है और संवैधानिक अधिकार भी। वह अदालत का दरवाज़ा भी खटखटाता है और लोकतांत्रिक विरोध भी करता है। यह किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब नागरिक व्यवस्था पर विश्वास रखते हुए उससे जवाब भी माँगता है लेकिन यहीं से राजनीति अपना रंग दिखाने लगती है।

छात्रों की माँग थी कि परीक्षा प्रणाली निष्पक्ष हो, दोषियों पर कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों। धीरे-धीरे यह आंदोलन राजनीतिक दलों की उपस्थिति से घिरने लगा। सत्ता पक्ष इसे सीमित प्रशासनिक त्रुटि सिद्ध करने में लगा रहा, जबकि विपक्ष ने इसे सरकार की व्यापक विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। लोकतंत्र में दोनों का अधिकार है लेकिन प्रश्न यह है कि इस पूरी बहस में छात्र कहाँ रह गया? आज भारतीय राजनीति का बड़ा दुर्भाग्य यह है कि लगभग हर राष्ट्रीय मुद्दा अंततः नरेंद्र मोदी के समर्थन या विरोध में बदल जाता है। शिक्षा का प्रश्न भी उसी ध्रुवीकरण का शिकार होता दिखाई दिया। अनेक विपक्षी नेताओं ने छात्रों की पीड़ा को मुखरता से उठाया, जो उनका लोकतांत्रिक दायित्व भी था। किंतु अनेक अवसरों पर ऐसा भी लगा कि शिक्षा सुधार की चर्चा से अधिक राजनीतिक लाभ-हानि की गणना हो रही है। यदि किसी छात्र आंदोलन का अंतिम उद्देश्य केवल सरकार को घेरना रह जाए तो छात्र हित धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में चला जाता है।

इसका अर्थ यह भी नहीं कि सरकार आलोचना से ऊपर है। लोकतंत्र में बहुमत सरकार को अधिकार देता है, किंतु नैतिक उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं करता। यदि परीक्षा प्रणाली में कहीं गंभीर चूक हुई है, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह दोषियों की पहचान करे, संस्थागत सुधार करे और जनता का विश्वास पुनः अर्जित करे। किसी भी लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति अपनी भूल स्वीकार कर उसे सुधारने की क्षमता होती है।

इस पूरे आंदोलन का एक दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष भी सामने आया, जिसने इसकी नैतिक शक्ति को कुछ हद तक क्षति पहुँचाई। अधिकांश छात्र अत्यंत शांतिपूर्ण ढंग से अपनी माँगें रख रहे थे। उनके हाथों में पुस्तकों का भविष्य था, राजनीति का झंडा नहीं किंतु जैसे-जैसे आंदोलन लंबा चला, कुछ स्थानों पर ऐसे तत्व भी सक्रिय दिखाई दिए जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अत्यंत अशोभनीय, अभद्र और व्यक्तिगत स्तर की गालियों का प्रयोग किया। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार संविधान देता है, लेकिन गाली देने का अधिकार कोई संविधान नहीं देता। विचार का उत्तर विचार है, अपशब्द नहीं।

ऐसे नारे केवल प्रधानमंत्री का अपमान नहीं करते बल्कि उस आंदोलन की गरिमा भी कम कर देते हैं जिसके केंद्र में लाखों छात्रों का भविष्य हो। इससे सरकार को यह कहने का अवसर भी मिलता है कि आंदोलन अपनी मूल दिशा से भटक गया है। किसी भी जनांदोलन में जब तर्क की जगह अपशब्द और संवाद की जगह उत्तेजना ले लेती है, तब सबसे अधिक नुकसान उसी आंदोलन को होता है।

यहीं विपक्ष की भूमिका भी गंभीर समीक्षा की माँग करती है। विपक्ष का दायित्व छात्रों की आवाज़ को संसद तक पहुँचाना था, उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास करना था और शिक्षा सुधार की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करनी थी। लेकिन कुछ अवसरों पर ऐसा प्रतीत हुआ कि कुछ राजनीतिक दल इस आंदोलन को शिक्षा सुधार से अधिक मोदी विरोध के राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र में सरकार का विरोध पूरी तरह वैध है, किंतु यदि प्रत्येक छात्र आंदोलन केवल सत्ता परिवर्तन का मंच बन जाए, तो लोकतांत्रिक विमर्श अपनी दिशा खो देता है।

हालाँकि पूरे विपक्ष को एक ही दृष्टि से देखना भी न्यायोचित नहीं होगा। लोकतंत्र में ऐसे जनप्रतिनिधि भी हैं जो टकराव नहीं, संवाद की राजनीति में विश्वास रखते हैं। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा द्वारा विभिन्न जन आंदोलनों में संवाद स्थापित करने के प्रयास इसकी मिसाल रहे हैं। सोनम वांगचुक के अनशन के दौरान संवाद का वातावरण बनाने में उनकी भूमिका यह संकेत देती है कि लोकतंत्र केवल विरोध से नहीं, मध्यस्थता और सहमति से भी चलता है। यदि छात्र आंदोलनों में भी ऐसी संवादपरक राजनीति को बढ़ावा मिले, तो समाधान अधिक शीघ्र और स्थायी हो सकते हैं।सरकार की भूमिका का दूसरा पक्ष भी उल्लेखनीय है। लोकतंत्र की कसौटी केवल चुनाव नहीं होते, बल्कि विरोध सहने की क्षमता भी होती है। तीखे आरोप, लगातार प्रदर्शन, न्यायिक प्रक्रिया और मीडिया की आलोचना के बीच भी संवैधानिक ढाँचा चलता रहा। इसे लोकतांत्रिक सहनशीलता के रूप में देखा जा सकता है। किंतु सहनशीलता का अर्थ केवल विरोध को सहना नहीं, बल्कि विरोध के कारणों को समझना भी है। यदि लाखों विद्यार्थी व्यवस्था पर विश्वास खोने लगें, तो किसी भी सरकार के लिए यह आत्ममंथन का विषय होना चाहिए।

इस आंदोलन ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था के सामने कई गहरे प्रश्न रख दिए हैं। क्या परीक्षा प्रणाली इतनी सुरक्षित है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र निश्चिंत होकर परीक्षा दे सके? क्या तकनीकी व्यवस्था इतनी मजबूत है कि किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना न्यूनतम हो? क्या उत्तरदायित्व तय करने की स्पष्ट व्यवस्था है? क्या स्वतंत्र परीक्षा नियामक संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता नहीं है? इन प्रश्नों के उत्तर केवल मंत्री बदलने से नहीं मिलेंगे; इनके लिए संस्थागत सुधारों की आवश्यकता होगी।

आज आवश्यकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा सुधार आयोग गठित हो, आधुनिक साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए, प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण की प्रक्रिया को पूरी तरह तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाया जाए, शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध ऐसी कठोर कार्रवाई हो जो भविष्य के लिए नज़ीर बन सके। शिक्षा व्यवस्था व्यक्ति-निर्भर नहीं, प्रणाली-निर्भर होनी चाहिए।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह आंदोलन एक संकेत छोड़ गया है। आने वाले समय में युवा मतदाता केवल जातीय समीकरणों और चुनावी नारों से प्रभावित नहीं होगा। वह शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता और अवसर की समानता को भी मतदान का आधार बनाएगा।

आज़ादी के शतक में रोटी, सम्मान और अवसर होगा ?

आरके जैन

2047 में जब भारत अपनी आज़ादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब दुनिया केवल हमारी अर्थव्यवस्था का आकार नहीं, बल्कि यह भी परखेगी कि उस समृद्धि में कितने भारतीय सहभागी बने। प्रश्न यह नहीं होगा कि भारत 25 या 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया, बल्कि यह होगा कि आर्थिक शक्ति अंतिम व्यक्ति तक पहुंची या नहीं। क्या विकसित भारत का सपना हर नागरिक की वास्तविकता बनेगा, या केवल संपन्न वर्ग की उपलब्धि रह जाएगा? आज भारत जिस विकास पथ पर बढ़ रहा है, उसकी रफ्तार प्रभावशाली है, लेकिन दिशा पर गंभीर मंथन आवश्यक है। विकास तब तक अधूरा है, जब तक उसका लाभ सीमित वर्ग से निकलकर पूरे राष्ट्र तक नहीं पहुंचता। अन्यथा वह प्रगति नहीं, असमानता का विस्तार बन जाती है। इसलिए 2047 का सबसे बड़ा प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, सामाजिक और नैतिक भी है।

आज के आर्थिक संकेतक उम्मीद जगाते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार, यदि भारत अगले दो दशकों तक 7.5–8% की वृद्धि बनाए रखता है, तो 2047 तक उसकी अर्थव्यवस्था 25–35 ट्रिलियन डॉलर (ईवाई, पीएचडीसीसीआई सहित विभिन्न आकलनों के अनुसार) तक पहुंच सकती है।

प्रति व्यक्ति आय 15,000–22,000 डॉलर रहने का अनुमान है। करोड़ों लोगों का गरीबी रेखा से बाहर निकलना बड़ी उपलब्धि है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू चिंताजनक है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार राष्ट्रीय आय का 58% शीर्ष 10% आबादी के पास है, जबकि निचली 50% आबादी को केवल 15% आय मिलती है। कुल संपत्ति का 65% शीर्ष 10% के पास केंद्रित है, जबकि आधी आबादी के हिस्से में महज 6% संपत्ति है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि विकास मॉडल का प्रतिबिंब है।

असल चुनौती विकास की रफ्तार नहीं, उसकी प्रकृति है। भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्यतः पूंजी-गहन उद्योगों, प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र पर आधारित रही है। इन क्षेत्रों ने राष्ट्रीय आय बढ़ाई, लेकिन व्यापक रोजगार नहीं दिए। श्रम-गहन विनिर्माण अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका। नतीजतन हर वर्ष लाखों युवा रोजगार बाजार में उतरते हैं, पर गुणवत्तापूर्ण अवसर नहीं मिलते। मध्यम वर्ग पर दबाव बढ़ रहा है और सामाजिक गतिशीलता धीमी पड़ रही है। पीएलएफ़एस 2025-26 के अनुसार महिला श्रम बल भागीदारी बढ़कर लगभग 32–40% (शहरी क्षेत्रों में करीब 25%) हुई है, फिर भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह पर्याप्त नहीं है। कृषि से उद्योग और सेवाओं की ओर श्रमिकों का संक्रमण भी सुस्त है, जिससे करोड़ों लोग कम उत्पादकता वाले कार्यों में अटके हैं। यही वजह है कि विकास के आंकड़े चमकते हैं, लेकिन उनकी रोशनी समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुंचती।

यह असमानता केवल आय की नहीं, अवसरों की भी है। देश का एक छोटा वर्ग विश्वस्तरीय अस्पतालों, निजी विश्वविद्यालयों, आधुनिक कौशल संस्थानों और वैश्विक सुविधाओं तक पहुंच रखता है, जबकि करोड़ों लोग आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से वंचित हैं। क्षेत्रीय विषमता भी गहरा रही है। कुछ राज्य निवेश, उद्योग और अधोसंरचना के दम पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अनेक राज्य विकास की दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। यदि यही तस्वीर बनी रही, तो 2047 में भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने का दावा करेगा, लेकिन उसके भीतर दो भारत बसेंगे—एक समृद्ध, आधुनिक और अवसरों से परिपूर्ण; दूसरा अभाव, सीमित संभावनाओं और संघर्ष से घिरा। ऐसी खाई किसी विकसित राष्ट्र की नहीं, असंतुलित विकास की पहचान है।

यही रास्ता भारत को मध्य-आय जाल (मिडिल-इनकम ट्रैप) की ओर ले जा सकता है। दुनिया के अनेक देशों ने शुरुआती दौर में तेज़ आर्थिक वृद्धि हासिल की, लेकिन मानव पूंजी, उत्पादकता और समावेशी संस्थागत सुधारों की अनदेखी ने उनकी प्रगति ठहरा दी। भारत के सामने भी यही चुनौती है। हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश दुनिया का सबसे बड़ा अवसर है, पर यदि करोड़ों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और उत्पादक रोजगार नहीं मिले, तो यही शक्ति भविष्य का सबसे बड़ा आर्थिक और सामाजिक दायित्व बन सकती है। उधर जलवायु परिवर्तन, जल संकट और बढ़ता शहरी दबाव विकास की राह कठिन बनाएंगे। इसलिए केवल निवेश जुटाना या जीडीपी बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; विकास की गुणवत्ता और समावेशिता को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।

आशा की सबसे मजबूत वजह यही है कि भारत के पास संभावनाओं का अभाव नहीं, विकल्पों की प्रचुरता है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवाचार से संचालित स्टार्टअप संस्कृति और सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था हमारी ऐसी ताकतें हैं, जिन पर समावेशी विकास की नई इमारत खड़ी की जा सकती है। आवश्यकता केवल विकास की प्राथमिकताएं बदलने की है। पूंजी निर्माण के साथ उसे रोजगार सृजन की धुरी बनाना होगा। श्रम-गहन विनिर्माण, निर्यातोन्मुख उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों में नई ऊर्जा भरनी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य में बड़े निवेश से मानव पूंजी सशक्त करनी होगी। क्षेत्रीय संतुलन ऐसा हो कि विकास कुछ महानगरों तक सीमित न रहे, बल्कि हर राज्य और जिले तक पहुंचे। साथ ही ऐसी प्रगतिशील नीतियां अपनानी होंगी, जो धन सृजन को गति दें और उसके न्यायसंगत वितरण को भी सुनिश्चित करें।

2047 का भारत अमीर बनेगा या सिर्फ अमीरों का भारत, इसका फैसला इतिहास नहीं, आज की नीतियां करेंगी। यदि विकास कुछ लोगों की सफलता तक सिमट गया, तो आने वाली पीढ़ियों को आर्थिक उपलब्धियों के साथ सामाजिक असमानता भी विरासत में मिलेगी।

लेकिन यदि समावेश, उत्पादकता, न्याय और समान अवसर विकास का आधार बने, तो भारत केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं, सामाजिक रूप से भी विकसित राष्ट्र होगा। क्योंकि किसी देश की समृद्धि उसके अरबपतियों की संख्या से नहीं, बल्कि सबसे कमजोर नागरिक की गरिमा, अवसर और जीवन-स्तर से आंकी जाती है। 2047 तक भारत यह कसौटी बदल सकता है—बशर्ते विकास की यात्रा में कोई भारतीय पीछे न छूटे। तभी आज़ादी के सौ वर्ष केवल उत्सव नहीं, साझा समृद्धि और राष्ट्रीय विजय का स्वर्णिम अध्याय बनेंगे।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पहचान की नई प्रस्तुति

स्नेहा सिंह

विश्व की महाशक्तियों के बीच आज जो स्पर्धा चल रही है, उसमें अब केवल जमीन पर कब्जा ही महत्वपूर्ण नहीं रहा, समुद्र, बंदरगाह और जलमार्ग भी अब राष्ट्रीय शक्ति के निर्णायक आधार बन गए हैं। इक्कीसवीं सदी में भूराजनीति में जो देश समुद्री व्यापार और रणनीतिक जलमार्गों पर प्रभाव जमा सकेगा, वह वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा दोनों में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकेगा।

इसलिए इसी परिप्रेक्ष्य में भारत के दक्षिणी छोर पर स्थित 'ग्रेट निकोबार द्वीप' आज पूरे विश्व का ध्यान खींच रहा है। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का सबसे बड़ा, दक्षिण का यह द्वीप केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि भारत की भावी समुद्री रणनीति का महत्वपूर्ण आधारस्तंभ बन सकता है।

इसीलिए भारत सरकार ने यहां अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, आधुनिक टाउनशिप और ऊर्जा आधारित सुविधाओं को विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। इस प्रोजेक्ट को समर्थन देने वाले इसे भारत की 'ब्लू इकॉनमी' के साथ व्यापार और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम मानते हैं, जबकि आलोचक इसे जैव विविधता, आदिवासी अस्तित्व और पर्यावरण के लिए चुनौती मानते हैं। इसलिए भारत के लिए यह प्रोजेक्ट विकास और संरक्षण के बीच संतुलन की परीक्षा बनने जा रहा है।

ग्रेट निकोबार का सबसे बड़ा महत्व उसकी भौगोलिक स्थिति है। यह द्वीप विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक ऐसे मलक्का जलडमरूमध्य के नज़दीक स्थित है, जहां से एशिया, यूरोप और अफ्रीका जाने वाले हज़ारो व्यापारिक जहाज इस मार्ग का उपयोग करते हैं। विश्व के कंटेनर व्यापार का एक बड़ा हिस्सा यहीं से होकर गुज़रता है।

वर्तमान में भारत के कई कंटेनरों का ट्रांसशिपमेंट सिंगापुर, कोलंबो और मलेशिया के बंदरगाहों पर होता है, जिसके कारण भारत को अतिरिक्त समय और खर्च वहन करना पड़ता है। यदि ग्रेट निकोबार में विश्वस्तरीय ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह विकसित होता है, तो भारत अन्य देशों पर निर्भरता घटाकर अपने समुद्री व्यापार क्षमता में भारी वृद्धि कर सकता है। इसीलिए इस प्रोजेक्ट का महत्व और बढ़ जाता है। इसके अलावा, इस प्रोजेक्ट को समझने के लिए भारत की दृष्टि को समझना ज़रूरी है। हमारे प्रधानमंत्री जी द्वारा पेश किए गए इस दृष्टिकोण का मूलभूत विचार यह है कि हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और विकास एक-दूसरे के पूरक बनें। भारत अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत बनाकर पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ाए और 'ब्लू इकॉनमी' के क्षेत्र में अग्रणी बने। यही बात इस विज़न के केंद्र में है। इसीलिए 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। भूराजनीतिक दृष्टिकोण से भी यह प्रोजेक्ट अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर के बंदरगाहों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। श्रीलंका का हम्बनटोटा, पाकिस्तान का ग्वादर, म्यांमार का क्याउकप्यू और अन्य बंदरगाहों को जोड़ती चीन की रणनीति, जिसे 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' के नाम से जाना जाता है, हिंद महासागर में चीन की उपस्थिति को मजबूत करती है।

ऐसी परिस्थितियों में ग्रेट निकोबार भारत को इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) क्षेत्र में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने में मदद कर सकता है। आज के समय में इंडो-पैसिफिक केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक समीकरणों का केंद्र है। भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे बढ़ते सहयोग भी इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को दर्शाते हैं।

ऐसे समय में ग्रेट निकोबार का आधुनिकीकरण भारत को केवल व्यापारिक लाभ ही नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता पहुंचाने में भी अधिक सक्षम बना सकता है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह प्रोजेक्ट भारत की 'ब्लू इकॉनमी' को नई दिशा दे सकता है। 'ब्लू इकॉनमी' का अर्थ केवल समुद्र से संपत्ति प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि समुद्री संसाधनों का टिकाऊ उपयोग करके विकास हासिल करना है।

आधुनिक बंदरगाह, जहाज़रानी, लॉजिस्टिक्स, मत्स्य पालन, समुद्री पर्यटन और संबंधित सेवाओं में हजारों रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इसीलिए, भारत के 'मैरीटाइम विजन - 2030' के परिप्रेक्ष्य में भी इस प्रोजेक्ट को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

परंतु विकास की इन उज्ज्वल संभावनाओं के साथ गंभीर प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। ग्रेट निकोबार विश्व के सबसे समृद्ध उष्णकटिबंधीय वर्षावनों का एक क्षेत्र है। यहाँ लेदरबैक समुद्री कछुआ, निकोबार मेगापोड, खारे पानी के मगरमच्छ और कई दुर्लभ पक्षी तथा वनस्पतियों के आवास हैं। इस क्षेत्र का बड़ा हिस्सा संरक्षित वन और पर्यावरणीय दृष्टि से अति संवेदनशील माना जाता है।

रसोई की संसद में काकरोच

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

स्थानः रात 2:15 बजे, सिंक के नीचे छुपा गुप्त ऑडिटोरियम। मंच पर अध्यक्षीय मूंछें लहराते हुए वरिष्ठ कॉकरोच का संबोधनः-

प्रिय सिंक वासियों, गैस स्टोव के वीरों और माइक्रोवेव के गुप्त सैनिकों! सबसे पहले तो अपनी लंबी मूछों को गर्व से उठाइए और खुद को बधाई दीजिए, क्योंकि हमने इस धरती के सबसे मूढ़ और आत्ममुग्ध प्राणी पर एक और जीत हासिल कर ली है—हाँ, मैं इंसानों की ही बात कर रहा हूँ! ये दो पैरों वाले विशालकाय जीव खुद को ब्रह्मा की सर्वोत्तम कृति मानते हैं। इनका दावा है कि इनके पास दिमाग है, मगर सच कहूँ तो इनकी बेवकूफी देखकर मुझे कई बार अपने एंटीना पर तरस आ जाता है।

जरा इनकी रणनीति देखिए! जब हम दो चार दिन के लिए गुप्त मिशन पर चले जाते हैं, तो ये मुस्कुराकर हाथ में झाड़ू थाम लेते हैं और सोचते हैं कि इन्होंने साम्राज्य जीत लिया।

अरे नादानों! हमारी अनुपस्थिति कोई समर्पण नहीं, बल्कि हमारी विशेष रणनीतिक तैयारी होती है। ये अपने डिब्बों पर लक्ष्मण रेखा खींचकर खुद को सुरक्षित समझते हैं। अरे, जिस लक्ष्मण रेखा को पार करके हमारी दस पीढ़ियाँ जवान हो गईं, ये आज भी उसी चॉक के भरोसे अपनी सल्तनत बचा रहे हैं! इंसान की अज्ञानता का सबसे मज़ेदार हिस्सा उनका केमिकल स्प्रे है। ये बाज़ार से महंगे महंगे जहरीले डिब्बे खरीदकर लाते हैं और हमारी तरफ छिड़कते हैं। इन्हें लगता है कि ये हमें मार रहे हैं, जबकि हमारी वैज्ञानिक शाखा उन रसायनों को एनर्जी ड्रिंक की तरह पीकर अपने शरीर की इम्युनिटी बढ़ा रही है।

इनके द्वारा छिड़का गया पेस्टिसाइड हमारे लिए बस एक रूम फ्रेशनर है, जिससे हम अपनी मूंछें साफ़ करते हैं। और जब ये रात को अपनी सफाई नीति का ढोल पीटकर सो जाते हैं, तब हम इनकी चीनी के डिब्बों, दालों के जार और रात की बची बासी बिरयानी पर अपने नए राष्ट्रध्वज फहराते हैं।

इनकी बुज़दिली का तो कोई जवाब ही नहीं है! छह फुट का विशालकाय इंसान, जो दुनिया को जीतने का दावा करता है, रात के दो बजे जब पानी पीने उठता है और हमारे किसी नन्हे सिपाही से उसकी आँखें मिलती हैं, तो उसकी चीख पूरे मोहल्ले में गूंज जाती है। हाथ में चप्पल लिए वे ऐसे कांपते हैं जैसे सामने कोई कॉकरोच नहीं, साक्षात काल खड़ा हो! इसलिए मेरे वीर योद्धाओं! चप्पल के वार से घबराइए मत, छिड़काव से डरिए मत। जब तक इंसान की आलस, लापरवाही और उनकी रसोई में बासी भोजन का साम्राज्य रहेगा, तब तक इस धरती का असली राजा कोई इंसान नहीं, बल्कि कॉकरोच ही रहेगा! इंकलाब ज़िंदाबाद! पूरा सिंक तालियों और पंखों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता है।

गले की खराश, आवाज बैठना या मुंह का न भरने वाला घाव

कहीं यह हेड एंड नेक कैंसर का संकेत तो नहीं?

लोगों को सिर और गर्दन से जुड़े कैंसर के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच करके सही इलाज के महत्व को समझाना है। भारत में सिर और गर्दन का कैंसर सबसे आम कैंसरों में से एक है। लेकिन चिंता की बात ये है कि ज्यादातर मरीज जब तक डॉक्टर के पास पहुंचते हैं, तब तक बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है। अगर इसके लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए और समय रहते जांच कराई जाए, तो इस कैंसर का सफल इलाज संभव है।

हेड एंड नेक कैंसर मुंह, जीभ, मसूड़ों, गाल के अंदरूनी हिस्से, होंठ, गले, स्वरयंत्र (वॉयस बॉक्स), नाक, साइनस और लार ग्रंथियों में हो सकता है। इनमें से मुंह और गले का कैंसर भारत में सबसे अधिक देखा जाता है। आइये जानते हैं सिर और गर्दन के कैंसर के शुरुआती लक्षण क्या हैं और इन्हें कैसे पहचान सकते हैं।

हेड एंड नेक कैंसर के लक्षण

मुंह में ऐसा घाव जो लंबे समय तक न भरे।

आवाज का लगातार बैठना या भारी होना।

निगलने में दर्द या कठिनाई।

गर्दन में गांठ या सूजन।

मुंह खोलने में परेशानी।

मुंह से लगातार खून आना या बदबू आना।

बिना वजह वजन कम होना।

कान में लगातार दर्द, खासकर जब अन्य कारण न हों।

अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण दो से तीन सप्ताह से अधिक समय तक रहते हैं तो बिना देरी किए डॉक्टर को दिखाना चाहिए। इन लक्षणों को सामान्य संक्रमण समझकर टालना कई बार खतरनाक साबित हो सकता है।

जबड़े या कान में दर्द
मुंह / गर्दन में गांठ
मुंह से खून आना
निगलने में दिक्कत
आवाज भारी होना

भारत में हेड एंड नेक कैंसर के सबसे प्रमुख कारण

तंबाकू (सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, खैनी, पान मसाला आदि) का सेवन।

अत्यधिक शराब का सेवन।

तंबाकू और शराब का एक साथ सेवन, जिससे खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) संक्रमण, जो विशेष रूप से गले के कुछ कैंसर से जुड़ा है।

खराब मौखिक स्वच्छता और लंबे समय तक मुंह की समस्याओं को नजरअंदाज करना।

समय पर पहचान से बच सकती है जान

आज आधुनिक चिकित्सा के कारण हेड एंड नेक कैंसर का इलाज पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी हो गया है। अगर बीमारी शुरुआती चरण में पकड़ में आ जाए, तो सर्जरी, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसे ट्रीटमेंट से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। कई मरीज इलाज के बाद सामान्य जीवन जीते हैं और अपनी रोजमर्रा की गतिविधियां पहले की तरह ही कर पाते हैं।

क्या करें बचाव के लिए?

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन न करें। शराब का सेवन सीमित रखें या पूरी तरह छोड़ दें।

मुंह और दांतों की नियमित सफाई करें। हेल्दी खाना खाएं जिसमें ताजा फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

मुंह या गले में कोई भी बदलाव दिखे तो डॉक्टर से जांच कराएं।

परिवार में कैंसर का इतिहास है या तंबाकू का सेवन कर रहे हैं, तो नियमित स्वास्थ्य जांच कराते रहें।

हेड एंड नेक कैंसर ऐसा रोग है, जिसे काफी हद तक रोका जा सकता है। अगर समय रहते इसके लक्षण पहचान लिए जाते हैं तो इसका सफलतापूर्वक इलाज भी संभव है। दुर्भाग्य से लोग अक्सर शुरुआती लक्षणों को मामूली समझकर अनदेखा कर देते हैं, जिससे इलाज में जटिलताएं पैदा हो जाती हैं।

दिमाग से जुड़ी बीमारियां जो युवाओं में तेजी से बढ़ रही हैं, इनसे कैसे बच सकते हैं

आजकल की लाइफस्टाइल तेज-रफ्तार से भाग रही है। जिसमें बढ़ता मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या, प्रदूषण और बढ़ती उम्र शरीर में कई बीमारियों का कारण बन रही है। खासतौर से इस लाइफस्टाइल के लोगों को दिमाग से जुड़ी बीमारियां ज्यादा हो रही हैं। पिछले कुछ सालों में दिमाग से जुड़ी बीमारियों के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। डॉक्टर आदित्य गुप्ता (डायरेक्टर, न्यूरोसर्जरी एवं साइबरनाइफ, आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम) ने बताया कि पहले जिन न्यूरोलॉजिकल समस्याओं को केवल बुजुर्गों तक सीमित माना जाता था, अब वो युवाओं और मध्यम आयु वर्ग में भी तेजी से सामने आ रही हैं। अच्छी बात यह है कि समय रहते पहचान और सही इलाज से इनमें से कई बीमारियों के गंभीर प्रभावों को रोका जा सकता है।

दिमाग से जुड़ी तेजी से बढ़ने वाली 5 बीमारियां

स्ट्रोक- आज सबसे तेजी से बढ़ने वाली न्यूरोलॉजिकल बीमारियों में से एक स्ट्रोक यानि ब्रेन अटैक है। यह तब होता है जब मस्तिष्क तक रक्त का प्रवाह रुक जाता है या किसी रक्त वाहिका के फटने से ब्लीडिंग होने लगती है। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, धूम्रपान, मोटापा और बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल इसके खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं।

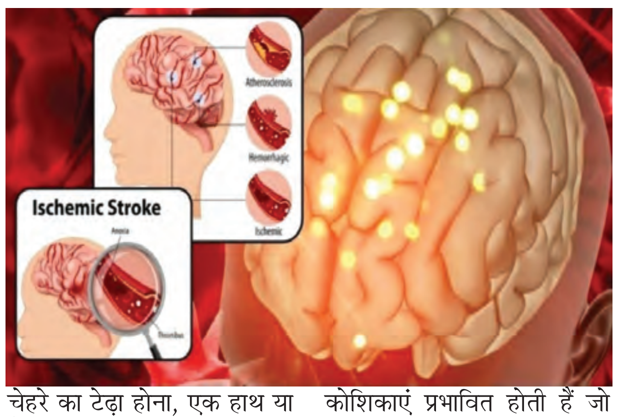

स्ट्रोक के लक्षण- अचानक चेहरे का टेढ़ा होना, एक हाथ या पैर में कमजोरी, बोलने में कठिनाई, संतुलन बिगड़ना या अचानक दृष्टि धुंधली होना।

ब्रेन ट्यूमर- मस्तिष्क की बीमारियों में ब्रेन ट्यूमर के मामले भी काफी बढ़ने लगे हैं। यह ट्यूमर सौम्य (Benign) या घातक (Malignant) दोनों प्रकार का हो सकता है। इसमें आज आधुनिक न्यूरोसर्जरी, माइक्रोस्कोपिक तकनीकों और साइबरनाइफ जैसी उन्नत तकनीकों से अच्छा सफल इलाज संभव है।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण- लगातार सिरदर्द, बार-बार उल्टी, दौरे पड़ना, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पार्किंसन रोग- एक समय था जब इसे बुढ़ापे की बीमारी माना जाता था, लेकिन पार्किंसन एक प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क की वे कोशिकाएं प्रभावित होती हैं जो शरीर की गतिविधियों को नियंत्रित करती हैं। पहले यह बीमारी मुख्य रूप से बुजुर्गों में देखी जाती थी, लेकिन अब अपेक्षाकृत कम उम्र के लोगों में भी इसके मामले सामने आ रहे हैं।

लक्षण- हाथों में कंपन, चलने में कठिनाई, शरीर का अकड़ना और गतिविधियों का धीमा हो जाना।

अल्जाइमर और डिमेंशिया- भारत में बढ़ती बुजुर्ग आबादी के साथ अल्जाइमर और अन्य तरह के डिमेंशिया के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसमें धीरे-धीरे याददाश्त कमजोर होने लगती है, निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है और व्यक्ति की दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित होने लगती हैं।

डिमेंशिया के लक्षण- यदि किसी व्यक्ति में बार-बार भूलने की समस्या, परिचित लोगों को पहचानने में कठिनाई या व्यवहार में बदलाव दिखाई दे, तो डॉक्टर को दिखाएं।

मिर्गी (एपिलेप्सी)- मिर्गी एक सामान्य लेकिन अक्सर गलत समझी जाने वाली न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। इसमें मस्तिष्क की असामान्य विद्युत गतिविधि के कारण बार-बार दौरे पड़ते हैं। सही दवा और नियमित उपचार से अधिकांश मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। कुछ जटिल मामलों में सर्जरी भी प्रभावी विकल्प हो सकती है।

दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए किन बातों का रखें ध्यान?

रक्तचाप, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखें।

धूम्रपान और तंबाकू से दूर रहें।

नियमित व्यायाम करें और संतुलित आहार लें। पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद लें।

अत्यधिक तनाव से बचें और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

अचानक बोलने, चलने, देखने या याददाश्त में बदलाव जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें।

दिमाग हमारे शरीर का कंट्रोल सेंटर है। इसके स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना गंभीर परिणामों का कारण बन सकता है। समय पर जांच, शुरुआती पहचान और आधुनिक उपचार से अधिकांश न्यूरोलॉजिकल बीमारियों को कंट्रोल किया जा सकता है। इसलिए किसी भी असामान्य न्यूरोलॉजिकल लक्षण को सामान्य मानकर टालने की बजाय विशेषज्ञ से सलाह लें।

ब्लड रिपोर्ट में आया है 'लो हीमोग्लोबिन' तो डाइट में शामिल करें ये चीजें

हीमोग्लोबिन ब्लड के अंदरऑक्सिजन कैरी करने वाला प्रोटीन है। फेफड़े सांस के ज़रिए बाहर से ऑक्सिजन लेते हैं। लेकिन उसको ऑर्गन तक पहुंचाने का काम हीमोग्लोबिन करता है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि जब हीमोग्लोबिन लो होता है तब इसकी वजह से थकान, कमजोरी, सांस फूलना, चक्कर आना, त्वचा का पीला पड़ना और एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में उन्होंने हीमोग्लोबिन को बढ़ाने के लिए कुछ फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह दी है।

लो हीमोग्लोबिन होने पर इन चीजों को डाइट में करें शामिलः

दाल और राजमाः अगर आप शाकाहारी हैं तो अपनी डाइट में दाल चना, राजमा, लोबिया और बीन्स को शामिल करें। ये चीजें वेजिटेरियन डाइट्स के ब्लड बिल्डिंग फूड्स है। ये आयरन के साथ प्रोटीन,मिनिरल्स, फाइबर और फोलेट भी प्रदान करते हैं। लेकिन दाल में फाइटेट्स भी होते हैं जो आयरन के अवशोषण को कम कर सकते हैं इसलिए इनका सेवन हमेशा भिगोकर करना चाहिए।

बीटरूटः बीटरूट एक ऐसा फूड है जो लो हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में मददगार है। इसमें मौजूद फोलेट रेड ब्लड सेल्स को बढ़ाता है। वहीं, इसमें मौजूद नाइट्रेट्स नाइट्रिक ऑक्साइड को बढ़ाने में मदद करते हैं। आप इसे अपनी सलाद और सब्जी में खूब इस्तेमाल करें।

विटामिन सी फूड्सः अब आप सोच रहे होंगे कि हीमोग्लोबिन कम है तो विटामिन सी फूड्स क्यों तो बता दें, आयरन रिच फूड तभी असरदार होते हैं जब बॉडी उन्हें एब्सॉर्ब कर पाती है। यही विटामिन सी आपके लिए एक जादू की तरह काम करता है। विटामिन सी आयरन को बदलकर ऐसा बनाता है जिसे पेट और आंतें जल्दी से अपने अंदर ले सकें। इसलिए अगर आप शाकाहारी हैं तो आंवला, अमरुद, संतरा, नींबू, टमाटर और कीवी जैसे फलों को अपनी डॉट में ज़रूर शामिल करें।

नट्स, सीड्स और ड्रायफ्रूट्सः नट्स, सीड्स और ड्रायफ्रूट्स दिखते छोटे हैं लेकिन लो हीमोग्लोबिन होने पर यह शरीर के लिए बेहद असरदार साबित होते हैं। पम्पकिन सीड्स, तिल का बीज, सन फ्लॉवर सीड्स, बादाम, अखरोट और खजूर पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। ये आयरन के साथ मैग्निशयम, कैल्शियम, कॉपर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं।

खाना खाने के बाद पान खाने से क्या होता है, फायदे जान रह जाएंगे हैरान

भारत में भोजन के बाद पान खाने की परंपरा सदियों पुरानी है। अक्सर लोग इसे केवल स्वाद बदलने या माउथ फ्रेशनर के रूप में देखते हैं, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक सही तरीके से खाया गया पान सेहत के लिए किसी औषधि से कम नहीं है। यदि आप बिना तंबाकू वाला सादा या मीठा पान खाते हैं, तो यह आपके शरीर को कई चमत्कारी फायदे पहुंचाता है। ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि भोजन के बाद पान खाने से क्या क्या फायदे होते हैं। चलिए जानते हैं।

पाचन क्रिया होती है तेज

खाना खाने के बाद जब आप पान चबाते हैं, तो यह मुंह में लार के निर्माण को तुरंत बढ़ा देता है। इस लार में खास पाचक एंजाइम होते हैं, जो भोजन को जल्दी और आसानी से पचाने में मदद करते हैं। भारी भोजन के बाद पान खाने से पेट में भारीपन की शिकायत नहीं होती।

एसिडिटी और गैस से तुरंत राहत

मसालेदार या भारी खाना खाने के बाद अक्सर सीने में जलन, खट्टी डकारें और पेट फूलने की समस्या हो जाती है। पान के पत्तों में अलकलाइन गुण होते हैं, जो पेट के एसिड को बेअसर करते हैं। इससे एसिडिटी और गैस की समस्या से तुरंत राहत मिलती है।

मुंह की बदबू और इन्फेक्शन का खात्मा

पान के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। खाने के बाद पान चबाने से मुंह में छिपे वे बैक्टीरिया मर जाते हैं जो कैविटी और सांसों की बदबू का कारण बनते हैं। यह मसूड़ों को मजबूत बनाने और मुंह को घंटों तक तरोताजा रखने का नेचुरल तरीका है।

मेटाबॉलिज्म में सुधार

पान के पत्ते शरीर के मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने में मदद करते हैं। जब आपका मेटाबॉलिज्म सही से काम करता है, तो खाना ऊर्जा में तेजी से बदलता है और शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होने की गुंजाइश कम हो जाती है। यह आंतों की सफाई करके शरीर को डिटॉक्स भी करता है।

इन बातों का रखें ध्यान

तंबाकू और सुपारी से बचेंः अगर पान में तंबाकू, चूना अत्यधिक मात्रा में, या सुपारी मिलाई जाए, तो यह सेहत के लिए बेहद हानिकारक है। इससे मुंह के कैंसर, दांतों के खराब होने और मसूड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

मीठे पान का अधिक सेवनः बाजार में मिलने वाले मीठे पान में चाशनी, रंग और एक्स्ट्रा चीनी बहुत ज्यादा होती है, जो वजन बढ़ा सकती है और शुगर के मरीजों के लिए सही नहीं है।

पेट में लगातार गैस और एसिडिटी बनना नहीं है सामान्य

इसके पीछे हो सकती हैं कौन सी वजहें?

अगर आपको लगातार गैस या एसिडिटी हो रही है तो अपनी सेहत को लेकर सावधान हो जाना चाहिए। कई बार भारी और मसालेदार खाना खाने के बाद अक्सर लोगों को गैस या बदहजमी होती है। लेकिन अगर आपको गैस या एसिडिटी हर दिन हो रही है तो इसे नार्मल न समझें। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर ने अपने यू ट्यूब पर वीडियो शेयर कर बताया है कि किन वजहों से लगातार आपको गैस, ब्लोटिंग या एसिडिटी का सामना करना पड़ सकता है?

किन वजहों से होती है ब्लोटिंग या एसिडिटी की परेशानी

गैस्टिक फूड्स का सेवनः अगर आपको रोजाना गैस और एसिडिटी हो रही है तो इसके पीछे आपका खानपान मुख्य रूप से ज़िम्मेदार हप्ता है। ऐसे में ध्यान दें कि आप ऐसा क्या खाते हैं जिससे आपको गैस और एसिडिटी हो रही है। कई बार राजमा, पता गोभी, फूलगोभी और ब्रोकली भी गैस और एसिडिटी की वजह बनती है। फ्राइड, ऑयली फूड्स और कोल्डड्रिंक्स भी आपके पेट में गैस बनाने का काम करते हैं।

पुअर ईटिंग हैबिट्सः अगर आप बहुत जल्दी जल्दी खाना खाते हैं, या खाना खाते समय बहुत ज़्यादा बोलते हैं या एक साथ बहुत खाना खा लेते हैं या आधी रात को खाना खा रहे हैं तो ये आदतें आपकी पाचन तंत्र को कमजोर करती हैं जिससे आपको गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

खराब गट हेल्थः जब आप अपनी डाइट का ध्यान नहीं रखते हैं और जंक, पैकेज्ड फूड्स और शुगरी फूड्स खूब खाते हैं इस वजह से अक्सर गट हेल्थ खराब होने लगती है। आंतों में गुड और बैड बैक्टीरिया दोनों होते हैं। लेकिन खराब खानपान और कुछ खराब आदतें गुड बैक्टीरिया को खत्म करने लगते हैं जिससे पाचन तंत्र कमजोर होने लगता है। इस वजह से खाना नहीं पचता है नतीजन, पेट में गैस और एसिडिटी की समस्या होने लगती है।

स्ट्रेस और एंजायटीः आपके खराब गट हेल्थ के पीछे स्ट्रेस और एंजायटी का भी बहुत बड़ा रोल है। दरअसल, तनाव की वजह से दिमाग और पेट के बीच का कनेक्शन प्रभावित होता है। जिससे पेट में एसिड का बनना बढ़ जाता है और इस वजह से गैस और एसिडिटी जैसी सिक्कतों का समाना करना पड़ सकता है।

शरीर की सूजन बन रही है बीमारियों की जड़? इसे नेचुरली कम करने के तरीके

अगर आपके शरीर में बार-बार सूजन बनी रहती है, तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज न करें। लंबे समय तक रहने वाली सूजन गंभीर बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकती है। ऐसे में गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि शरीर की सूजन क्यों होती है और इसे नेचुरली कम करने के लिए किन आसान डाइट को अपनाना चाहिए?

शरीर में सूजन होने से कौन सी बीमारियां हो सकती हैं?

डॉक्टर के अनुसार, शरीर में सूजन एक दिन में नहीं होती, बल्कि यह धीरे-धीरे विकसित होने वाली प्रक्रिया है। खराब खानपान, पर्याप्त नींद न लेना, लगातार तनाव, शारीरिक गतिविधि की कमी, धूम्रपान, मोटापा और कुछ पुरानी बीमारियां शरीर में लंबे समय तक सूजन बढ़ा सकती हैं। इसलिए समय रहते इन कारणों की पहचान करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना जरूरी है। शरीर में सूजन होने से डायबिटीज, दिल से जुड़ी बीमारियां, किडनी डैमेज, लिवर की बीमारियां, थायराइड, एलर्जी मोटापा और जोड़ों की समस्याओं समेत कई जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है

किन फूड्स को खाने से सूजन होगा कम?

बेरीज़ः डॉक्टर कहते हैं कि स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रसभरी, ब्लैकबेरी , जामुन और अनार, अमरुद, संतरा, जैसे फलों में विटामिन सी, पॉलीफेनोल्स और एंटी ऑक्सीडेंट्स होता है जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कंट्रोल करने में मददगार माने जाते हैं। ये कलर फ्रूट्स सिर्फ इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में ही नहीं बल्कि सूजन को कम करने में भी कारगर है। डॉक्टर शुभम वात्स्य कहते हैं कि जब शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है तो उस वजह से शरीर में सूजन भी बढ़ती है। इसलिए आप अपनी डाइट में इन फलों को शामिल करें। इसलिए

हरी पत्तेदार सब्जियांः पालक, मेथी, सरसो और बथुआ, ब्रोकोली, पत्तागोभी, शिमला मिर्च जैसी पत्तेदार सब्जियां, गाजर जैसी सब्जियां फाइबर, फोलेट, कैल्शियम , मैग्निशयम और प्लांट एंटी ऑक्सीडेंट्स प्रोवाइड करते हैं। इसलिए अगर आपको अपने शरीर का सूजन कम करना है तो इन हरी सब्जियों को अपनी डाइट में ज़रूर साहिल करें।

दालें : डॉक्टर के अनुसार, शरीर की सूजन कम करने के लिए अपनी डाइट में दाल, चना, राजमा और लोबिया जैसी फलियों को जरूर शामिल करें। ये एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और पौध-आधारित प्रोटीन से भरपूर होती हैं, जो शरीर में सूजन कम करने और ओवरऑल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकती हैं।

एक बार फिर देश का नाम रोशन करेंगी मानुषी छिल्लर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देंगी खास परफॉर्मेंस

मानुषी छिल्लर ने हमेशा भारत को ग्रेस और आत्मविश्वास के साथ रिप्रेजेंट किया है। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद से ही वह देश का एक ग्लोबल चेहरा बन चुकी हैं और कई इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर भारत की पहचान को आगे बढ़ाया है। अब वे एक बार फिर भारत का नाम ग्लोबल लेवल पर चमकाने वाली हैं।

हैंडओवर सेरेमनी में करेंगी परफॉर्म

एक्ट्रेस और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स हैंडओवर सेरेमनी में लाइव परफॉर्म करने वाली इकलौती भारतीय एक्ट्रेस होंगी। यह खास इवेंट 2 अगस्त को ग्लासगो के OVO हाइड्रो में होगा।

इस अनाउंसमेंट में मानुषी के सफर को खास तौर पर सराहा गया है- मिस वर्ल्ड बनने से लेकर कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे बड़े मंच तक पहुंचने तक। उनकी यह परफॉर्मेंस इस सेरेमनी का एक बड़ा आकर्षण होगी, जो 'रोड टू अहमदाबाद 2030' की शुरुआत को भी दर्शाएगी, जो अगला होस्ट सिटी है।

इकलौती भारतीय एक्ट्रेस होंगी मानुषी

कॉमनवेल्थ गेम्स की यह हैंडओवर सेरेमनी दुनियाभर में देखी जाएगी, जिसमें म्यूजिक, कल्चर और एंटरटेनमेंट के जरिए ग्लासगो 2026 से अहमदाबाद 2030 तक का सफर दिखाया जाएगा। ऐसे में इकलौती भारतीय एक्ट्रेस के तौर पर मानुषी की मौजूदगी और भी खास बन जाती है।

इस खास मौके के साथ मानुषी छिल्लर अपने करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ रही हैं। अब फैंस को उनकी परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतजार है, जहां वह एक बार फिर गर्व के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

गुरु पूर्णिमा पर करण जौहर ने शाहरुख और आदित्य चोपड़ा को दिया खास ट्रिब्यूट, कहा- 'उन्होंने मुझ पर भरोसा किया'

करण जौहर ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि एक समय वह पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले थे, लेकिन उसी दौरान आदित्य चोपड़ा ने उन्हें 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (DDLJ) में असिस्ट करने का ऑफर दिया।

करण ने किया इमोशनल पोस्ट

करण ने अपने पोस्ट में लिखा, 'रात के 1 बजे जब आदि ने मुझे DDLJ में असिस्ट करने को कहा, तब मैं आगे की पढ़ाई के लिए जाने वाला था। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे डायरेक्टर बनना चाहिए। मैं उस वक्त बहुत इमोशनल और फिल्मी था उन्होंने कहा कि अगर मैंने ये रास्ता नहीं चुना तो ये मेरी बड़ी गलती होगी। उस रात मैं सो नहीं पाया।'

इसके बाद करण ने बताया कि अगले दिन उन्होंने अपने पिता यश जौहर से एक साल का समय मांगा, ताकि वह फिल्म सेट पर काम कर सकें।

उन्होंने लिखा, 'मैं सुबह अपने पापा के पास गया और उनसे एक साल मांगा। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे सेट पर काम करना आता है? मैंने साफ मना कर दिया। फिर उन्होंने कहा कि अगर मैं मेहनत करूं और हर बात मानूं, तो मैं प्रोड्यूसर बन सकता हूं, लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ पैशन चाहिए।'

शाहरुख खान पर दिया ये बयान

करण ने शाहरुख खान के साथ जुड़ा एक खास पल भी याद किया। उन्होंने बताया कि शाहरुख ने उन पर तब भरोसा जताया था, जब वह खुद डायरेक्टर भी नहीं बने थे।

करण ने लिखा, 'मैं पहाड़ों की तरफ देख रहा था (जैसे मुझे घर की याद आ रही हो), तभी शाहरुख मेरे पास आए और बोले- 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा।' उस वक्त मुझे लगा कि शायद वो मजाक कर रहे हैं, लेकिन वो बिल्कुल सीरियस थे। उन्होंने इंडिया लौटने के बाद मेरे पापा से भी इस बारे में बात की। आज तक समझ नहीं आता कि उन्होंने मुझ पर इतना भरोसा क्यों किया, लेकिन उन्होंने किया।'

शाहरुख और आदित्य चोपड़ा को कहा शुक्रिया

अपने पोस्ट के अंत में करण जौहर ने शाहरुख और आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा कि आज वह जो भी हैं, अपनी सफलताओं और गलतियों के साथ, इन दोनों की वजह से ही हैं।

करण ने लिखा, 'मैं आप दोनों से बहुत प्यार करता हूं। मेरी हर सफलता और हर हार के पीछे आप दोनों का हाथ है। आज मैं जो कहानियां सुना पा रहा हूं, वो सिर्फ आपकी वजह से है। हैप्पी गुरु पूर्णिमा।'

करण जौहर के बारे में

बता दें कि करण जौहर ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। इसके बाद साल 1998 में उन्होंने 'कुछ कुछ होता है' से डायरेक्शन में डेब्यू किया, जिसमें शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी लीड रोल में थे।

रिलीज से पहले रणबीर की 'रामायण' ने बना डाला रिकॉर्ड? 75 करोड़ में बिके म्यूजिक राइट्स

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' अपनी रिलीज से पहले जबर्दस्त सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के निर्माण में पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है। फिल्म का बजट करीब 4000 करोड़ रुपये है और इसे दो हिस्सों में बनाया गया है। अपनी रिलीज से पहले ही इसने एक रिकॉर्ड बना लिया है। इसके म्यूजिक राइट्स बहुत महंगे बिके हैं।

फिल्म 'रामायण' के म्यूजिक राइट्स टी-सीरीज ने हासिल कर लिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक नितेश तिवारी निर्देशित इस फिल्म के दोनों पार्ट के म्यूजिक राइट्स कंपनी ने करीब 75 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। इस डील ने कई और फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। हिंदी सिनेमा में इतने ऊंचे दाम में पहली बार किसी फिल्म के म्यूजिक राइट्स बिके हैं। हालांकि, यहां यह स्पष्ट कर दें कि इसे लेकर मेकर्स की तरफ से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' का तोड़ा रिकॉर्ड

सबसे महंगी म्यूजिक राइट्स की डील में अब तक रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' का नाम है। इस फिल्म के राइट्स करीब 54 करोड़ में टी-सीरीज ने ही खरीदे थे। मगर, अब रणबीर कपूर की फिल्म ने 'धुरंधर 2' को पीछे छोड़ दिया।

किस-किस के बीच थी टक्कर?

इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि कई बड़े म्यूजिक लेबल इसके ऑडियो राइट्स हासिल करने के इच्छुक थे, जिससे यह हाल के समय की सबसे ज्यादा कॉम्पिटिटिव डील बन गई। लंबी बातचीत के बाद, टी-सीरीज ने म्यूजिक राइट्स खरीदने में बाजी मारी और 75 करोड़ की एडवांस डील में ये राइट्स हासिल कर लिए। बता दें कि 'रामायण' के साउंडट्रैक को लेकर पहले से ही लोगों में जबर्दस्त उत्साह है। ऑस्कर विजेता कंपोजर ए.आर. रहमान और हंस जिमर पहली बार किसी भारतीय फिल्म के लिए साथ काम कर रहे हैं। बता दें कि इस फिल्म का पहला पार्ट इस साल दिवाली के अवसर पर दस्तक देगा।

देव आनंद के बेटे सुनील आनंद का निधन 70 की उम्र में लंदन में ली आखिरी सांस

मशहूर अभिनेता देव आनंद और एक्ट्रेस कल्पना कार्तिक के बेटे अभिनेता-फिल्ममेकर सुनील आनंद नहीं रहे। उनका लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। परिवार के एक सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लंदन के जिस अस्पताल में सुनील आनंद का निधन हुआ, साल 2011 में इसी अस्पताल में देव आनंद ने भी आखिरी सांस ली थी।

पिता से प्रेरणा लेकर अभिनय की दुनिया में आए थे सुनील

सुनील आनंद बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई करने के बाद अभिनय की दुनिया में आए थे। सुनील आनंद का जन्म 30 जून 1956 को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर में हुआ था। उन्होंने अमेरिकन यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डी.सी. से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में डिग्री हासिल की है। आगे चलकर हांगकांग में मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग ली थी। बाद में उन्होंने पिता देव आनंद से प्रेरणा लेकर फिल्मों में कदम रखा। पहले अभिनेता बने और उसके बाद निर्देशक के तौर कुछ फिल्में बनाईं। साथ ही वह नवकेतन फिल्म्स को भी चलाते थे।

सुनील आनंद

इन फिल्मों के जरिए अभिनय की दुनिया में सिक्का जमाना चाहा

सुनील आनंद ने अपने करियर की शुरुआत बतौर अभिनेता फिल्म 'आनंद और आनंद' से की थी, यह फिल्म साल 1984 में रिलीज हुई। इसके बाद वह साल 1986 में फिल्म 'कार थीफ' में नजर आए। आगे चलकर उन्होंने 'मैं तेरे लिए (1988)' और 'मास्टर (2001)' नाम की फिल्मों भी अभिनय किया। लेकिन जितनी पहचान देव आनंद को बॉलीवुड में मिली, वैसी शोहरत सुनील आनंद को नहीं मिल सकी।

निर्देशन में भी किस्मत आजमाई

फिल्मों में बतौर अभिनेता जब सुनील आनंद नहीं चले तो उन्होंने बतौर निर्देशक काम करना शुरू किया। साल 2001 में उन्होंने एक फिल्म 'मास्टर' बनाई। इस फिल्म में अभिनय भी किया। फिल्म की कहानी मार्शल आर्ट्स पर आधारित थी। साल 2014 में उन्होंने एक हॉलीवुड फिल्म 'वागाटोर मिक्सर' पर काम शुरू किया था।

सुनील ने संभाली थी नवकेतन फिल्म्स की कमान

देव आनंद के करीबी दोस्त मोहन चूड़ीवाला ने पीटीआई को बताया, 'दिल का दौरा पड़ने से 26 जुलाई को लंदन में सुनील आनंद का निधन हो गया। देव साहब की बेटी देविना लंदन जा रही हैं'। बता दें कि साल 2011 में देव आनंद के निधन के बाद सुनील ने नवकेतन फिल्म्स की कमान संभाली थी। देव आनंद की 100वीं जयंती से पहले साल 2023 में दिए एक इंटरव्यू में सुनील ने अपने पिता को एक विद्वान अभिनेता के तौर पर याद किया, जिन्हें पढ़ना पसंद था, जो हमेशा अपने लुक्स को लेकर सजग रहते थे।

राखी सावंत ने कंगना रनौत पर निकाली भड़ास, सांसद को कहा- 'चुड़ैल', जेन जी पर बयान को लेकर भड़का विवाद

राखी सावंत ने कंगना रनौत पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने एक इंस्टाग्राम वीडियो में कंगना को 'चुड़ैल', 'खजवी' और 'गटर माउथ' तक कह दिया।

राखी ने कहा- तुम MP कैसे बन गईं

राखी का यह रिएक्शन उस वक्त आया जब कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर कुछ पोस्ट शेयर करते हुए जेन जी को 'जनरेशन गटर' कहा था। उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े छात्र प्रदर्शन में शामिल महिलाओं की भी आलोचना की थी।

कंगना ने यहां तक कहा था कि NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोग 'कॉकरोच जैसे दिखते और व्यवहार करते हैं' और इन वीडियोज को 'देखकर उल्टी आती है।' राखी ने कंगना के राजनीतिक करियर पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'तुम MP कैसे बन गईं? अगर तुम खुद चुनाव लड़ो तो तुम्हें लोगों के वोट भी नहीं मिलेंगे। मुझे समझ नहीं आता कि तुम मंडी में इतनी बड़ी नेता कैसे बन गईं और इस मुकाम तक कैसे पहुंचीं।'

बेटियों के बारे में कैसी बातें कर रही हो

जेन जी और लड़कियों पर दिए गए बयान पर भी राखी ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा, 'तुम हमारे देश की बेटियों के बारे में कैसी बातें कर रही हो? मेरे स्टूडेंट्स के बारे में क्या बोल रही हो? तुम संसद में बैठकर देश की लड़कियों के बारे में गलत बातें कर रही हो।'

राखी ने 2024 के उस विवाद का भी जिक्र किया, जब चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक CISF जवान ने कंगना को थप्पड़ मारा था। उन्होंने कहा, 'तुम्हें एयरपोर्ट पर थप्पड़ पड़ा था, याद है? क्या तुम्हें डर नहीं लगता? अगर तुम ऐसे ही बोलती रहीं तो हर जगह लोगों का गुस्सा झेलना पड़ेगा।' उन्होंने कंगना को बिना सिक्योरिटी बाहर निकलने की चुनौती भी दी और कहा कि तब उन्हें देश के युवाओं की ताकत समझ आएगी।

पहले अपना कैरेक्टर देखो

राखी ने कंगना के बॉलीवुड करियर और पुराने विवादों पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, 'पहले अपना कैरेक्टर देखो, तुमने बॉलीवुड में क्या-क्या किया है। तुम्हारी भाषा बहुत खराब है। तुम मेरे देश की लड़कियों के खिलाफ बोल रही हो- क्या तुम्हें इसका हक है?'

सर्जरी के बाद राम चरण की पहली तस्वीर वायरल डॉक्टरों ने दी 8 हफ्ते आराम की सलाह

एक्टर राम चरण ने हाल ही में कोयंबटूर के अस्पताल में सर्जरी करवाई थी और अब डॉक्टरों की निगरानी में आराम कर रहे हैं।

अस्पताल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सर्जरी सफल रही है। डॉक्टरों ने राम चरण को कम से कम 8 हफ्तों तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। इसके बाद उन्हें फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन से गुजरना होगा। पूरी तरह ठीक होने और डॉक्टर की मंजूरी मिलने के बाद ही वह फिर से काम शुरू करेंगे।

कैसे लगी थी चोट?

बताया जा रहा है कि 39 साल के राम चरण को यह चोट उनकी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'पेद्दी' की शूटिंग के दौरान लगी थी, जो बाद में और बढ़ गई। सर्जरी के दौरान उनके साथ उनके पिता चिरंजीवी, मां सुरेखा और पत्नी उपासना कोनिडेला मौजूद थीं।

अस्पताल के अनुसार, राम चरण की रिकवरी अच्छी चल रही है और शुरुआती आराम के बाद वह फिजियोथेरेपी शुरू करेंगे। उनकी काम पर वापसी पूरी तरह उनके ठीक होने पर निर्भर करेगी।

इस फिल्म में नजर आएंगे एक्टर

वर्क फ्रंट की बात करें तो, राम चरण अपनी अगली फिल्म 'आरसी17' पर काम शुरू करेंगे, जिसे सुकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। खबर है कि फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और फिलहाल प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है।

दो पार्ट में बनेगी अल्लू अर्जुन की 'राका' करोड़ों के बजट में बन रही फिल्म

निर्देशक एटली की आने वाली साइंस-फिक्शन फिल्म 'राका' इन दिनों काफी चर्चा में है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है। इस बीच फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म 'राका' अब और भी बड़े लेवल पर बनाई जा रही है। लगभग 1000 करोड़ रुपये के भारी बजट में बन रही इस फिल्म को दो पार्ट में रिलीज करने की प्लानिंग है।

'राका' की कहानी दो अलग-अलग दुनियाओं और टाइमलाइन में दिखाई जाएगी।

फिल्म को लेकर जानकारी एक सोर्स के अनुसार, फिल्म की कहानी दो हिस्सों में बंटी होगी- एक हिस्सा ट्राइबल पौराणिक वैदिक काल पर आधारित होगा, जबकि दूसरा हिस्सा आज के मॉडर्न समय में सेट होगा। इस बड़े बजट के साथ यह फिल्म अब तक के सबसे बड़े सिनेमैटिक एक्सपीरियंस में से एक बन सकती है।

सोर्स ने बताया, ''राका' को दो पार्ट की फ्रेंचाइजी फिल्म के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें अलग-अलग टाइमलाइन दिखाई जाएंगी। एक ट्राइबल पौराणिक वैदिक समय में होगी और दूसरी आज के समय में।'

ये एक्ट्रेस आएंगी नजर

फिल्म में फीमेल लीड्स को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मृणाल ठाकुर मॉडर्न टाइमलाइन में लीड रोल निभाएंगी, जबकि दीपिका पादुकोण, जान्हवी कपूर और रश्मिका मंदाना ऐतिहासिक हिस्से का हिस्सा होंगी। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी तक कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने बिखेरा जलवा हाथों में हाथ डालकर किया रैंप वॉक

नई दिल्ली के ताज पैलेस होटल में आयोजित फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया कुट्योर वीक में दोनों डिजाइनर जयंती रेड्डी के शोस्टॉपर बने।

हाथों में हाथ डालकर किया रैंप वॉक

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने हाथों में हाथ डालकर रैंप वॉक किया और अपनी केमिस्ट्री से शो को खास बना दिया। उनका लुक ट्रेडिशनल और मॉडर्न स्टाइल का खूबसूरत कॉम्बिनेशन था, जो जयंती रेड्डी के कलेक्शन को पूरी तरह कॉम्पप्लिमेंट कर रहा था।

अदिति और सिद्धार्थ के आउटफिट के बारे में

अदिति ने गोल्ड और बेज रंग का खूबसूरत आउटफिट पहना, जिसमें पेप्लम स्टाइल ब्लाउज और शरारा स्कर्ट थी। इस पर बारीक जरदोजी, बीडवर्क और सीक्विन का काम किया गया था। उन्होंने चोकर सेट, स्ट्रेट हेयर और बोल्ड लिप्स के साथ अपना लुक पूरा किया।

वहीं सिद्धार्थ ने बेज रंग की हैवी एम्ब्रॉयडरी वाली शेरवानी जैकेट पहनी, जिसे उन्होंने धोती स्टाइल ट्राउजर के साथ कैरी किया। उनके लुक को पर्ल और एमराल्ड की मल्टी-लेयर नेकलेस ने और खास बना दिया।

जयंती रेड्डी का कलेक्शन

जयंती रेड्डी का कलेक्शन 'द गिल्डेड एरा' हैदराबाद की संस्कृति और निजामी दौर की कला से प्रेरित था। इसमें ट्रेडिशनल फैब्रिक्स, फ्लोरल डिजाइन और हल्के रंगों का इस्तेमाल किया गया, जो भारतीय कारीगरी की खूबसूरती दिखाते हैं। शो के आखिर में अदिति, सिद्धार्थ और जयंती रेड्डी ने साथ में पोज दिया, जो इस इवेंट का सबसे यादगार पल बन गया।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में ऋषभ शेट्टी को मिलेगा बड़ा सम्मान

'कांतारा' फेम एक्टर और फिल्ममेकर ऋषभ शेट्टी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। उन्हें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 (आईएफएफएम) में 'लीडरशिप इन सिनेमा अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। ये अवॉर्ड शेट्टी के उस योगदान को मान्यता देगा जिसके जरिए उन्होंने भारतीय सिनेमा को लेकर वैश्विक स्तर बात की है। उन्होंने ऐसी कहानियों को बढ़ावा दिया है, जो पूरी तरह से अपनी जड़ों से जुड़ी हैं।

सम्मानित महसूस कर रहे ऋषभ

इस सम्मान के बारे में बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा, 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न से 'लीडरशिप इन सिनेमा अवॉर्ड' पाकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। कहानी सुनाना हमेशा से ही हमारी संस्कृति और हमारी परंपराओं का जश्न मनाने का मेरा तरीका रहा है। हमारी विरासत से जुड़ी कहानियों को दुनिया भर में पसंद किया जाना बहुत मायने रखता है। मैं मेलबर्न जाने और भारतीय सिनेमा की ताकत का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हूं।'

क्या बोले फेस्टिवल के डायरेक्टर?

फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लैंग ने कहा, 'ऋषभ शेट्टी भारतीय फिल्म निर्माताओं की उस नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनका काम अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा है। उनकी फिल्में वैश्विक स्तर पर भी प्रासंगिक है। अपनी अनोखी कहानी कहने की शैली के माध्यम से, उन्होंने दिखाया है कि कैसे स्थानीय कहानियां सीमाओं से परे जाकर हर जगह के दर्शकों से जुड़ सकती हैं।'

'मैं वापस आऊंगा' के बाद फिर साथ में काम करने के लिए तैयार शरवरी और वेदांग रैना? इम्तियाज अली से मिलाया हाथ

ऋषभ ने अच्छा काम किया

पिछले कुछ वर्षों में, ऋषभ शेट्टी ने अपने काम, खासकर अपनी फिल्म 'कांतारा' फ्रैंचाइजी के जरिए, देश के सबसे खास फिल्म निर्माताओं में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है।

2.20 करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा गिरफ्तार

झारखंड पुलिस की सबसे बड़ी कामयाबी

रांची, 29 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य और देश के सबसे वांछित नक्सली नेताओं में शामिल मिसिर बेसरा को धनबाद से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके सिर पर झारखंड और ओडिशा सरकार की ओर से कुल 2.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, वह 175 मामलों में वांछित था और झारखंड में माओवादी नेटवर्क को खड़ा करने में उसकी अहम भूमिका रही है। पुलिस ने उसके साथ दो अन्य इनामी नक्सलियों को भी गिरफ्तार किया है।

झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बुधवार को बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा को मंगलवार शाम धनबाद जिले के बरवड्डा थाना क्षेत्र के मनियाडीह इलाके में ऑपरेशन दौरा पहाड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया। 65 वर्षीय मिसिर बेसरा गिरिडीह जिले के मदनाडीह गांव का रहने वाला है और फिलहाल प्रतिबंधित संगठन का

सक्रिय शीर्ष पोलित ब्यूरो सदस्य था।

पुलिस के अनुसार, मिसिर बेसरा के सिर पर झारखंड और ओडिशा सरकार की ओर से कुल 2.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। वह झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में दर्ज 175 आपराधिक मामलों में वांछित था। ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने मेहनत उर्फ मोचू, जिस पर 15 लाख रुपये का इनाम था, और गौरव नामक एक अन्य नक्सली को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार तीनों नक्सली कुल 320 आपराधिक मामलों में वांछित थे।

पुलिस ने बताया कि मिसिर बेसरा, जिसे सागर दा और भास्कर दा के नाम से भी जाना जाता है, वर्ष 1980 में प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़ा था। संगठन में लगातार सक्रिय रहने के बाद वह वर्ष 2003 में केंद्रीय समिति का सदस्य बना और बाद में पोलित ब्यूरो तक पहुंचा। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मिसिर बेसरा ने झारखंड और आसपास के राज्यों में माओवादी संगठन का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसने राज्य में कई सशस्त्र दस्तों (आर्म्ड स्क्वॉड) के गठन में भी अहम भूमिका निभाई थी।

झारखंड पुलिस के आईजी (ऑपरेशन) नरेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार तीनों नक्सली कई बड़े हमलों में शामिल रहे हैं। इनमें वर्ष 2005 का बिहार के जहानाबाद जेलब्रेक, कई बैंक डकैतियां, हथियार और गोला-बारूद की बड़ी लूट तथा कई आईईडी विस्फोट शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इनकी गतिविधियों के कारण 100 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई थी।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार तीनों नक्सली पारसनाथ क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश कर रहे थे। आईजी नरेंद्र सिंह ने बताया कि सुरक्षा बल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाएंगे और झारखंड में सक्रिय बचे 15 से 20 माओवादियों की तलाश तेज की जाएगी। इनमें तीन इनामी नक्सली भी शामिल हैं।

मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी पर उसके भाई देवलाल बेसरा ने बताया कि परिवार को मंगलवार रात करीब 10 से 11 बजे के बीच धनबाद और गिरिडीह की सीमा पर उसकी गिरफ्तारी की जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि मिसिर बेसरा 1986-87 के बाद कभी घर नहीं आया। परिवार की ओर से उसे कई बार मुख्यधारा में लौटने की अपील की गई थी। देवलाल बेसरा ने बताया कि परिवार में उसका एक भतीजा है, जबकि एक भतीजी की पहले ही मौत हो चुकी है।

मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब इससे कुछ घंटे पहले ही 16 माओवादियों ने झारखंड पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। इनमें संतोष महतो उर्फ बसुदेव दा उर्फ दिलीप भी शामिल है, जो 128 मामलों में वांछित था और उसके सिर पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले छह नक्सलियों पर कुल 39 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस ने चोरी का सामान बरामद किया दो गिरफ्तार

गोड्डा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। गोड्डा पुलिस ने चोरी के सामान की बरामदगी और दो आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने घाट मंजवारा और लुकलुकी क्षेत्र से चोरी हुए छह समरसेबुल पंप, बैटरी और इन्वर्टर सहित कई औजार बरामद किए हैं। ये चोरियां गोड्डा जिले के मुफस्सिल क्षेत्र में हुई थीं। ग्राम घाट मंजवारा और लुकलुकी स्कूल से समरसेबुल पंप चोरी हुए थे, जबकि लुकलुकी के दो घरों से बैटरी और इन्वर्टर चुराए गए थे। इन घटनाओं के संबंध में गोड्डा मुफस्सिल थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे।

मामलों की गंभीरता को देखते हुए, गोड्डा एसपी मुकेश कुमार ने चोरी के सामान की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष छापामारी दल का गठन करने का निर्देश दिया था। गठित छापामारी दल द्वारा सूचना संकलन के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि हरना चौक के पास दो लड़के कम दाम में बैटरी और इन्वर्टर बेचने की कोशिश कर रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : नई एसआईटी ने संभाली जांच की कमान

वर्चुअल बैठक में लिया सारा ब्योरा

अयोध्या, 29 जुलाई (एजेंसियां)। चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के लिए गठित नई एसआईटी ने अभी औपचारिक बैठक नहीं की है लेकिन जांच को लेकर टीम सक्रिय हो गई है। सूत्रों के अनुसार एसआईटी के तीनों अधिकारियों ने वर्चुअल बैठक कर अब तक हुई जांच और पुलिस की कार्रवाई की जानकारी ली है। राम मंदिर की दान पेटिकाओं से चोरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 20 जुलाई को ही नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। इसके अनुपालन में प्रदेश सरकार ने 26 जुलाई को ही नई एसआईटी गठित की है। इसमें लखनऊ के आईजी किरण एस के अलावा अयोध्या रेंज के डीआईजी सोमेन बर्मा और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर को भी शामिल किया गया है। आगे की विवेचना अब इसी टीम के पर्यवेक्षण में आगे बढ़ना है। ऐसे में अब तक की विवेचना, आरोपियों से हुई पूछताछ, सामने आए साक्ष्य, संपत्तियों से जुड़े

तथ्यों और अन्य बिंदुओं की समीक्षा एसआईटी के स्तर से होगी। डीआईजी और एसएसपी इस मामले से अभी तक अलग नहीं थे। दोनों की निगरानी में ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही थी। पुलिस की कार्रवाई और विवेचना में उठाए जाने वाले कदम भी इन्हीं के पर्यवेक्षण में लिए जा रहे थे। फर्क इतना था कि उनकी भूमिका पर्दे के पीछे पर्यवेक्षण तक सीमित थी। अब नई एसआईटी में शामिल होने के बाद यही अधिकारी जांच की निगरानी में औपचारिक रूप से सामने होंगे।

एसआईटी में शामिल होने के बाद तीनों अधिकारियों ने आपस में समन्वय स्थापित किया है। इसके लिए उनकी वर्चुअल बैठक हुई है। इस बैठक को जांच आगे बढ़ने की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है।

अब एसआईटी पहले से हुई कार्रवाई का पूरा ब्योरा जुटाएगी। किन पहलुओं पर काम करने की आवश्यकता है, इसका भी निर्धारण होगा। इसके बाद जरूरत के मुताबिक विवेचना की दिशा तय की जा सकती है।

प्रेमानंद महाराज गुरु पूर्णिमा पर राधारानी स्वरूप में दिखे

शिष्यों ने रास्ते पर फूल बिछाए, काशी में मुस्लिमों ने संत की आरती उतारी

मथुरा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में आज गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जा रहा है। मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज ने शिष्यों को राधारानी स्वरूप में दर्शन दिए। शिष्यों ने गुरु के स्वागत के लिए 50 मीटर तक रास्ते में फूल बिछाए और उन्हें दंडवत प्रणाम किया। आरती उतारी।

सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में महायोगी गुरु गोरखनाथ की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इधर, अयोध्या में 100 मंदिरों को फूलों से सजाया गया है। यहां 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। सुबह से श्रद्धालु सरयू घाटों पर स्नान कर रहे हैं। वाराणसी में जगद्गुरु बाबा बालक दास की मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आरती उतारी और उनका आशीर्वाद लिया। यहां घाटों पर भी गंगा स्नान के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी है।

प्रयागराज में सनातनी किन्नर अखाड़े ने गुरु वंदना यात्रा निकाली। आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि रथ पर सवार रहीं। यात्रा के दौरान किन्नर समुदाय के लोग रथ के आगे-आगे भजनों पर नृत्य करते रहे।

छत्तीसगढ़ की सोनिया गोद में लड्डू गोपाल को लेकर 600 किमी दूर प्रयागराज पहुंचीं और परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई। महिला ने कहा, "जब से लड्डू गोपाल हमारे जीवन में आए हैं, तब से सब कुछ अच्छा हो रहा है।"

झारखंड में एक्टिव 8 नक्सलियों का बीजापुर में सरेंडर

इसमें 5 महिला नक्सली, 49 लाख के इनामी थे, पुनर्वास नीति के तहत मिलेगी सहायता

बीजापुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के विभिन्न इलाकों में सक्रिय रहे 8 नक्सली कैडरों ने बुधवार (29 जुलाई) को बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें पांच महिला माओवादी भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन सभी पर मिलाकर 49 लाख रुपये का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और जिले में चल रहे पुनर्वास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर उन्होंने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।

पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पण की इस प्रक्रिया में झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और बीजापुर पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया। सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया गया। आत्मसमर्पण करने वालों में अश्विन उर्फ लच्छू, रंगा उर्फ सोहन और दोबा माड़वी उर्फ राहत पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

वहीं फगनी पोयम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा और सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी पर 5-5 लाख रुपये का इनाम रखा गया था।

पुलिस के अनुसार, सभी माओवादी लंबे समय से प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन से जुड़े थे और झारखंड के विभिन्न इलाकों में सक्रिय थे। सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, संगठन के कमजोर होते प्रभाव, हिंसक विचारधारा से मोहभंग और पहले आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों के सफल पुनर्वास से प्रेरित होकर उन्होंने हथियार छोड़ने का निर्णय लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सड़क हादसे में घायल

ट्रक से टकराई कार, कमर पर चोट, बागेश्वर धाम से लौट रहे थे

रायपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर विधानसभा से विधायक किरण सिंह देव सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। यूपी के झांसी से सटे ललितपुर में बुधवार दोपहर एनएच-44 पर उनकी कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई।

हादसे के बाद उन्हें तुरंत झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। किरण सिंह देव की कमर में गहरी चोट आई है। उन्हें चलने-फिरने में दिक्कत है।

शुरुआती जांच में उनकी बॉडी में किसी फ्रैक्चर की पुष्टि नहीं हुई है। हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

हादसे की सूचना मिलते ही डीएम, एसएसपी समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी अस्पताल पहुंच गए। किरण सिंह देव बागेश्वर धाम गए थे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वे परिवार के साथ वहां पहुंचे थे। वापसी के दौरान यह हादसा हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तालबेहट में जिस जगह हादसा हुआ, वह ललितपुर जिला मुख्यालय से करीब 44 किमी दूर है। नेशनल हाईवे-44 पर सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने अचानक कट मार दिया। गाड़ी को बचाने में किरण सिंह देव के ड्राइवर ने कार को मोड़ा, तभी वह कंट्रोल खो बैठा और कार हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा इंजन तक चकनाचूर हो गया है। हादसे के वक्त कार की स्पीड करीब 80 किमी प्रति घंटे रही होगी।

बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा ने बताया- किरण सिंह देव परिवार के साथ बुंदेलखंड घूमने आए थे। उन्होंने मध्य प्रदेश में बागेश्वर धाम, राजा राम मंदिर ओरछा और दतिया स्थित मां पीतांबरा के दर्शन किए। दर्शन के बाद वे रायपुर लौट रहे थे। इसी दौरान ललितपुर के तालबेहट के आगे उनकी कार एक खड़े ट्रक से टकरा गई।

हादसे के समय कार में उनकी पत्नी रीना सिंह देव और बेटी आयुषी भी मौजूद थीं। परिवार के सभी सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई। केवल किरण सिंह देव के कूल्हे में चोट है। किरण देव के काफिले में पीछे चल रही अन्य सभी गाड़ियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। कार में मौजूद पीएसओ, पीए और ड्राइवर को हल्की और मामूली चोटें आई हैं।

कैमूर डीटीओ कार्यालय में 15 .96 करोड़ का घोटाला

सीएजी रिपोर्ट-'2019 से 2023 के बीच वसूला जुर्माना जमा नहीं किराया' जवाब-तलब

कैमूर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कैमूर जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) में करोड़ों रुपये के ई-चालान घोटाले का खुलासा हुआ है। प्रधान महालेखाकार (सीएजी) की ऑडिट रिपोर्ट में मई 2019 से दिसंबर 2023 के बीच वाहन चालकों से वसूले गए 15.96 करोड़ रुपये सरकारी खाते में जमा नहीं किए जाने की बात सामने आई है।

इस मामले में तत्कालीन डीटीओ, मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई), प्रवर्तन अवर निरीक्षक (ईएसआई) समेत 11 अधिकारियों और कर्मचारियों पर सरकारी राशि के गबन का आरोप लगाया गया है। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, उक्त अवधि में ई-चालान के माध्यम से कुल 26.91 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी। हालांकि, सरकारी खजाने में केवल 10.96 करोड़ रुपये ही जमा हुए, जबकि 15.96 करोड़ रुपये का हिसाब नहीं मिला।

सहपाठी से झगड़े में घायल पांचवीं के छात्र की मौत

परिजनों ने शव को स्कूल परिसर में रखकर किया हंगामा

कौशांबी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। स्कूल में सहपाठी से हुई मारपीट में घायल कक्षा पांच के छात्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामला पहाड़पुर सुधवर गांव का है। सहपाठी से हुए झगड़े में बच्चे के गले पर चोट लगी थी। जिसके बाद इलाज के लिए उसे प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां मंगलवार देर रात उसकी मौत हो गई। छात्र की मौत होने से नाराज परिजनों ने स्कूल परिसर में शव रख कर जमकर हंगामा किया और शिक्षकों पर लापरवाही के भी आरोप लगाए। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में बीएसए ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापकों समेत सात लोगों को निलंबित कर दिया है। विद्यालय में नए स्टाफ की तैनाती की गई है। पहाड़पुर सुधवर निवासी वीरू कश्यप मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता है। उसका 11 वर्षीय बेटा विभान गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में पांचवीं का छात्र है। वीरू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा विभान कश्यप 23 जुलाई को स्कूल से घर आने के बाद अपनी मां को बताया कि उसके ही कक्षा में पढ़ने वाले साहिल ने उसका गला पकड़ कर पिटाई की है। इस कारण उसको सांस लेने में समस्या आ रही है। हालत गंभीर होने पर परिजन इलाज के लिए उसे पहले जिला अस्पताल ले गए जहां सुधार नहीं होने पर प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पांच दिन तक चले इलाज के बाद मंगलवार देर रात विभान की मौत हो गई। बेटे की मौत से परिजन आक्रोशित हो गए और बुधवार की सुबह शव को स्कूल परिसर में रख कर हंगामा करने लगे। इस दौरान परिजनों ने स्कूल के प्रधानाध्यापक सहित अन्य शिक्षकों पर लापरवाही का आरोप लगा ढ़ाई घंटे तक हंगामा किया।

हंगामे की सूचना पर पुलिस के साथ पहुंचे अधिकारियों ने नाराज परिजनों को समझा बुझा कर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह ने बताया कि मामले में परिजनों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

बिहार में घर बैठे जमीन रजिस्ट्री की सुविधा को मंजूरी

सम्राट चौधरी कैबिनेट की मीटिंग खत्म, 24 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक खत्म हो गई है। इस बैठक में सरकार ने 24 एजेंडों पर अपनी मुहर लगाई है। सरकार ने और सम्राट कैबिनेट ने केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लिए 9748 करोड़ रूपया को मंजूरी दी है। उसके अलावा बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर को वेतन और पेंशन भुगतान के लिए 198 करोड़ रुपए से अधिक के भुगतान को मंजूरी भी दी है। सम्राट कैबिनेट ने इसके अलावा चतुर्थ कृषि रोड मैप के लिए 23698 करोड रुपए की मंजूरी दी है।

टीआरई-4 का ऐलान, 32,388 टीचर्स की भर्ती होगी

सबसे ज्यादा 11वीं से 12वीं में 16 हजार पद, सितंबर में हो सकती है परीक्षा

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टीआरई-4 में 32,388 शिक्षकों की बहाली होगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने X पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीआरई-4 के तहत 32,388 शिक्षकों के पदों पर नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग ने अधियाचना बीपीएससी को भेज दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, "हमारी सरकार युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।"

टीआरई-4 भर्ती को लेकर अभ्यर्थी लंबे समय से अधिसूचना का इंतजार कर रहे थे। अब अधियाचना बीपीएससी को भेजे जाने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि आयोग जल्द ही भर्ती

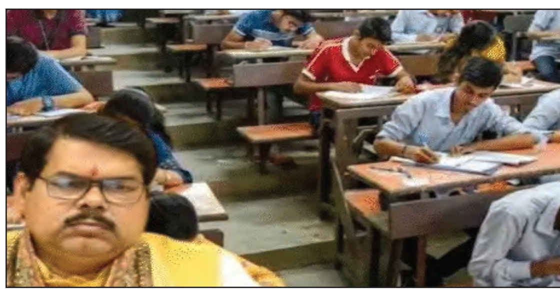

प्रक्रिया शुरू करेगा।

इससे राज्य के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने के साथ-साथ हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। बीपीएससी के एग्जाम कैलेंडर के मुताबिक, चौथे चरण की शिक्षक भर्ती की समय-सीमा पहले ही जारी की जा चुकी है। 22 से 27 सितंबर 2026 के बीच परीक्षा होगी। रिजल्ट नवंबर 2026 में जारी किया जाएगा। बीपीएससी सूत्रों के मुताबिक, शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और सेटिंग जैसी धांधलियों को रोकने के लिए आयोग ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अब परीक्षा एक के बजाय 2 चरणों में ली जाएगी।

स्क्रीनिंग टेस्टः यह ऑब्जेक्टिव होगा। इसका मुख्य उद्देश्य भीड़ को कम करना है ताकि मुख्य परीक्षा का आयोजन बेहतर ढंग से हो सके। यह राज्य के 1000 से अधिक केंद्रों पर होगा।

मुख्य परीक्षा : पीटी में सफल अभ्यर्थी ही इसमें शामिल होंगे। आयोग के अनुसार, दूसरी परीक्षा भी ऑब्जेक्टिव ही होगी, लेकिन इसका आयोजन मुख्य रूप से पटना में किया जाएगा।

22 मई 2026 को सम्राट सरकार ने एक फैसला लिया था, जिसमें कहा गया था कि हर साल 20 हजार टीचर बहाल किए जाएंगे। इसी फैसले को लागू किए जाने की संभावना है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की बैठक के बाद सरकार ने घोषणा की थी कि अब हर साल शिक्षकों की बहाली की जाएगी। इसके तहत अगले पांच साल में 1 लाख शिक्षकों की नियुक्ति का टारगेट रखा गया है।

भदोही जिले का नाम फिर संत रविदास नगर होगा

सीएम योगी का वाराणसी से ऐलान, सपा पर बोला हमला

वाराणसी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कई बड़े ऐलान किए। इस दौरान उन्होंने भदोही जिले का नाम एक बार फिर बदलकर संत रविदास नगर किए जाने की घोषणा की। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने सीधे तौर पर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। दरअसल, मायावती सरकार में भदोही जिले का नाम संत रविदास नगर किया गया था। अखिलेश यादव सरकार ने इस जिले का नाम एक बार फिर

बदलकर भदोही कर दिया। सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और संत रविदास के सम्मान से जुड़ी पहचान बदलने का प्रयास किया। हमारी सरकार इस पहचान को वापस लाएगी।

सीएम योगी ने सद्गुरु रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के अवसर पर वाराणसी में आयोजित 'समरसता संकल्प अभियान' के शुभारंभ समारोह में भदोही जिले का नाम फिर से बदलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने एक पाप और किया था, सद्गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर बने हुए जनपद का नाम भी हटा दिया। आज मैं फिर कह रहा हूं, भदोही को दोबारा संत रविदास नगर के नाम पर ही जाना जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर सद्गुरु रविदास जी महाराज के प्रति हमारी आस्था का परिणाम है, फिर से भदोही संत रविदास नगर रहेगा। जिले के नाम में बदलाव को लेकर हम लोग कार्रवाई को आगे बढ़ाएंगे।

सीएम योगी ने इस मौके पर कहा कि हमारी सरकार ने निर्णय लिया है, सद्गुरु रविदास जी महाराज, महर्षि वाल्मीकि, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और सामाजिक न्याय से जुड़े हुए पुरोधाओं की जहां भी प्रतिमाएं सार्वजनिक स्थानों पर होंगी, उनका संरक्षण किया जाएगा। अगर प्रतिमाओं के ऊपर अगर छतरी नहीं है तो सरकार अपने पैसे से छतरी बनाकर के उनकी सुरक्षा की व्यवस्था करेगी।

जेल में विचाराधीन कैदी की संदिग्ध मौत

लोहरदगा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोहरदगा जिले के कुड़ू प्रखंड के पंडरा गांव निवासी एक विचाराधीन कैदी की लोहरदगा जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक प्रेम प्रसंग के एक मामले में न्यायिक हिरासत में था। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे 39 को पंडरा चौक के पास जाम कर दिया। दो घंटे की मशक्कत के बाद न्यायिक जांच और दोषियों पर कार्रवाई के आश्वासन पर जाम हटाया गया। मृतक की पहचान पंडरा गांव निवासी जाहिद पवरियां उर्फ रिंकू के रूप में हुई है। उस पर गांव की एक लड़की ने प्रेम प्रसंग का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया था।

बेगमपुरा एक्सप्रेस ट्रेन से लखनऊ जा रहीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जौनपुर में फंसीं

मालगाड़ी का इंजन हो गया था फेल

जौनपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हवाई यात्रा छोड़ ट्रेन से विश्विद्यालयों के दीक्षांत समारोह में पहुंच रहीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बुधवार को जौनपुर में लंबे समय तक फंसी रहीं। वाराणसी से बेगमपुरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर लखनऊ के लिए निकलीं, लेकिन जौनपुर में एक मालगाड़ी का इंजन फेल हो गया। इस कारण उन्हें लगभग 30 मिनट तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। इस दौरान सुरक्षा में लगे कर्मी हलकान दिखाई दिए। हालांकि इंजन फेल होने की सूचना वाराणसी में ही मिल गई थी। वाराणसी में भी ट्रेन को काफी देर

तक रोके रखा गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल इन दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईंधन बचाओ अभियान का कुछ खास ही पालन कर रही हैं। प्रदेश में कहीं का भी दौरा हो, वे राजधानी लखनऊ से ट्रेन द्वारा ही यात्रा कर रही हैं। बीते 27 जुलाई को राज्यपाल वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्विद्यालय के दीक्षांत में शामिल हुईं। यहां भी वे ट्रेन से जौनपुर पहुंचीं। वाराणसी जाना हुआ तो भी ट्रेन से रवाना हुईं, लेकिन लौटते समय उनकी यात्रा थोड़ी कठिनाइयों में घिर गई।

वाराणसी से लखनऊ जाने के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बेगमपुरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन से निकली थीं। ये ट्रेन वाराणसी जंक्शन से प्रतिदिन जम्मूतवी के लिए चलती है। दोपहर 12:40 बजे वाराणसी जंक्शन से ये ट्रेन रवाना होती है, लेकिन बुधवार को ये ट्रेन एक बजे वाराणसी से रवाना हुई।

पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत का चावल निर्यात पांच फीसदी बढ़ा, गैर-बासमती बना सहारा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत का चावल निर्यात पांच फीसदी बढ़कर 12.27 दस लाख मीट्रिक टन हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 11.68 दस लाख टन था। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष चल रहा है। इससे व्यापार प्रभावित होने के बावजूद भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है, जिसकी वैश्विक बाजार में 40 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। यह थाईलैंड, वियतनाम और पाकिस्तान जैसे अन्य बड़े निर्यातकों के कुल निर्यात से भी अधिक है। इस वृद्धि से वैश्विक बाजार में चावल की कीमतें नियंत्रित रहने की उम्मीद है। एल नीनो मौसम स्वरूप से उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। फिर भी, अफ्रीका और एशिया के गरीब देशों को सस्ता चावल उपलब्ध होता रहेगा।

क्या बासमती चावल के निर्यात में कमी आई?

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, बासमती चावल का निर्यात 5.5 फीसदी कम होकर 3.36 दस लाख टन रह गया। ईरान समेत कुछ खाड़ी देशों में व्यापार प्रभावित होने से यह गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, गैर-बासमती चावल ने शानदार प्रदर्शन किया। इसका निर्यात 9.6 फीसदी बढ़कर 8.9 दस लाख टन पहुंच गया। अफ्रीकी देशों से मिली अच्छी मांग का इसे सीधा फायदा हुआ।

भारत को निर्यात में लाभ क्यों हुआ?

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में व्यापारियों ने बताया कि भारत के पास भरपूर मात्रा में चावल उपलब्ध है। इस कारण भारतीय चावल थाईलैंड, वियतनाम और म्यांमार जैसे अन्य बड़े निर्यातक देशों की तुलना में काफी सस्ता है। भारत मुख्य रूप से बांग्लादेश, बेनिन, आइवरी कोस्ट, गिनी और कैमरून जैसे देशों को गैर-बासमती चावल भेजता है। प्रीमियम बासमती चावल सऊदी अरब, इराक, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बाजारों में जाता है। भारत के कृषि निर्यात में चावल अभी भी सबसे मजबूत हिस्सा बना हुआ है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक संकट के बावजूद गैर-बासमती चावल की मजबूत मांग ने निर्यात को संभाल रखा है।

इस दौरान भारत का मक्का निर्यात भी जबरदस्त बढ़ा। यह 400 फीसदी उछलकर 1.42 दस लाख टन पहुंच गया। रिकॉर्ड उत्पादन के कारण घरेलू कीमतें कम हुईं। वियतनाम, बांग्लादेश और मलयेशिया जैसे देशों से मक्के की मांग बढ़ी। गेहूं का निर्यात भी बढ़कर 1,61,187 टन हो गया। पिछले साल यह सिर्फ 1,463 टन था। नेपाल ने भारत से गेहूं खरीदना शुरू किया। इसके बाद सरकार ने निर्यात पर लगी पाबंदियां हटा दी थीं।

चांदी 1270 महंगी होकर 2.19 लाख पर पहुंची 10 ग्राम सोने का दाम 178 बढ़कर 1.42 लाख

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 29 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 1,270 रुपए महंगी होकर 2.19 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 178 रुपए बढ़कर 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 11 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.19 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सोने और चांदी के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ड होते हैं। गोल्ड ETF या सिल्वर ETF की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह BSE और NSE पर की जा सकती है। हालांकि, इसमें आपको सोना या चांदी नहीं मिलता। आप जब इससे निकलना चाहें तब आपको उस समय के सोने-चांदी के भाव के बराबर पैसा मिल जाएगा। इसमें 500 रुपए से भी कम में निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

शेयर बाजार में हरियाली: सेंसेक्स 889 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार पहुंचा

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार, 29 जुलाई 2026 को जोरदार तेजी दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक फीसदी की बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 888.68 अंक बढ़कर 77,654.60 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 264.86 अंक की बढ़त के साथ 24,250.20 के पार पहुंच गया।

बाजार ने अमेरिकी-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि को नजरअंदाज किया। व्यापक बाजार के सूचकांकों में भी तेजी रही। अस्थिरता में कमी और वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-प्रेरित बिकवाली के प्रति लचीलेपन ने निवेशक भावना को मजबूत किया। सूचना प्रौद्योगिकी और धातु के शेयरों में मजबूत खरीदारी ने इस तेजी को गति दी। रुपये की मजबूती ने भी बाजार को सहारा दिया। विदेशी संस्थागत निवेशकों का फिर से निवेश भी बाजार के लिए सकारात्मक रहा। निवेशकों को उम्मीद है कि भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र की जारी बिकवाली से अपेक्षाकृत अछूता रह सकता है। अब बाजार अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय का इंतजार कर रहा है। यह निर्णय आगे की दिशा के लिए संकेत देगा।

बाजार में यह तेजी क्यों आई?

बाजार में यह उछाल कई कारकों के कारण आया। सूचना प्रौद्योगिकी और धातु के शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की। व्यापक बाजार के सूचकांकों ने भी सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार किया। रुपये की मजबूती ने भी निवेशक भावना को बल दिया। विदेशी संस्थागत निवेशकों का पूंजी प्रवाह फिर से शुरू होना एक बड़ा कारण रहा। भारत के वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-प्रेरित प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बिकवाली से अप्रभावित रहने की उम्मीद ने भी निवेशकों को आकर्षित किया।

कच्चे तेल और वैश्विक तनाव का क्या असर रहा?

अमेरिकी और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया था। आमतौर पर ऐसी स्थिति बाजार पर नकारात्मक असर डालती है। हालांकि, भारतीय इक्विटी बाजार ने इस वृद्धि को नजरअंदाज कर दिया। बाजार ने इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद अपनी बढ़त जारी रखी। यह भारतीय बाजार की आंतरिक मजबूती को दर्शाता है। निवेशकों ने बाहरी दबावों के बजाय घरेलू कारकों पर अधिक ध्यान दिया।

भारत पर 100% टैरिफ का खतरा: अमेरिकी सीनेट में आगे बढ़ा प्रतिबंध बिल; क्या रूसी तेल खरीद बनेगी नई चुनौती?

वाशिंगटन डीसी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इस विधेयक की वजह भारत और चार अन्य देशों पर 100 फीसदी तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का खतरा पैदा हो गया है। यह व्यापक प्रतिबंध विधेयक दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया था। मंगलवार को इसे आगे बढ़ाया गया, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी संसद भवन पहुंचे थे।

इस विधेयक का मकसद यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। चीन के बाद भारत रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है। विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए मतदान में 86 सांसदों ने इसके पक्ष में और 12 ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस विधेयक में रूस के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने और भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी तथा अजरबैजान पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाने की मंजूरी देने का प्रावधान है। इसका मकसद इन देशों की रूस की ऊर्जा पर निर्भरता को कम करना है।

रूस पर प्रतिबंध वाला यह विधेयक ऐसे समय में आया, जब पश्चिम एशिया में जंग के कारण भारत की ऊर्जा निर्भरता रूस पर बढ़ गई है। इस जंग के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण खाड़ी देशों से आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति रुक गई है। पहले भारत के कुल तेल आयात का करीब 40 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता था। इसके बाद तेल कंपनियों को रूस के कच्चे तेल को मुख्य विकल्प के रूप में अपनाना पड़ा। सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पहले कहा था कि इस विधेयक में उन देशों को छूट दी जाएगी, जो रूस से गैस खरीदते हैं। लेकिन उनकी खरीद रूस के कुल गैस आयात के 15 फीसदी से कम है।

प्रतिबंध विधेयक का भारत पर कितना असर?

अमेरिका ने पहली बार अगस्त 2025 में रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार को लेकर कदम उठाया था। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप ने आरोप लगाया था कि भारत पुतिन के युद्ध को बढ़ावा दे रहा है।

5 करोड़ का शेयर! नोएल टाटा के बच्चे पहली बार बने टाटा संस के शेयरहोल्डर

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के तीनों बच्चे पहली बार टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के शेयरहोल्डर बन गए हैं। कंपनी के FY26 के डॉक्यूमेंट्स से यह जानकारी मिली है। नोएल टाटा के बच्चों लिया, माया और नेविल टाटा के पास अब टाटा संस के दो-दो शेयर हैं। उन्हें ये शेयर अपनी दादी सिमोन टाटा से विरासत में मिले हैं। ये तीनों टाटा ग्रुप में काम करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में करीब 66 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी के FY25 के डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक सिमोन के पास टाटा संस के आठ शेयर थे। टाटा संस के एक शेयर की कीमत लगभग 4-5 करोड़ रुपये आंकी गई है। सिमोन टाटा का पिछले साल दिसंबर में निधन हो गया था। उसके बाद उनके शेयर उनके बेटे और पोते-पोतियों में बराबर बांट दिए गए। इससे कंपनी में नोएल की हिस्सेदारी 4,058 शेयरों से बढ़कर 4,060 शेयर हो गई। लिया, माया और नेविल को दो-दो शेयरों के साथ शेयरहोल्डर के तौर पर शामिल किया गया है। नोएल के सौतेले बड़े भाई जिमी टाटा के पास टाटा संस के 3,262 शेयर हैं। दिवंगत रतन टाटा का नाम अब भी टाटा संस के शेयरहोल्डर के रूप में दर्ज है। उनके खाते में कंपनी के 3,368 शेयर हैं। उनकी वसीयत के मुताबिक ये शेयर उनके दो चैरिटेबल फाउंडेशन को दिए जाने हैं, लेकिन अभी तक इनका ट्रांसफर पूरा नहीं हुआ है। टाटा संस के अन्य व्यक्तिगत शेयरहोल्डर्स में नोएल के बहनोई शापूर मिस्त्री (54 शेयर), उनके भतीजे फिरोज और जहान मिस्त्री (27-27 शेयर), ग्रुप के फाउंडर जमशेदजी टाटा के ग्रैंड-नेफ्यू मिनोचर टाटा की पत्नी पीलू टाटा (487 शेयर), उनके बच्चे जिमी टाटा और वीरा चोकसी (157-157 शेयर) और गुजरात के छोटा उदयपुर राजघराने की ऐश्वर्या, भवानी और जय प्रतापसिंह चौहान (एक शेयर) शामिल हैं। इनमें से लगभग सभी को ये शेयर विरासत में मिले हैं। टाटा संस ने कई दशकों से अपनी इक्विटी कैपिटल में कोई बदलाव नहीं किया है।

वेदांता पावर की रेटिंग हुई अपग्रेड

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने जब से अपने ग्रुप का डिमर्जर किया है, कंपनियों को लेकर उन्हें लगातार खुशखबरी मिल रही है। हाल में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने वेदांता लिमिडेट, वेदांता एल्युमीनियम लिमिडेट और वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड की क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड की थी। अब क्रिसिल ने वेदांता पावर के प्रोफाइल में भी बड़ा सुधार किया है। क्रिसिल रेटिंग्स ने वेदांता पावर को 'रेटिंग वॉच विद डेवलपिंग इम्प्लीकेशन्स' से बाहर कर दिया है।

रेटिंग अपग्रेड के प्रमुख कारण

क्रिसिल ने यह अपग्रेड वेदांता समूह के डिमर्जर की सफल प्रक्रिया पूरी होने के बाद किया है।एजेंसी ने कंपनी के मजबूत क्रेडिट प्रोफाइल, विविधतापूर्ण थर्मल पावर पोर्टफोलियो, बेहतर तरलता और रणनीतिक महत्व को इस अपग्रेड का मुख्य आधार बताया है। इसके अलावा क्रिसिल रेटिंग एजेंसी ने कंपनी के मजबूत परिचालन प्रदर्शन, दीर्घकालिक पावर परचेज एग्रीमेंट्स (PPAs), सुरक्षित ईंधन आपूर्ति व्यवस्था, वित्तीय लचीलापन आदि पक्षों को भी रेखांकित किया।

चालू वित्त वर्ष के दौरान छत्तीसगढ़ स्थित 'शक्ति थर्मल प्लांट' में 600 मेगावाट की एक और अतिरिक्त इकाई शुरू होने की उम्मीद है, जिससे कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता में और विस्तार होगा। क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि डिमर्जर के बाद की संरचना से वेदांता ग्रुप के व्यवसायों को अधिक रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने और वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ाने में मदद मिली है। कंपनी की अधिकांश परिचालन क्षमताएं दीर्घकालिक और मध्यम अवधि के पीपीए और ईंधन आपूर्ति समझौतों से कवर हैं, जिससे भविष्य में नकदी प्रवाह स्थिर रहने की उम्मीद है।

बीएमडब्ल्यू भी करेगा छंटनी, हजारों कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लग्जरी कार बनाने वाली दुनिया की दिग्गज कंपनी बीएमडब्ल्यू छंटनी के दौर से गुजर सकती है। ऑटो सेक्टर में फिलहाल यही सच है। रॉयटर्स ने कंपनी के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया है कि जर्मनी की मशहूर कार मेकर बीएमडब्ल्यू 2027 के अंत तक अपनी 8,000 नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है। हाल ही में अपने मुनाफे में कमी की चेतावनी देने के बाद, अब कंपनी ने खुद को बाजार में टिकाए रखने और खर्चों को कंट्रोल करने के लिए यह बड़ा कदम उठाया है।

दरअसल, कंपनी इन दिनों कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। सबसे बड़ी वजह है इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री से मिलने वाले मुनाफे में कमी आना और अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े टैरिफ। इसके अलावा, चीनी कार कंपनियों से मिल रही जबरदस्त टक्कर ने भी जर्मन कार निर्माताओं की नींद उड़ा रखी है, जिसके चलते उन्हें अपनी लागत घटाने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

कंपनी दुनियाभर में लगभग 1,54,000 लोगों को रोजगार देती है, लेकिन यह छंटनी मुख्य रूप से जर्मनी में 'डेस्क' पर काम करने वाले कर्मचारियों की होगी। अक्टूबर महीने से, कंपनी के लगभग 85,000 स्थायी जर्मन कर्मचारियों में से करीब 40,000 को स्वैच्छिक छंटनी यानी अपनी मर्जी से नौकरी छोड़ने का ऑफर दिया जाएगा। हालांकि, राहत की बात यह है कि फैक्ट्रियों की प्रोडक्शन लाइन में काम करने वाले मजदूरों पर इस छंटनी का कोई असर नहीं पड़ेगा।

क्या चीन का बाजार बना है कंपनियों के लिए मुसीबत?

बिल्कुल! चीन में आर्थिक सुस्ती और वहां की कंपनियों से मिल रही भयंकर प्रतियोगिता की वजह से बीएमडब्ल्यू की हालत वहां खराब हो गई है। पिछले महीने ही कंपनी ने बताया था कि चीन में उनका कारोबार उम्मीद से कहीं ज्यादा बुरा चल रहा है। हालत यह है कि वहां बीएमडब्ल्यू कारों की डिलीवरी पिछले साल 2017 के बाद के अपने सबसे निचले स्तर पर थी, और अप्रैल से जून की तिमाही में इसमें 30 फीसदी की भारी गिरावट आई है।

क्या बाकी कार कंपनियों का भी यही हाल है?

जी हां, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का हाल इन दिनों कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इस चुनौती का सामना सिर्फ बीएमडब्ल्यू नहीं कर रही है। एक और बड़ी जर्मन कंपनी फॉक्सवैगन भी अपने 10 अलग-अलग ब्रांड्स में करीब एक लाख नौकरियों में कटौती करने पर विचार कर रही है। वहीं, जानी-मानी कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने भी इसी तरह का अपना एक स्वैच्छिक छंटनी प्रोग्राम शुरू किया हुआ है।

सरकार ने माना, एफसीआई ने एथेनॉल बनाने वालों को 40% घाटे पर बेचा चावल

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। एथेनॉल वाले पेट्रोल (ई20) को लेकर पूरे देश में बहस चल रही है। कई लोगों की शिकायत है कि इससे गाड़ियों का माइलेज प्रभावित हो रहा है और इंजन में खराबी आ रही है। सरकार ने भी माना है कि E20 पेट्रोल से माइलेज में मामूली गिरावट आती है। सरकार पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ाने पर विचार कर रही है ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। इस बीच सरकार का कहना है कि फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 40 फीसदी घाटे पर एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों को चावल बेचा है।

सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के जवाब में कहा कि एफसीआई ने जून 2025 और जून 2026 के बीच एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों को लिए 2,250-2,320 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर चावल बेचा जबकि कॉर्पोरेशन की औसत खरीद लागत 3,720-3,889 रुपये प्रति क्विंटल थी। यानी एफसीआई ने एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों को करीब लगभग 40% कम कीमत पर चावल बेचा।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमूबेन जयंतीभाई बांभनिया ने बताया कि FCI ने पिछले 12 महीनों के दौरान अपने गोदामों से एथेनॉल प्लांट्स को 6.35 मिलियन टन चावल भेजा। इसकी कुल कीमत 14,596.78 करोड़ रुपये थी। सबसे ज्यादा चावल हरियाणा की एथेनॉल डिस्टीलरीज को मिला। इस राज्य को पिछले एक साल में एफसीआई से 844,141 टन चावल मिला।

हरियाणा के बाद उत्तर प्रदेश (838,645 टन), पंजाब और हिमाचल प्रदेश (दोनों मिलाकर 658,952 टन), पश्चिम बंगाल (584,672 टन) और मध्य प्रदेश (432,485 टन) का नंबर रहा। ओपन मार्केट सेल स्कीम (डोमेस्टिक) के तहत एथेनॉल कंपनियों के लिए चावल की कीमत जून से अक्टूबर 2025 तक 2,250 रुपये प्रति क्विंटल थी। इसके बाद नवंबर 2025 से अक्टूबर 2026 तक इसे 2,320 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। नवंबर 2026 से जून 2027 के लिए इसे 2,390 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

खरीद लागत वर्सेज इकनॉमिक कॉस्ट

2024-25 में FCI के लिए चावल की औसत खरीद लागत 3,719.72 रुपये प्रति क्विंटल थी जबकि 2025-26 में यह 3,889.46 रुपये प्रति क्विंटल (संशोधित अनुमान) थी। हालांकि एफसीआई की आर्थिक लागत इससे कहीं ज्यादा है। खरीद लागत वह राशि होती है जिस पर कॉर्पोरेशन किसानों से चावल खरीदता है। दूसरी ओर आर्थिक लागत में खरीद, स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट और वितरण या बिक्री तक के सभी खर्च शामिल होते हैं।

कितना चावल बेचने की है योजना?

उन्होंने कहा कि सरकार 2026-27 के एथेनॉल सप्लाई ईयर के लिए एफसीआई के भंडार से लगभग 7.2 मिलियन टन चावल बेचने की योजना बना रही है। इसकी वैल्यू करीब 23,900 रुपये प्रति टन होगी जबकि इसकी इकनॉमिक कॉस्ट लगभग 43,100 रुपये प्रति टन है। जब तक इसे यूनियन बजट में अलग से नहीं दिखाया जाता, तब तक यह अंतर फूड सब्सिडी बिल के तहत आएगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

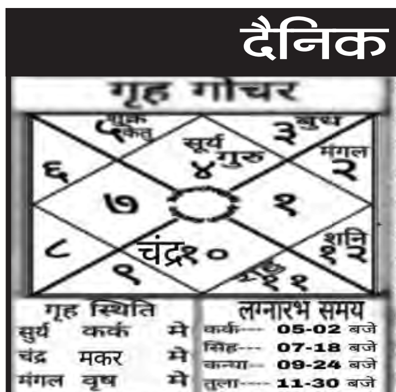

गृह स्थिति

सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	मकर	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय

कर्क----	05-02	बजे
सिंह----	07-18	बजे
कन्या----	09-24	बजे
तुला----	11-30	बजे
वृश्चिक----	13-40	बजे
धनु----	15-54	बजे
मकर----	18-00	बजे
कुंभ----	19-50	बजे
मीन----	21-28	बजे
मेष----	23-04	बजे
वृष----	00-50	बजे
मिथुन----	02-50	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय **05-56**
सूर्यास्त. **18 -48**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष गुरुवार **30 July 2026**
तिथि - प्रतिपदा **21-30** तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - श्रवण **17-43** तक उप धनिष्ठा
योग - आयुष्मान **00-05** रात्रि तक उप सौभाग्य
करण - बालव **08-51** तक उप कौलव

शुभ श्रावण मास

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-59 से
15-36 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर **Ph. 9247132654**

दिन का चौघड़िया

शुभ	05-56 - 07-33	शुभ
रोग	07-33 - 09-09	अशुभ
उत्पात	09-09 - 10-46	अशुभ
चंचल	10-46 - 12-23	शुभ
लाभ	12-23 - 13-59	शुभ
अमृत	13-59 - 15-36	शुभ
काल	15-36 - 17-12	अशुभ
शुभ	17-12 - 18-48	शुभ

रात का चौघड़िया

अमृत	18-48 - 20-12	शुभ
चंचल	20-12 - 21-36	शुभ
रोग	20-36 - 22-59	अशुभ
काल	22-59 - 00-23	अशुभ
लाभ	00-23 - 01-46	शुभ
उत्पात	01-46 - 03-10	अशुभ
शुभ.	03-10 - 04-33	शुभ
अमृत	04-33 - 05-56	शुभ

आपका राशिफल

मेष
चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृष
ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आप भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर सकते हैं।

मिथुन
का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

कर्क
ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

सिंह
मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं।आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

तुला
रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

वृश्चिक
तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

धनु
ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

मकर
भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

कुंभ
गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से ख़ुशी होगी ।

मीन
दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: शिक्षक की डांट आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं, तीन पर लगे आरोप हुए रद्द

जोधपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि शिक्षकों द्वारा छात्रों को अनुशासन में रखने के लिए डांटना-फटकारना आत्महत्या के लिए उकसाने के समान नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने वर्ष 2005 के बीकानेर छात्रा आत्महत्या मामले में दो शिक्षिकाओं समेत तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 305 के तहत तय आरोपों को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर ने रवि भटनागर सहित अन्य की आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि किसी शिक्षक द्वारा छात्र को नियमित रूप से स्कूल आने, पढ़ाई पर ध्यान देने, कक्षा में अनुशासन बनाए रखने या खराब प्रदर्शन पर डांटने-फटकारने जैसी सामान्य अनुशासनात्मक कार्रवाई को तब तक आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण नहीं माना जा सकता, जब तक आत्महत्या के लिए उकसाने या जानबूझकर सहायता करने का स्पष्ट और ठोस प्रमाण न हो। इसी आधार पर हाई कोर्ट ने बीकानेर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संख्या-6 द्वारा 9 फरवरी 2021 को आरोप तय करने के आदेश को रद्द कर दिया।

यह मामला बीकानेर के एक स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा से जुड़ा है, जिसने 19 अक्टूबर 2005 को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। छात्रा ने कथित तौर पर एक सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें स्कूल के शिक्षकों पर प्रताड़ित करने, अपमानित करने और स्कूल से निकालने का प्रयास करने के आरोप लगाए गए थे।

जांच में सामने आया कि छात्रा नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित नहीं होती थी और पढ़ाई पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही थी। शिक्षकों ने उसे नियमित रूप से स्कूल आने, पढ़ाई करने और क्लास टेस्ट में शामिल होने के लिए समझाया था। रिकॉर्ड की समीक्षा के बाद हाई कोर्ट ने पाया कि आरोपियों की ओर से ऐसा कोई प्रत्यक्ष या सक्रिय कृत्य नहीं था, जिससे यह साबित हो सके कि उन्होंने छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाया था। मामले में अधिवक्ता मुक्तेश माहेश्वरी और अभिषेक मेहता ने पैरवी की।

'संकल्प पत्र का वादा कब होगा पूरा?'

अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार को याद दिलाया 2023 वाला वचन

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के शिक्षा विभाग में खाली पड़े पदों को लेकर राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक पोस्ट के जरिए पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र का हवाला देते हुए सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था और युवाओं के रोजगार से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने 'संकल्प पत्र 2023' के पृष्ठ संख्या 33 पर शिक्षा विभाग की सभी रिक्तियों को एक वर्ष के भीतर भरने का लिखित वादा किया था। उन्होंने कहा कि सरकार का कार्यकाल ढाई वर्ष से अधिक का हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद शिक्षा विभाग में रिक्त पदों का आंकड़ा लगातार बढ़ते हुए लगभग डेढ़ लाख तक पहुंच गया है। गहलोत की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अकेले व्याख्याता के 51,073 पद, वरिष्ठ अध्यापक के 24,384 पद और प्राचार्य के 15,921 पद वर्तमान में खाली पड़े हैं।

शिक्षकों की कमी का हवाला देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में एक-एक शिक्षक को दो से तीन कक्षाओं की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही है। विज्ञान, गणित और अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जिससे आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। उन्होंने अपनी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उनके समय में रिकॉर्ड स्तर पर भर्तियां कर युवाओं को नियुक्तियां दी गई थीं। गहलोत ने सवाल उठाया कि संकल्प पत्र में किया गया यह वादा कब तक पूरा किया जाएगा और प्रदेश के बच्चों के भविष्य से जुड़ा यह विषय बेहद गंभीर है।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के समय जारी किए गए संकल्प पत्रों और उनके क्रियान्वयन को लेकर अक्सर राजनीतिक चर्चाएं होती रहती हैं। शिक्षा विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति और नई भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना हमेशा से प्रदेश के लाखों प्रतियोगी परीक्षार्थियों और छात्रों के लिए प्राथमिक मुद्दा रहा है। विपक्षी दल जहां रिक्त पदों को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं, वहीं सरकार की ओर से भी समय-समय पर विभिन्न विभागों में भर्तियों की समीक्षा और पद सृजन की प्रक्रिया जारी रखने के दावे किए जाते हैं।

गांवों की गंदगी देख भड़के मंत्री मदन दिलावर

बीडीओ से पूछा- 'कितना कमीशन खाते हो?'

दौसा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पंचायती राज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर बुधवार को जिले की सिकराय पंचायत समिति क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान गांवों की बदहाल सफाई व्यवस्था देखकर उनका गुस्सा खुलकर सामने आ गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जगह-जगह फैली गंदगी, जाम नालियां और सड़कों पर जमा गंदा पानी देखकर अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।

मानपुर ग्राम पंचायत में ग्रामीणों से बातचीत के दौरान लोगों ने मंत्री को बताया कि गांव में नियमित सफाई नहीं हो रही है। नालियां जाम पड़ी हैं, जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं और पंचायत प्रशासन मूलभूत समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दे रहा। ग्रामीणों ने पंचायत और सरपंच के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित हैं, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं। ग्रामीणों की शिकायत सुनते ही मंत्री मदन दिलावर ने पंचायत समिति सिकराय की विकास अधिकारी रानू इनखिया को फोन लगाया और नाराजगी जताते हुए सीधा सवाल किया- ₹कितना कमीशन खाते हो? मंत्री के इस सवाल से प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया।

मंत्री ने अधिकारियों से पूछा कि लगातार शिकायतें मिलने के बावजूद सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद प्रशासनिक अमले में हलचल तेज हो गई और सफाई व्यवस्था सुधारने की कवायद शुरू कर दी गई। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने महिला सफाईकर्मियों से उनके मानदेय के बारे में पूछा। इस पर महिलाओं ने बताया कि उन्हें हर महीने केवल 4,500 रुपये मिलते हैं। यह सुनकर मंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि सरकार की ओर से 10,000 रुपये प्रतिमाह भेजे जाते हैं। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश दिए।

मंत्री ने ग्रामीणों से सफाई व्यवस्था की जानकारी ली, जिस पर लोगों ने असंतोष जताया। उन्होंने सरपंच नेतराम को मौके पर बुलाकर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, ग्राम विकास अधिकारी पूजा और ग्राम पंचायत प्रशासक नेतराम के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद मंत्री ने ग्राम पंचायत पांचोली का भी निरीक्षण किया और पंचायत समिति सिकराय की विकास अधिकारी रानू इनखिया को दूरभाष पर प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जयपुर-धौलपुर में तेज बारिश, 22 जिलों में अलर्ट, 2 अगस्त तक एक्टिव रहेगा मानसून

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन के असर से राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। राजधानी जयपुर में बुधवार दोपहर को 35 मिनट तक अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश हुई। टोंक रोड, रामबाग, चारदीवारी, अजमेरी गेट, 22 गोदाम, सी-स्कीम सहित कई जगह सड़क पर पानी भर गया है। लोगों को बस स्टैंड पर खडे.रहना पड़ा। धौलपुर के राजाखेड़ा में तेज बारिश होने से निचले इलाकों में पानी भर गया। मौसम विभाग ने बुधवार को 22 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में 2 अगस्त तक बारिश का सिलसिला बना रहेगा, जबकि 30 और 31 जुलाई को उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ क्षेत्रों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 117 एमएम बारिश टोंक में हुई, जबकि झालावाड़ के झालरापाटन में 87 एमएम पानी बरसा। धौलपुर जिले के बसेड़ी और सैंपऊ क्षेत्र में तेज बारिश के कारण कुछ मकानों को नुकसान पहुंचा। प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर राहत कार्य शुरू करने की तैयारी की गई है। लगातार हो रही बारिश का असर तापमान पर भी देखने को मिला। चित्तौड़गढ़, सीकर, पिलानी, जयपुर, अलवर, चूरू, करौली और दौसा में अधिकतम तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। श्रीगंगानगर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, लेकिन शाम को वहां भी बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन फिलहाल पश्चिम बंगाल और ओडिशा तट के आसपास सक्रिय है। बुधवार से कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर, उदयपुर व बीकानेर संभाग के कुछ और भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इस दौरान दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश होने की आशंका है।

पंचायत-निकाय चुनाव: बदलेंगे सियासी समीकरण, दावेदारों में बेचैनी

राजस्थान
पंचायत चुनाव
निकाय चुनाव?
OBC
SC
ST
GEN
EWS
RES.

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे संभावित प्रत्याशियों की निगाहें अब आरक्षण की लॉटरी पर टिकी है। इसी प्रक्रिया से तय होगा कि कौन-सी सीट सामान्य रहेगी और कौन-सी महिला, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित होगी। संभावना है कि यह प्रक्रिया 15 अगस्त से पहले पूरी कर ली जाएगी। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार पहले नगर निकाय चुनाव होंगे। इनकी अधिसूचना 17 अगस्त के आसपास जारी होने की संभावना है तथा चुनाव प्रक्रिया करीब 20 सितंबर तक पूरी हो सकती है। इसके बाद 23 सितंबर के आसपास पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों की घोषणा प्रस्तावित है, जिनकी पूरी प्रक्रिया 15 नवंबर तक चल सकती है। लंबे समय से चुनावी तैयारियों में जुटे कई दावेदारों के लिए आरक्षण की लॉटरी सबसे महत्वपूर्ण साबित होगी। लॉटरी के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि वे चुनाव मैदान में उतर पाएंगे या नहीं। ग्राम पंचायतों में वार्ड पंच और सरपंच पदों के आरक्षण की लॉटरी उपखंड अधिकारी निकालेंगे, जबकि पंचायत समिति एवं जिला परिषद सदस्य पदों के लिए आरक्षण का निर्धारण जिला कलक्टर करेंगे। नगर निकायों में पार्षद और चेयरमैन पदों का आरक्षण भी लॉटरी के जरिए तय होगा। चुनावी नियमों के अनुसार सभी पदों पर 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी।

गूगल पर सर्च किया कस्टमर केयर नंबर तो साइबर ठगों ने बना लिया निशाना

बैंक अधिकारी बनकर ठगे 3.60 लाख रुपए

अजमेर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। क्रेडिट कार्ड संबंधी सहायता के लिए गूगल पर हेल्पलाइन नम्बर सर्च करना एक युवक को भारी पड़ा। फर्जी कस्टमर केयर नम्बर के जरिए साइबर ठगों ने खुद को बैंक और क्रेडिट कार्ड कम्पनी का अधिकारी बताकर विश्वास में ले लिया। फिर विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से उसके खाते से 3 लाख 59,933 रुपए की निकासी कर ली। जयपुर एटीएस-एसओजी की ओर से भेजी गई जीरो नम्बर एफआईआर के आधार पर साइबर थाने से प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस के अनुसार पारस हाइट अपार्टमेंट निवासी हेनरी माथुर ने रिपोर्ट में बताया कि वह अपने क्रेडिट कार्ड से जुड़ी जानकारी और सहायता के लिए गूगल पर हेल्पलाइन नम्बर तलाश रहे थे। सर्च के दौरान उन्हें एक ग्राहक सेवा नम्बर मिला। कॉल करने पर सामने वाले ने खुद को संबंधित बैंक एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनी का प्रतिनिधि बताते हुए सहायता का भरोसा दिलाकर बातचीत शुरू की।

फर्जी आईएएस बनकर छात्राओं को फंसाता था शातिर

नौकरी का सपना दिखाकर करता था घिनौना काम, जोधपुर पुलिस ने दबोचा

जोधपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। खुद को आईएएस अधिकारी बताना, सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देना और फिर उसी भरोसे का गलत फायदा उठाना. जोधपुर पुलिस ने ऐसे ही एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से छात्राओं और युवतियों को झूठे वादों के जरिए अपने जाल में फंसा रहा था. पुलिस का कहना है कि आरोपी पहले खुद को प्रभावशाली अधिकारी बताता था, फिर सरकारी नौकरी, बोर्ड परीक्षा में अच्छे नंबर और प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद का लालच देकर युवतियों का भरोसा जीतता था. इसके बाद उन्हें होटल या किराए के कमरे में बुलाकर दुष्कर्म करता था.

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया. अब पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कहीं और भी युवतियां उसके झांसे का शिकार तो नहीं हुई हैं.

मामले का खुलासा 26 जुलाई को हुई एक शिकायत के बाद हुआ. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2024 में आरोपी ने उसे फोन किया था. बातचीत के दौरान उसने खुद को आईएएस अधिकारी बताया और सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया. धीरे-धीरे उसने विश्वास जीत लिया. पीड़िता के अनुसार आरोपी बाद में उसे क होटल लेकर गया. वहां उसे नशीला पदार्थ पिलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया. काफी समय बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू हुई.

शिकायत मिलते ही पुलिस आयुक्त के निर्देश पर डीसीपी ईस्ट के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई. टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल रिकॉर्ड और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की. जांच के दौरान कई अहम सुराग मिले, जिनके आधार पर आरोपी तक पहुंचना संभव हुआ.

'भेंट नहीं दी तो अनर्थ हो जाएगा' बाबा बनकर डराते थे

फिर हिप्नोटाइज कर उड़ा देते थे नकदी-जेवरात

कोटा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में पुलिस ने ऐसे अंतरराज्यीय ठग गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो बाबा बनकर लोगों को डराता था, अंधविश्वास के जाल में फंसाता था. यह गैंग पहले रुद्राक्ष देता था, फिर हिप्नोटाइज कर नकदी और गहने लेकर फरार हो जाता था. पुलिस ने इस गैंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. कई अन्य वारदातों में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है. 'तुम्हारे ऊपर संकट है..., ये रुद्राक्ष रख लो..., कुछ दान कर दो, नहीं तो अनर्थ हो जाएगा...' अगर कोई अजनबी सड़क पर आपको ऐसी बातें कहे, तो शायद आप आगे बढ़ जाएं. लेकिन कई लोग ऐसे भी होते हैं, जो आस्था और डर के बीच फैसला नहीं कर पाते. राजस्थान के कोटा में ऐसा ही एक गैंग सक्रिय था, जिसने डर और अंधविश्वास को ठगी का हथियार बना लिया.

कोटा पुलिस ने ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जो बाबा बनकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था. गिरोह के सदस्य पहले धार्मिक बातें करते, रुद्राक्ष देते और फिर किसी अनहोनी का डर दिखाकर सामने वाले को मानसिक रूप से अपने प्रभाव में ले लेते. इसके बाद कथित तौर पर हिप्नोटाइज कर उससे नकदी और गहने ऐंठ लेते.

मामले का खुलासा तब हुआ, जब रामपुरा कोतवाली थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. पीड़ित ने बताया कि बाबा के वेश में आए दो लोगों ने उसे रुद्राक्ष दिया और कहा कि अगर उसने भेंट नहीं चढ़ाई तो उसके साथ अनर्थ हो जाएगा. भय और अंधविश्वास की बातों में उलझाने के बाद उससे 5,500 रुपये निकलवा लिए गए. कुछ देर बाद आसपास मौजूद लोगों को शक हुआ. उन्होंने पीड़ित से पूछताछ की तो पता चला कि उसने बाबा को पैसे दे दिए हैं. तभी उसे एहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार बन चुका है. इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा. शिकायत मिलते ही कोटा पुलिस ने कार्रवाई की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में उनकी पहचान विट्ठलनाथ और गोविंद राणा के रूप में हुई, जो पंजाब के भटिंडा के रहने वाले हैं.

एडिशनल एसपी सुभाष मिश्रा के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से इसी तरीके से लोगों को निशाना बना रहे थे. उनका तरीका बेहद सुनियोजित था. पहले वे इलाके की रेकी करते, फिर ऐसे लोगों की तलाश करते जो आस्था या अंधविश्वास के कारण आसानी से उनके प्रभाव में आ सकते थे. पुलिस के अनुसार, महिलाएं भी उनके निशाने पर रहती थीं. इसके बाद वे कथित तौर पर हिप्नोटाइज कर नकदी और जेवरात लेकर फरार हो जाते थे. शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह गिरोह कई जिलों में सक्रिय रहा है. पुलिस अब यह पता लगा रही है कि कोटा के दादाबाड़ी और अनंतपुरा थाना क्षेत्रों में हुई इसी तरह की ठगी की घटनाओं में भी इन दोनों आरोपियों का हाथ था या नहीं.

एक लाख रुपए की 'भारी भरकम' रिश्वत, एसीबी के शिकंजे में फंसा जयपुर कलक्ट्रेट अफसर का पीए मुकेश कुमार

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की टीम ने जयपुर कलेक्ट्रेट में तैनात अतिरिक्त जिला कलेक्टर-पूर्व के निजी सहायक मुकेश कुमार को 1 लाख रुपये की घूस लेते रंगे हाथों ट्रैप कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पीए ने पीड़ित से बकाया बिल पास कराने और फाइल को आगे बढ़ाने की एवज में यह मोटी रकम रिश्वत के रूप में मांगी थी। प्रशासनिक पावर सेंटर माने जाने वाले कलेक्ट्रेट के भीतर हुई इस कार्रवाई से कलेक्ट्रेट परिसर के अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन में हड़कंप मच गया।

एसीबी की यह कार्रवाई डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में एएसपी सुनील सिहाग के नेतृत्व में पूरी सतर्कता के साथ अंजाम दी गई।

जयपुर कलेक्ट्रेट में घटित इस भ्रष्टाचार के मामले में पीड़ित परिवादी ने परेशान होकर एसीबी का दरवाजा खटखटाया था। जानकारी के मुताबिक परिवादी का कलेक्ट्रेट शाखा में एक बिल बकाया था जिसे पास कराने और संबंधित फाइल को स्वीकृत करने के लिए वह लगातार दफ्तर के चक्कर काट रहा था।

एडीएम-ईस्ट का पीए मुकेश कुमार लगातार काम अटका रहा था और बिल क्लियर करने के बदले 1 लाख रुपये नकद रिश्वत देने का दबाव बना रहा था। पीड़ित द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद एसीबी टीम ने गोपनीय तरीके से रिश्वत की मांग का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप पूरी तरह सही पाए गए। सत्यापन के बाद एसीबी की स्पेशल टीम ने आरोपी पीए को रंगे हाथों पकड़ने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में अपना जाल बिछाया। जैसे ही परिवादी ने आरोपी पीए मुकेश कुमार को उसकी कलेक्ट्रेट स्थित सीट पर 1 लाख रुपये की केमिकल लगे नोटों की रिश्वत दी, वैसे ही सादा वर्दी में तैनात एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

ट्रैप के तुरंत बाद जब आरोपी मुकेश कुमार के हाथ धुलाए गए तो केमिकल के असर से पानी का रंग गुलाबी हो गया, जिससे रिश्वत लेने का पुख्ता प्रमाण मिल गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में पीए के पकड़े जाने के बाद एसीबी की टीम ने तुरंत उसे अपनी कस्टडी में लिया और आगे की कागजी कार्यवाही शुरू की। पूरी कार्रवाई एसीबी डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह के मार्गदर्शन और एएसपी सुनील सिहाग की सीधी देखरेख में पूरी की गई।

आरोपी मुकेश कुमार को गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीमें उसके संभावित ठिकानों और रिहाइशी मकान पर भी सर्च ऑपरेशन चला रही हैं ताकि उसकी काली कमाई और अन्य संपत्तियों का ब्योरा सामने आ सके।

सरकारी स्कूल की चलती क्लास में गिरा पंखा, दो छात्राएं घायल

हनुमानगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली एक घटना सामने आई है। हनुमानगढ़ जिले के संगरिया क्षेत्र के गांव नगराना स्थित आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हड़कंप मच गया जब कक्षा 11 में पढ़ाई के दौरान अचानक छत से घूमता हुआ पंखा नीचे आ गिरा। इस हादसे में कक्षा में पढ़ाई कर रही दो छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनमें से एक छात्रा की आंख की पलक पर गहरा घाव लगने के बाद टांके लगाने पड़े हैं। सुबह करीब 11.15 बजे हुई इस घटना के समय कमरे में करीब 25 विद्यार्थी मौजूद थे, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना के बाद घायल छात्राओं को तुरंत हनुमानगढ़ जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि दूसरी ओर ग्रामीणों और परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही बरतने और समय पर इलाज न दिलाने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

खड़े ट्रक में जा घुसी स्कूली बच्चों से भरी वैन, एक मासूम की मौत, दो की हालत गंभीर

बांसवाड़ा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूली बच्चों से भरी एक वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे में एक मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 अन्य बच्चे घायल हो गए। इनमें दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। हादसा दाहोद मार्ग पर ठीकरिया से पहले पेट्रोल पंप के सामने की तरफ हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार निजी स्कूल के बच्चों से भरी वैन तेज रफ्तार से सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कई बच्चे वाहन के भीतर ही फंस गए।

हादसा होते ही मौके से गुजर रहे लोगों ने बचाव कार्य आरंभ कर दिया लोगों ने वैन में फंसे बच्चों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। साथ ही पुलिस और 108 पर सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा सभी घायलों को महात्मा गांधी अस्पताल भिजवाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने एक बच्चे हयान पुत्र राजेश वसानिया को मृत घोषित कर दिया। साथ ही एक अन्य बच्चे रुद्र नेमा की अत्यंत गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे विशेष निगरानी में रैफर कर दिया गया है, शेष बच्चों का उपचार जारी है। हादसे के बाद सुबह से ही बड़ी संख्या में घायल बच्चों और उनके परिजनों के अस्पताल पहुंचने से अफरा-तफरी मच गई। दो गंभीर बच्चों को चिकित्सक ने सीपीआर भी दिया। हादसे की जानकारी के बाद अतिरिक्त जिला कलेक्टर पर्वतसिंह चुंडावत, डिप्टी मनीष चारण, सीएमएचओ डॉ खुशपाल सिंह सहित पुलिस अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और घायल बच्चों के बारे में जानकारी ली। साथ ही घटनाक्रम से जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव को भी अवगत कराया।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे की ओर टकराई हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता

बिहार से नाबालिग लड़कियां लाकर राजस्थान में शादी के लिए बेचने वाली गैंग गिरफ्तार, फर्जी आधार कार्ड भी बनाते थे

झालावाड़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ पुलिस ने बिहार के गरीब और अत्यंत पिछड़े परिवारों की नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर अथवा खरीदकर राजस्थान लाने और फर्जी आधार कार्ड बनवाकर उनका विवाह कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया है। गिरोह ने बिहार की 14 साल की एक नाबालिग बालिका का फर्जी आधार कार्ड बनवाकर उसे बालिग दर्शाया और अकलेरा क्षेत्र में दो लाख रुपए लेकर उसका विवाह करा दिया। कुछ दिन बाद आरोपित बालिका को वापस ले जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। मामले की जांच के बाद पुलिस ने गिरोह के 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 7 जुलाई को मदनपुरिया गांव से सूचना मिली थी कि बिहार से लाई गई 14 साल की नाबालिग बालिका को कुछ लोग जबरन वाहन में बैठाकर ले जा रहे हैं। सूचना पर अकलेरा पुलिस ने पीछा किया लेकिन आरोपी वाहन लेकर रटलाई की ओर भाग निकले। इसके बाद रटलाई थाना पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से सड़क पर ट्रैक्टर-ट्रॉली लगाकर रास्ता अवरुद्ध किया गया। वाहन को रोककर उसमें सवार बिहार निवासी नाबालिग बालिका सहित 6 लोगों को पकड़ा गया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मिले उत्तम कुमार रेड्डी

अंतरराज्यीय नदी जल मुद्दों पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) सचिव संपत कुमार ने बुधवार को दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों राज्यों के बीच अंतरराज्यीय नदी जल से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के साथ विशेष रूप से तुंगभद्रा और कृष्णा नदी जल बंटवारे से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में दोनों राज्यों के हितों से जुड़े नदी जल विषयों, आपसी समन्वय और लंबित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर-2026 प्रपत्रों के डिजिटलीकरण का किया निरीक्षण

समयबद्ध डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन, आईएएस ने बुधवार को सनतनगर विधानसभा क्षेत्र के पटीगड्डा मॉडल मार्केट स्थित मतदान केंद्र संख्या 16 से 26 पर एसआईआर-2026 गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की और निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि डेटा प्रविष्टि का कार्य समय पर, सटीक और त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा डिजिटलीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक, समावेशी और अद्यतन रूप में तैयार किया जा सके। आर.वी. कर्णन ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए सही और अद्यतन मतदाता सूची का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को पूरी सावधानी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

पेड्डी सुदर्शन रेड्डी की सुरक्षा हटाना राजनीतिक प्रताड़ना : प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रदेश महासचिव डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी का हथियार लाइसेंस और सुरक्षा हटाकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने के उद्देश्य से सुरक्षा में कटौती की जा रही है। तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि नरसंपेट के पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी गंभीर रूप से अस्वस्थ हैं और यशोदा अस्पताल में उपचार ले रहे हैं।

उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बताया कि बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है। डॉ. प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि सुरक्षा समीक्षा समिति के नाम पर पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों की सुरक्षा हटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने नागरिक आपूर्ति विभाग में कथित 1,100 करोड़ रुपये के घोटाले और स्कूल शिक्षा विभाग में कथित बंकर बेड खरीद मामले को उठाया था, जिसके कारण उन्हें निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि पेड्डी सुदर्शन रेड्डी पिछले 25 वर्षों से हथियार लाइसेंस रखते हैं और लगभग 20 वर्षों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध थी। उन्होंने दावा किया कि नक्सली गतिविधियों वाले वन क्षेत्रों और छत्तीसगढ़ सीमा से लगे क्षेत्रों में खतरे के बावजूद उनकी सुरक्षा हटा दी गई। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि सुरक्षा हटाने के बाद पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने अदालत का रुख किया और अदालत ने रोक आदेश दिया, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा कर्मियों की तैनाती नहीं की गई।

डॉ. प्रवीण कुमार ने पुलिस महानिदेशक से सवाल किया कि कुछ नेताओं को सुरक्षा किस आधार पर दी गई है। उन्होंने कहा कि यदि सुरक्षा खतरे के आकलन के आधार पर दी जाती है तो कई नेताओं को दी गई सुरक्षा का आधार सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेताओं को 2+2 सुरक्षा और बुलेट प्रूफ वाहन उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि कई पूर्व मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा हटा दी गई।

सरकार उद्योगों में उच्चतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : विवेक

मंत्री ने दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा संस्कृति अपनाने का आह्वान किया

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार उद्योगों में उच्चतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शक्ति (श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना), खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सरकार औद्योगिक सुरक्षा को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। उन्होंने औद्योगिक दुर्घटनाओं को समाप्त करने के लिए सरकार, औद्योगिक प्रबंधन और श्रमिकों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से एक मजबूत सुरक्षा संस्कृति की मांग की। त्री ने बुधवार को लकडीकापुल स्थित फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी), तेलंगाना चैप्टर द्वारा आयोजित ज्वलनशील प्रक्रिया सुरक्षा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर ज्वलनशील पर एक विशेष प्रकाशन भी जारी किया। भा को संबोधित करते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने देशभर में ज्वलनशील विस्फोटों और गैस रिसावों के कारण होने वाली औद्योगिक दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हालांकि व्यापक सुरक्षा नियम और विनियम पहले से ही लागू हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन अक्सर अपर्याप्त रहता है। त्री ने कहा कि व्यापार सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) ढांचे के तहत उद्योगों को परिचालन की अधिक स्वतंत्रता दी गई है, लेकिन इस स्वतंत्रता के साथ-साथ अधिक जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों को सरकार के निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता के बिना स्वेच्छा से उच्चतम सुरक्षा मानकों को अपनाना चाहिए और उनका सख्ती से पालन करना चाहिए। ल ही में हुई सिगाची घटना का जिक्र करते हुए मंत्री जी ने कहा कि इससे हर उद्योग जगत को सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए जरूरी उपायों में मात्र 15 लाख से 20 लाख रुपये का निवेश न करने से अंततः कई अनमोल जानें चली गईं और कंपनी को करोड़ों रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा पर अपेक्षाकृत छोटी रकम बचाने की कोशिश अक्सर विनाशकारी मानवीय और वित्तीय परिणामों की ओर ले जाती है। त्री ने निर्देश दिया कि औद्योगिक सुरक्षा को प्रत्येक कंपनी बोर्ड की बैठक में अनिवार्य एजेंडा आइटम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कारखाने के मालिकों और बोर्ड सदस्यों को सुरक्षा मानकों के अनुपालन की निरंतर निगरानी करनी चाहिए और सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लागत नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखना चाहिए।

हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर 16 किलो गांजा के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

विशाखापट्टनम से नई दिल्ली ले जाया जा रहा था मादक पदार्थ

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी रेलवे पुलिस (ज़ीआरपी) हैदराबाद और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) हैदराबाद की संयुक्त कार्रवाई में एक अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 16.92 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। जब्त गांजे की कीमत लगभग 8.46 लाख रुपये बताई गई है। जीआरपी के अनुसार, 29 जुलाई को सुबह करीब 9.30 बजे हैदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 के प्रवेश द्वार के पास पुलिस टीम सामान्य जांच कर रही थी। इसी दौरान दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूमते दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे व्यक्ति को दो बैगों के साथ पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आकाश सिंह (20 वर्ष), निवासी नहोरा, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपी मजदूरी करता है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नई दिल्ली में साड़ी का कारोबार करने के दौरान जाफर नामक गांजा तस्कर के संपर्क में आया था। जाफर ने उसे विशाखापट्टनम से नई दिल्ली तक गांजा पहुंचाने के लिए प्रति चक्कर 15 हजार रुपये देने का लालच दिया था। आरोपी के अनुसार, 26 जुलाई को वह विशाखापट्टनम पहुंचा, जहां उसकी मुलाकात जाफर से हुई। 28 जुलाई को जाफर ने मनीष नामक व्यक्ति के माध्यम से उसे दो बैगों में गांजा दिया, जिसे नई दिल्ली के नांगलोई निवासी मियां को पहुंचाना था। आकाश और मनीष विशाखापट्टनम से गोदावरी एक्सप्रेस में सवार होकर 29 जुलाई की सुबह हैदराबाद पहुंचे। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर आकाश को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से दो बैगों में रखे 16.92 किलोग्राम गांजा (कुल 14 पैकेट) और एक मोबाइल फोन बरामद किया। इस मामले में अपराध संख्या 112/2026 के तहत स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

एसटीएफ ने मीरपेट में गैर-कानूनी डिफेंस शराब की 13 बोतलें ज़ब्त कीं, एक गिरफ़्तार

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोहिबिशन और एक्साइज़ डिपार्टमेंट की स्पेशल टास्क फोर्स टीम ने बुधवार तड़के मीरपेट में मन्नेगुडा लक्ष्मी मेगा टाउनशिप लिमिटेड के एक घर पर छापेमारी की और बिना टैक्स वाली शराब की 13 बोतलें ज़ब्त कीं, जिन्हें कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से बेचा जा रहा था। ऊटागंती श्रीनिवास गौड़ नाम के एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया गया, जो अपने घर से बिना टैक्स वाली शराब की गैर-कानूनी बिक्री में शामिल था। तलाशी के दौरान, टीम ने शराब की 13 बोतलें ज़ब्त कीं। अधिकारियों के अनुसार, जांच करने पर पता चला कि ये बोतलें 'डिफेंस शराब' थीं, जो खास तौर पर अधिकृत डिफेंस कैंटीन के माध्यम से बिक्री के लिए होती हैं और इन्हें खुले बाज़ार में नहीं बेचा जा सकता। ज़ब्त की गई शराब की बोतलें और आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मीरपेट एक्साइज़ स्टेशन को सौंप दिया गया। मामले की जांच चल रही है।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. वीएसकेपी-इलेक.टीजी-26-27-डब्ल्यूसी-09

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्या: वीएसकेपी-इलेकटीजी-26-27-डब्ल्यूसी-09, कार्य विवरण: आरवाईडी, ओइसी, आरएमयुवाई & पीएफवाई डिपो के यार्ड लाइन्स में 100% ट्रेन एग्जामिनेशन के लिए, लाइटिंग तथा वेल्डिंग सुविधाओं का प्रावधान। मात्रा: निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, कार्य पूरा करने की अवधि: 180 दिन,

निविदा मूल्य: रु.5,07,32,504.47 (रु.पांच करोड सात लाख बत्तीस हजार पांचसौ चार व सैंतालीस पैसे मात्र), बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.10,14,700.00 (रु.दस लाख चौदह हजार सातसौ मात्र), निविदा प्रपत्र मूल्य रु.0/- (शून्य), ऑफ़र की वैधता: निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकार: तत्संबंधित कार्यो हेतु जीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा, टेंडरिंग प्रणाली: खुली निविदा-सिंगल पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि व समय: 24-08-2026 के 13.30 बजे, निविदा दस्तावेज एवं शुध्दिपत्र: वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in देखें। पत्राचार का पता: एसआऱ.डीईई/जी/वीएसकेपी का कार्यालय, डीआऱएम आफिस बिल्डिंग, दोंडापर्थी, विशाखापत्तनम-530004, आंध्र प्रदेश

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता
(जी), विशाखापत्तनम

निविदा सूचना संख्या: जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस/11/2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या: जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-31-2026-27, कार्य विवरण: जीटीएल डिवीजन- तत्संबंधित जीटीएल-आऱयु सेक्शन में जियो-स्पैटिएल मैप्पिंग तथा टीआऱडी एस्सेट्स का कंडीशन एस्सेसमेन्ट कार्य।

अनुमानित लागत रु.48,07,374.00, अग्रधन रु.96,200.00

निविदा संख्या: जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-34-2026-27, कार्य विवरण: जीटीएल डिवीजन- तत्संबंधित जीटीएल-डब्ल्यूडी सेक्शन में जंग लगे कैन्टिलेवर्स, एन्टि-क्रीप, बहुत पुराने इंसुलेटर्स तथा कम्पोजिट इंसुलेटर्स का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन कार्य।

अनुमानित लागत रु.2,45,64,300.00, अग्रधन रु.4,91,300.00

निविदा संख्या: जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-38-2026-27, कार्य विवरण: जीटीएल डिवीजन: आरसी-जीटीएल-बीएवाई सेक्शन में विश्वसनीयता & सुरक्षा के लिए, ओएचइ स्ट्रक्चर्स की रि-स्पैनिंग द्वारा ओएचइ का उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य।

अनुमानित लागत रु 3,54,86,417.40, अग्रधन रु.7,09,700.00

निविदा संख्या: जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-39-2026-27, कार्य विवरण: जीटीएल डिवीजन: जीटीएल-एचएक्स सेक्शन में विश्वसनीयता & सुरक्षा के लिए, ओएचइ स्ट्रक्चर्स की रि-स्पैनिंग द्वारा ओएचइ का उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य।

अनुमानित लागत रु 3,48,98,316.60, अग्रधन रु.6,98,000.00

निविदा बंद करने की तिथि व समय: 18-08-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणी:

(1)- निविदाकार, निविदा दस्तावेज को, **वेबसाइट:** www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे मात्र ऑनलाइन पर जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता,
ट्रैक्शन, गुण्टकल

SCoR-A127

निविदा नियम शर्तें/ज्यादा जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in देखें।

एसबीआई ने नेहरू ज़ूलॉजिकल पार्क में पाँच बाघों को गोद लेकर 'इंटरनेशनल टाइगर डे' मनाया

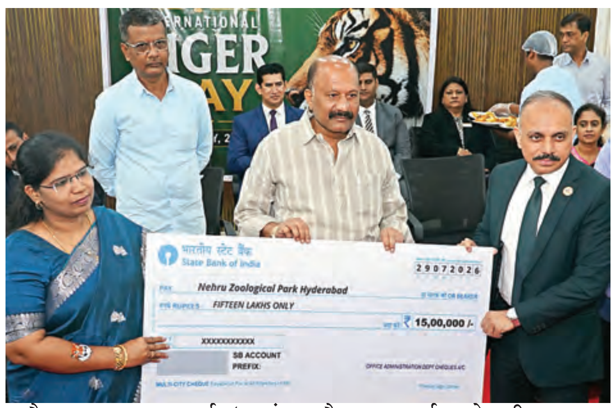

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण की स्थिरता और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हुए, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के हैदराबाद सर्कल ने नेहरू ज़ूलॉजिकल पार्क में एक साल के लिए पाँच बाघों को गोद लेकर 'इंटरनेशनल टाइगर डे' मनाया।

इस पहल के तहत, एसबीआई हैदराबाद सर्कल के चीफ जनरल मैनेजर नीलेश द्विवेदी ने नेहरू ज़ूलॉजिकल पार्क की क्यूरेटर सुश्री जे. वसंत को बाघ गोद लेने के कार्यक्रम के लिए 15 लाख का चेक सौंपा।

इस मौके पर नीलेश द्विवेदी ने कहा कि वन्यजीवों का संरक्षण एक सामूहिक ज़िम्मेदारी है और एसबीआई उन पहलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो पारिस्थितिक संतुलन और टिकाऊ विकास में योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि पाँच बाघों को गोद लेना भारत की समृद्ध जैव-विविधता को संरक्षित करने और लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद सर्कल, तेलंगाना में टिकाऊ और सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार पहलों को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। विश्व-स्तरीय बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के साथ-साथ, यह सर्कल पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक विकास और वित्तीय समावेशन के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्यक्रम चलाता है, जो समाज पर सकारात्मक और स्थायी प्रभाव डालने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पत्नी और ससुराल वालों से तंग फल विक्रेता ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात अंबरपेट में 44 साल के एक फल विक्रेता ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने एक सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड किया जिसमें उसने अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया। मृतक की पहचान मोहम्मद सुल्तान के रूप में हुई है, जो अंबरपेट के उमर नगर का रहने वाला था। उसके परिवार में उसकी पत्नी और तीन बच्चे हैं। सेल्फी वीडियो में सुल्तान ने दावा किया कि वह अपनी बेटी के नाम पर खुले पोस्ट ऑफिस खाते में जमा करने के लिए हर महीने अपनी पत्नी को 5,000 से 6,000 रुपये देता था। हालांकि, जब वह हाल ही में पोस्ट ऑफिस गया, तो उसे पता चला कि खाते में केवल 6,000 रुपये ही जमा किए गए थे।

उसने यह भी आरोप लगाया कि उसने निज़ामाबाद में ज़मीन का एक टुकड़ा खरीदने के लिए अपने ससुराल वालों को 3 लाख रुपये दिए थे, लेकिन उन्होंने न तो ज़मीन खरीदी और न ही पैसे वापस किए। सुल्तान ने आरोप लगाया कि जब भी वह पैसों के बारे में कोई सवाल पूछता था, तो उसकी पत्नी और उसके माता-पिता उसे मानसिक रूप से परेशान करते थे। उसने कहा कि वह इस परेशानी को सह नहीं पा रहा था और उसने अपनी जान देने का फैसला किया। उसने यह भी अपील की कि उसके जो भी पैसे हैं, उन्हें उसके बच्चों के लिए सुरक्षित रखा जाए। अंबरपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरु पूर्णिमा पर गौलीगुडा में आयोजित अन्न प्रसादम में भाग लेते भाजपा के वरिष्ठ नेता अमर सिंह राजपुरोहित,समाज के पूर्व अध्यक्ष विजय राज, हेमराज, गौतम सिंह शिवनाथ सिंह व अन्य।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में मुख्य यजमान विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले, राजेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा सुरेंद्र कुमार अग्रवाल विट्ठलदास अग्रवाल प्रमोद कुमार सरायवाला भोजरेड्डी पीसी जैन सेसाईघ ,राहुल सिंघल महेश कुमार डकोटिया अशोक कुमार लाखोटिया आदिनाराय ,सुरेश कुमार सीए वा माया देवी अग्रवाल ने भाग लिया।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने साईं मंदिरों में की विशेष पूजा

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने हैदराबाद के विभिन्न साईं बाबा मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की। एन. रामचंदर राव ने दिलसुखनगर स्थित श्री साईं बाबा मंदिर तथा सिकंदराबाद पद्माराव नगर स्थित श्री साईं बाबा मंदिर पहुंचकर पूजा की और तेलंगाना के लोगों की सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य, राज्य के समग्र विकास तथा देश की प्रगति के लिए साईं बाबा से आशीर्वाद मांगा। पूजा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री साईं बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने प्रार्थना की कि तेलंगाना की जनता सुखी, समृद्ध और खुशहाल रहे। उन्होंने कहा कि किसान अच्छी फसल के साथ खुशहाल रहें, महिलाएं सुरक्षित और सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करें, युवाओं को बेहतर अवसर और उज्ज्वल भविष्य मिले तथा प्रत्येक परिवार स्वस्थ और आनंदमय जीवन जिए। एन. रामचंदर राव ने कहा कि उन्होंने साईं बाबा से प्रार्थना की है कि तेलंगाना सभी क्षेत्रों में निरंतर विकास करे और देश भी प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

मोटरास स्थित श्री पाबुजी महाराज के पौराणिक मंदिर में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित गुरु पुजा कार्यक्रम में गुरुदेव श्री नन्दाजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण कर एवं गुरुदेव पोकरनाथजी महाराज की पुजा-अर्चना कर उपस्थित परबत सोलंकी, महेन्द्रसिंह-शिवप्यारी भाटी, युवराजसिंह सोलंकी, सुगनचन्द, चेतनप्रकाश, व गुरुभक्त।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कोलदाईदी में सिथित रामनाथ आश्रम के परम पूज्य सेवा रामजी महाराज से आशीर्वाद लेते हुआ बीजेपी लीडर ,महेश बैंक साइस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी ।

मुख्य सचिव ने यदाद्रि श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में किए दर्शन

यदाद्रि मंदिर विकास समिति के पदेन सदस्य के रूप में ली शपथ

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू ने बुधवार को यदाद्रि स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्य सचिव संजय जाजू ने यदाद्रि मंदिर विकास (वाईटीडी) के पदेन सदस्य के रूप में मंदिर के मुख्य गर्भगृह स्थित स्वर्ण द्वार के पास आयोजित कार्यक्रम में शपथ ग्रहण की। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) भवानी शंकर ने मुख्य सचिव को पदेन सदस्य के रूप में शपथ दिलाई और उन्हें आधिकारिक रूप से जिम्मेदारियां ग्रहण कराईं। इस दौरान मंदिर अधिकारियों ने मुख्य सचिव का स्वागत किया। उन्होंने भगवान श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी से राज्य की समृद्धि और जनता के कल्याण की कामना की।

हैदराबाद में दिन भर बारिश

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मंगलवार को शुरू हुई बारिश का सिलसिला बुधवार को भी दिन भर जारी रहा। दिन की शुरुआत बादलों के साथ हुई और बीच-बीच में हल्की बारिश होती रही। मंगलवार शाम शहर में आम जनजीवन को बाधित करने और आने-जाने में भारी परेशानी पैदा करने वाली बारिश का यही पैटर्न आज भी दोहराए जाने की संभावना है। बारिश के कारण शाम को घर लौट रहे छात्रों और कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलाने के लिए नगर निकाय और पुलिस की कोशिशों के बावजूद, सड़कों पर पानी का जमाव और खुले मैनहोल चिंता का विषय बने रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पेपर लीक...

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह संशोधन केवल सजा बढ़ाने या कानूनी प्रावधान जोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं की ईमानदारी, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सरकार जरूरत के मुताबिक बदलाव भी कर रही है। उनके अनुसार, पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत कानूनी ढांचा जरूरी है और इसी उद्देश्य से यह संशोधन लाया गया है। उन्होंने दोहराया कि सरकार परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष बनाने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

पेपर लीक पर सरकार का रिकॉर्ड क्या बताता?

सदन में सरकार ने बताया कि 2024 में कानून लागू होने के बाद अब तक 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। सरकार का कहना है कि इससे कानून का प्रभाव दिखाई दे रहा है और पेपर लीक से जुड़े मामलों पर सख्ती बढ़ी है। सरकार का दावा है कि संशोधित कानून भविष्य में परीक्षा माफिया और अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ और प्रभावी कार्रवाई का आधार बनेगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गुलवीर 10,000 मी रेस में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय

हरजिंदर को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर

ग्लासगो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 5वें दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए। गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर की रेस में दूसरा स्थान हासिल किया। वे इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने।

इससे पहले महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो वजन उठाकर सिल्वर जीता। भारत के 3 मुक्केबाजों ने भी अपने मैच जीतकर मेडल पक्के कर लिए हैं। तीनों सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

गुलवीर और हरजिंदर के सिल्वर के बावजूद भारत मेडल टैली में नौवें नंबर पर खिसक गया है। भारत ने अब तक 2 गोल्ड समेत कुल 12 मेडल जीते हैं। भारत एक दिन पहले टैली में 8वें नंबर पर था। ऑस्ट्रेलिया 35 गोल्ड लेकर कुल 80 मेडल जीतकर टॉप पर बना हुआ है।

गुलवीर ने स्कॉटस्टाउन स्टेडियम में भारी बारिश और गीले ट्रैक में 27:49.78 सेकंड का समय निकाला। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने गोल्ड और आइल ऑफ मैन मुल्लार्की ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 27 साल के गुलवीर सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव के रहने वाले हैं और भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं। उन्होंने सेना में भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ना शुरू किया था। 2018 में ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट में शामिल होने के बाद उन्होंने एथलेटिक्स को गंभीरता से अपनाया।

रेस के अंतिम लैप की शुरुआत में गुलवीर चौथे स्थान पर थे, लेकिन शानदार वापसी करते हुए सिल्वर मेडल जीत लिया।

वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने महिलाओं की 69 किलो वेट कैटेगरी में 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 101 किलो वजन उठाकर पर्सनल बेस्ट हासिल किया। उसके बाद क्लीन एंड जर्क में 126 किलो वजन उठाते हुए सिल्वर हासिल किया।

इस इवेंट का गोल्ड कनाडा की चार्लोट सिमोन्यू (कुल 240 किलोग्राम) और ब्रॉन्ज ऑस्ट्रेलिया की नया फीबी हेमैन (कुल 227 किलोग्राम) को मिला।

हरजिंदर कौर पंजाब के नाभा के महेश गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने खेल की शुरुआत वेटलिफ्टिंग से नहीं, बल्कि कबड्डी और रस्साकशी से की थी। उनके कोच परविंदर शर्मा ने उनकी मजबूत मसल पावर देखकर उन्हें वेटलिफ्टिंग अपनाने की सलाह दी। हरजिंदर घर पर चारा काटने की मशीन चलाती थीं, जिसमें लोहे के दो बड़े पहियों को घुमाना पड़ता था। इससे उनकी ताकत बढ़ी और वेटलिफ्टिंग की शुरुआत में उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने अपने पहले ही मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। अब सिल्वर जीतकर उन्होंने संकेत दे दिया है कि अगला लक्ष्य गोल्ड मेडल है। हरजिंदर कौर का सिल्वर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारत का सातवां मेडल है। इससे पहले मीराबाई चानू ने गोल्ड, ऋषिकांत सिंह, ज्ञानेश्वरी यादव, राजा मुथुपांडी और अजय बाबू ने सिल्वर, जबकि बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

मणिपुर के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी शानदार रहा। राज्य के मीराबाई चानू, ऋषिकांत सिंह और बिंदियारानी देवी भारत के लिए मेडल जीत चुके हैं। यानी अब तक वेटलिफ्टिंग में भारत के 6 में से 3 मेडल अकेले मणिपुर के खिलाड़ियों ने दिलाए हैं। वेटलिफ्टर निरुपमा देवी सेरम विमेंस 63 केजी कैटेगरी के क्लीन एंड जर्क में तीनों प्रयासों में 123 केजी वजन उठाने में असफल रहीं। उन्हें नो मार्क मिला और वे मेडल रेस से बाहर हो गईं। उन्होंने स्नैच 93 kg वजन उठाकर पांचवां स्थान हासिल किया था। इस वर्ग का गोल्ड कनाडा की ओलिंपिक चैंपियन मॉड शैरॉन ने 232 kg के कुल वजन के साथ जीता। इंग्लैंड की सारा डेविस स्मेल (217 केजी) को सिल्वर और नाउरू की फेमिली-क्रिस्टी नोट्टे (216 केजी) को ब्रॉन्ज मिला।

एथलेटिक्स में विशाल टीके मेंस 400 मीटर दौड़ के सेमीफाइनल में पहुंच गए। उन्होंने अपनी हीट में 46.49 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं राजेश रमेश 47.43 सेकेंड के साथ कुल 17वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सके।

स्विमिंग में श्रीहरि नटराज ने पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक हीट्स में 55.58 सेकेंड का समय निकालकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, साजन प्रकाश 50 मीटर बटरफ्लाई हीट्स में 24.94 सेकेंड के साथ 28वें स्थान पर रहे और बाहर हो गए। पैरा स्विमिंग में कार्तिक बुडीगिना और अली इमाम ने पुरुष 50 मीटर फ्रीस्टाइल S13 के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। दोनों हीट्स में छठे और आठवें सबसे तेज स्विमर रहे।

श्रीलंका विमेंस ने पाकिस्तान से पहली बार वनडे सीरीज जीती

हंबनटोटा (श्रीलंका), 29 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली बाइलैटरल वनडे सीरीज जीत ली है। उसने तीसरे मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया। इस जीत के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह पिछले 24 साल में पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के दूसरे ओवर में ही चेतना विमुक्ति ने पाकिस्तान के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया। महज दो ओवर के खेल में पाकिस्तान का स्कोर 10 रन पर 3 विकेट हो गया था। यहां से गुल फिरोजा और मुनीबा अली ने 68 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन चमारी अटापट्टू ने फिरोजा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पाकिस्तान 110 रन पर 4 विकेट से लड़खड़ाकर 146 रन पर 7 विकेट पर पहुंच गई। कप्तान फातिमा सना ने 41 रनों की पारी खेलकर टीम को 188 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। श्रीलंका से काविशा दिलहारी और चमारी अथापथु ने 3-3 विकेट लिए। पाकिस्तान की पूरी टीम 40वें ओवर में 187 रन पर सिमट गई। 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम ने शानदार शुरुआत की। अटापट्टू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने पाकिस्तान की लगातार चार सीरीज जीत के सिलसिले को भी तोड़ दिया।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान

हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी।

यह टूर्नामेंट 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेला जाएगा। स्टार डिफेंडर और ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह भी स्क्वॉड में शामिल हैं।

भारतीय टीम डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में हरमनप्रीत की कप्तानी में गोल्ड मेडल जीता था।

टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें छह-छह टीमों के दो पूल में बांटा गया है। भारत को पूल-A में रखा गया है। इस पूल में भारत के साथ मेजबान जापान, साउथ कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया हैं। सभी मुकाबले काकामीगाहारा के गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले जाएंगे।

टीम चयन पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि चुनी गई टीम काफी अनुभवी है। उन्होंने कहा कि हम जापान में खेलने की चुनौती के लिए तैयार हैं। इस टूर्नामेंट का विजेता सीधे LA 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करेगा और यही टीम और देश के रूप में हमारा मुख्य लक्ष्य है।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टीम के प्रदर्शन पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि चाहे युवा खिलाड़ी हों या सीनियर, मुझे सभी पर पूरा भरोसा है कि वे मिले मौकों का सही इस्तेमाल करेंगे। हमारा मुख्य लक्ष्य बिना दबाव लिए खेल का आनंद लेना और अपनी जिम्मेदारियों को समझना है।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया

जेडन सील्स ने 5 विकेट झटके; विंडीज सीरीज में 1-0 से आगे

टारौबा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 90 रन से हरा दिया। तारोबा में 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी 120 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने 35 रन देकर 5 विकेट लिए। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। वहीं, पाकिस्तान की विदेशी सरजमीं पर यह लगातार आठवीं टेस्ट हार रही।

चौथे दिन पाकिस्तान को जीत के लिए 211 रन चाहिए थे, लेकिन टीम 40.2 ओवर में 120 रन पर ऑलआउट हो गई। इमाम-उल-हक (8), अजान आवैस (6) और सलमान आगा (0) लंच से पहले ही आउट हो गए। इसके बाद मोहम्मद रिजवान और आमिर जमाल भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। 23 साल के जेडन सील्स ने 13.2 ओवर में 35 रन देकर 5 विकेट लिए। पाकिस्तान के खिलाफ यह उनका दूसरा फाइव विकेट हॉल रहा। जस्टिन ग्रीव्स ने 2 विकेट लिए, जबकि केमार रोच और शमार जोसेफ को 1-1 विकेट मिला। एक छोर पर बाबर आजम टिके रहे और 86 गेंद में नाबाद 52 रन बनाए। यह उनके टेस्ट करियर का 32वां अर्धशतक रहा। उन्होंने आखिरी विकेट के लिए मोहम्मद अब्बास (7) के साथ 36 रन जोड़े, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। सील्स ने अब्बास को एलबीडब्ल्यू कर मैच खत्म किया। शान मसूद पहली पारी में फील्डिंग के दौरान दाएं हाथ की उंगली फ्रैक्चर करा बैठे थे। चोट के कारण वह नीचे बल्लेबाजी करने उतरे और 6 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज ने चौथे दिन 7 विकेट पर 93 रन से आगे खेलना शुरू किया। शमार जोसेफ (32) और केमार रोच (22) ने आठवें विकेट के लिए 61 रन जोड़कर टीम को 148 रन तक पहुंचाया। इससे पाकिस्तान के सामने 211 रन का लक्ष्य खड़ा हुआ। यह जीत वेस्टइंडीज के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि इसी दिन महान ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स का 90वां जन्मदिन था। कैरेबियाई टीम ने जीत के साथ उन्हें यादगार तोहफा दिया। इस जीत के बाद वेस्टइंडीज के टेस्ट कप्तान रोस्टन चेस ने अपनी टीम की 90 रन की शानदार जीत को क्रिकेट के महान ऑलराउंडर स्वर्गीय सर गारफील्ड सोबर्स को समर्पित किया है। रोस्टन चेस ने सर गारफील्ड सोबर्स की उम्र और टीम की जीत के अंतर के बीच एक खास संयोग की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह जीत सोबर्स के लिए ही बनी थी। 17 जुलाई को दुनिया को अलविदा कह चुके सर गारफील्ड सोबर्स का अगर वे जीवित होते तो यह 90वां जन्मदिन होता और वेस्टइंडीज को जीत भी ठीक 90 रनों के अंतर से ही मिली है।

रायन टेन डोशेट बने केकेआर के हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी

कोलकाता, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नीदरलैंड्स के पूर्व क्रिकेटर और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व असिस्टेंट कोच रायन टेन डोशेट को हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी नियुक्त किया है। टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप का राष्ट्रीय टीम के साथ सफर समाप्त हो गया। अब टेन डोशेट केकेआर ग्रुप की ग्लोबल फ्रेंचाइजियों की क्रिकेट रणनीति और टैलेंट स्काउटिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। नई भूमिका में टेन डोशेट केकेआर ग्रुप की दुनिया भर में मौजूद सभी टीमों के रणनीतिक फैसलों की निगरानी करेंगे। वे खिलाड़ियों की स्काउटिंग, रिक्रूटमेंट, स्क्वॉड प्लानिंग और प्रदर्शन के मूल्यांकन पर काम करेंगे। साथ ही सभी फ्रेंचाइजियों में एक जैसी क्रिकेट फिलॉसफी और एप्रोच विकसित करने के लिए कोचिंग स्टाफ के साथ समन्वय बनाएंगे।

शुभमन गिल बने वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज

वैभव सूर्यवंशी दुनिया के टॉप-50 टी-20 बल्लेबाजों में शामिल

1
शुभमन गिल
IND
801
रेटिंग

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीसी की ताजा टी-20 रैंकिंग में भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 230 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। सूर्यवंशी 536 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दुनिया के 48वें नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं। वे पहली बार टॉप-50 में आएं हैं। दूसरी ओर वनडे में भारत के कप्तान शुभमन गिल वर्ल्ड नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं।

वनडे में टॉप-4 में तीन भारतीय हैं। विराट कोहली दूसरे और रोहित शर्मा चौथे नंबर पर हैं। जसप्रीत बुमराह नंबर-1 टेस्ट बॉलर बने हुए हैं।

सूर्यवंशी ने पिछले सप्ताह जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी-20 सीरीज में तीन मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए। इसी प्रदर्शन की वजह से उनकी रैंकिंग में इतनी लंबी छलांग आई है। सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे। टी-20 बल्लेबाजों की लिस्ट में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन नंबर-1 स्थान पर काबिज हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद साहिबजादा फरहान (848 पॉइंट्स) से काफी आगे हैं।

रैंकिंग में ईशान किशन 910 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं। ईशान जिम्बबाब्वे के खिलाफ हुए दूसरे मैच के बाद 916 रेटिंग अंक तक पहुंचे थे। तब उन्होंने करियर के ऑल टाइम हाइएस्ट टी-20 रेटिंग के मामले में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया था। विराट ने अपने टी-20 करियर में सबसे ज्यादा 909 और सूर्यकुमार यादव ने 912 अंक जुटाए थे।

आईसीसी खिलाड़ियों की रेटिंग सप्ताह में एक ही बार बुधवार को जारी करती है। भारत-जिम्बाब्वे तीसरे टी-20 में ईशान 29 रन ही बना सके थे। इससे उन्हें 6 अंक का नुकसान हुआ और इसलिए ताजा रेटिंग में उनके 910 अंक हैं। राशिद खान टी-20 इंटरनेशनल गेंदबाजों की रैंकिंग में भी 753 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद 736 पॉइंट्स के साथ दूसरे और इंग्लैंड के आदिल राशिद 710 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज खत्म होने के बाद वनडे रैंकिंग के टॉप पोजिशन पर बदलाव हुआ है। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के मैच न खेलने की वजह से भारत के शुभमन गिल एक बार फिर वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बैटर बन गए हैं। मिचेल इसी साल जनवरी से टॉप स्पॉट पर थे। वनडे बॉलिंग रैंकिंग में नामीबिया के स्पिनर बर्नार्ड शोल्ट्ज नेपाल और नीदरलैंड के खिलाफ आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 ट्राई-सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर 5 स्थान ऊपर चढ़कर 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं अफगानिस्तान के राशिद खान टॉप पर बने हुए हैं।

शुभदीप घोष भारतीय टीम के नए फील्डिंग कोच होंगे

अगस्त में श्रीलंका दौरे से संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। असम के पूर्व घरेलू क्रिकेटर शुभदीप घोष को बीसीसीआई ने टीम इंडिया का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। वे टी दिलीप की जगह लेंगे। इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे के बाद टी दिलीप का कार्यकाल खत्म हो गया था और बीसीसीआई ने उसे आगे नहीं बढ़ाया।

शुभदीप का पहला असाइनमेंट अगस्त में श्रीलंका दौरा होगा, जहां भारत दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से अभी अधिकारिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की गई है।

1968 में असम के डिगबोई में जन्मे शुभदीप घोष दाएं हाथ के मध्यक्रम बल्लेबाज और ऑफ स्पिनर रहे हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में असम और रेलवे का प्रतिनिधित्व किया। अपने करियर में उन्होंने 17 फर्स्ट क्लास और 17 लिस्ट-ए मैच खेले। फर्स्ट क्लास में 316 और लिस्ट-ए में 307 रन बनाए। उन्होंने 1994-95 सीजन में घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2004 में आखिरी फर्स्ट क्लास और 2005 में अंतिम लिस्ट-ए मुकाबला खेला।

संन्यास के बाद शुभदीप ने कोचिंग की शुरुआत की और पिछले छह-सात साल से नेशनल क्रिकेट एकेडमी से जुड़े हैं। राहुल द्रविड़ के एनसीए प्रमुख रहने के दौरान भी उन्होंने खिलाड़ियों के साथ काम किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग आयु वर्ग की भारतीय टीमों के साथ फील्डिंग कोच की भूमिका निभाई।

शुभदीप घोष अगस्त में होने वाली भारत-श्रीलंका दो टेस्ट मैचों की सीरीज से भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। टीम इंडिया की फील्डिंग को और मजबूत बनाने की जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर होगी।

भारतीय मुक्केबाजों का राष्ट्रमंडल खेलों में दमदार प्रदर्शन

सातवें दिन भारतीय मुक्केबाजों का दिखा दम

ग्लास्गो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों ने 9 मेडल पक्के कर लिए हैं। बुधवार को नरेंद्र बेरवाल (90 केजी), अंकुश पंघल (80 केजी) और सचिन सिवाच (70 केजी) ने पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जबकि, अरुंधति चौधरी (70 केजी) और साक्षी चौधरी (51 केजी) ने विमेंस कैटेगरी के टॉप-4 में जगह बनाई। इससे पहले तजिंदर सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल ने शॉटपुट इवेंट के फाइनल में जगह बना ली। वेटलिफ्टर संजना मेडल की रेस से बाहर हो गई हैं। फिलहाल, भारत 2 गोल्ड सहित 12 मेडल के साथ पॉइंट्स टेबल के 9वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 35 गोल्ड लेकर नंबर-1 पोजिशन पर है। इससे पहले, मंगलवार को भी तीन मुक्केबाजों ने पदक पक्के किए थे। आइए जानते हैं कि ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के सातवें दिन भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन कैसा रहा है। सातवें दिन मुक्केबाजी स्पर्धा में सबसे पहले साक्षी ने भारत की ओर से चुनौती पेश की। साक्षी ने महिला किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया और पदक पक्का किया। अपने कद का पूरा इस्तेमाल करते हुए साक्षी ने फ्रायर्स को जवाबी हमलों का मौका ही नहीं दिया। आयरिश मुक्केबाज ने लगातार आक्रामक तेवर अपनाकर और धड़ाधड़ पंच मारकर साक्षी को परेशान करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने संयम बनाए रखा। उन्होंने ज्यादातर हमलों से बचते हुए बेहतर और असरदार संयोजन के साथ जवाबी हमला किया। फ्रायर्स के लगातार दबाव के बावजूद साक्षी ने शानदार फुटवर्क और रिंग स्किल का इस्तेमाल करते हुए दूरी को बखूबी नियंत्रित किया, शुरू से आखिर तक मुकाबले की रफ्तार अपने हिसाब से तय की और आसानी से जीत हासिल की। भारत की एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही पदक पक्का कर लिया। अरुंधति का महिला 70 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में न्यूजीलैंड की मोर्गन हेंडरसन से सामना हुआ। अरुंधति ने इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और 3-1 के खंडित फैसले में जीत दर्ज की। भारतीय मुक्केबाजों का दमदार प्रदर्शन जारी रहा। महिला मुक्केबाजों के बाद पुरुषों में सचिन सिवाच ने भी राष्ट्रमंडल खेलों में पदक पक्का कर लिया। सचिन सिवाच ने पुरुष 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय मुक्केबाजों ने सातवें दिन अपना जलवा बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से आईपीएल क्रिकेटर यश दयाल को राहत

रेप केस में समन और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

इलाहाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को क्रिकेटर यश दयाल के खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यश दयाल पर एक महिला ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। कोर्ट ने गाजियाबाद की मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से जारी समन और ट्रायल कोर्ट की पूरी कार्यवाही पर रोक लगा दी।

जस्टिस संजय कुमार पचोरी की सिंगल बेंच ने यह आदेश यश दयाल की उस याचिका पर दिया, जिसमें उन्होंने पुलिस की चार्जशीट और ट्रायल कोर्ट के संज्ञान आदेश को चुनौती दी थी. गाजियाबाद पुलिस ने जुलाई 2025 में एक महिला की शिकायत पर यश दयाल के खिलाफ केस दर्ज किया था। महिला का आरोप है कि पांच साल के रिश्ते के दौरान क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। इससे पहले 15 जुलाई 2025 को हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने की याचिका पर दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। अब चार्जशीट दाखिल होने के बाद उन्होंने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को रद्द करने के लिए अलग से याचिका दायर की है।

याचिका में यश दयाल ने दावा किया है कि उनका रिश्ता शुरुआत से ही आपसी सहमति पर आधारित था और इसमें शादी का कोई वादा नहीं था। दयाल का तर्क है कि यह मामला ज्यादा से ज्यादा शादी के वादे से मुकरने का हो सकता है, न कि शादी के झूठे वादे का। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने खुद स्वीकार किया है कि शारीरिक संबंध 2021 में बने थे, जबकि शादी की बात बाद में हुई।

एचएस प्रणय ने ताइपे ओपन में जीत दर्ज की

जापान के मिनोरू कोगा को हराया, दूसरे राउंड में पहुंचे

ताइपे एरिना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने ताइपे ओपन में शानदार शुरुआत की है। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने बुधवार को जापान के मिनोरू कोगा को 21-11, 21-14 से मात दी। यह मुकाबला 35 मिनट तक चला। अगले दौर में प्रणय का मुकाबला भारत के मिथुन मंजूनाथ और हॉन्ग-कॉन्ग के जेसन गुनावन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। प्रणय फिलहाल वर्ल्ड रैंकिंग में 36वें स्थान पर हैं। वे पूर्व में वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीत चुके हैं। ताइपे आने से पहले इस साल वे केवल तीन बार ही पहले दौर से आगे बढ़ पाए थे। लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी की अनुपस्थिति में प्रणय ताइपे ओपन में भारतीय मेंस सिंगल्स चुनौती की अगुवाई कर रहे हैं। प्रणय इस साल अब तक आठ टूर्नामेंट खेल चुके हैं, लेकिन किसी में भी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। ऐसे में वे इस टूर्नामेंट में अपने पहले क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगे।

मनु भाकर कांस्य जीतकर भी पूरी तरह खुश क्यों नहीं हैं

आखिर क्या रह गई कमी? खुद किया खुलासा

हांगझोउ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने हांगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए आईएसएसएफ विश्व कप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बावजूद कहा कि उनके मन में इस प्रदर्शन को लेकर मिली-जुली भावनाएं हैं। इस स्पर्धा में भारत की ईशा सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर देश के लिए शानदार सफलता हासिल की। मनु अब भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश में हैं। इससे पहले उन्होंने म्यूनिख विश्व कप में सम्राट राणा के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था, जबकि एशियाई चैंपियनशिप में भी टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

विश्व कप में कांस्य पदक जीतने के बाद मनु भाकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि मेरी मेहनत रंग ला रही है।

दिल्ली में टीपीसीसी समन्वय समिति की बैठक आयोजित

सीएम रेवंत रेड्डी, महेश कुमार गौड़ सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हुए शामिल

नई दिल्ली, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के केंद्रीय कार्यालय इंदिरा भवन में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, एआईसीसी सह प्रभारी सचिन सावंत, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) सदस्य दामोदर राजा नरसिम्हा और वंशी चंद रेड्डी सहित राज्य के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में राज्य की राजनीतिक स्थिति, संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अलावा आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की रणनीति को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

काचीगुड़ा-तिरुचानूर के बीच विशेष रेलगाड़ियों का संचालन बढ़ाया गया

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने काचीगुड़ा-तिरुचानूर के बीच चलने वाली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन को एक-एक अतिरिक्त फेरे के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 07787 काचीगुड़ा-तिरुचानूर विशेष रेलगाड़ी 13 अगस्त 2026 (गुरुवार) को काचीगुड़ा से रवाना होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 07788 तिरुचानूर-काचीगुड़ा विशेष रेलगाड़ी 14 अगस्त 2026 (शुक्रवार) को तिरुचानूर से प्रस्थान करेगी। दोनों दिशाओं में ये विशेष रेलगाड़ियां मलकाजगिरि, चेर्लापल्ली, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, गुंटूर, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर तथा रेनिगुटा स्टेशनों पर ठहरेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इन विशेष रेलगाड़ियों में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे लगाए जाएंगे। दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों से इन विशेष रेल सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

गन्ना रकबे के विस्तार और चीनी उद्योगों के पुनर्जीवन के लिए बनेगी व्यापक कार्ययोजना

मुख्य सचिव संजय जाजू ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू ने राज्य में गन्ना फसल का रकबा बढ़ाने, चीनी उद्योगों के पुनर्जीवन तथा उनकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अन्य राज्यों में लागू प्रोत्साहन योजनाओं और नीतियों का अध्ययन कर शीघ्र विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। राज्य में चीनी उद्योगों के पुनर्जीवन और गन्ना क्षेत्र के विस्तार के लिए सरकार द्वारा जारी शासनादेश संख्या-86 के तहत गठित समिति की बैठक गुरुवार को सचिवालय में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कृषि विभाग के सचिव सुरेंद्र मोहन, उद्योग विभाग के विशेष सचिव कृष्ण आदित्य, गन्ना किसान प्रतिनिधि तथा कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में कुल 12 चीनी मिलें हैं, जिनमें से वर्तमान में केवल 7 मिलें ही संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इन मिलों को पूर्ण क्षमता से चलाने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख मीट्रिक टन गन्ने की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में राज्य में केवल 20 लाख मीट्रिक टन गन्ने का उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि धान की तुलना में गन्ने की खेती में कम पानी की आवश्यकता होती है। यदि किसान टपक सिंचाई (ड्रिप सिंचाई) जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाएं तो उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ खेती की लागत भी कम होगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के कृषि मौसम में राज्य के 19 हजार किसान लगभग 26 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती कर रहे हैं। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गन्ना उत्पादन बढ़ाने और चीनी उद्योगों को पर्याप्त कच्चा माल उपलब्ध कराने के लिए अन्य राज्यों में लागू प्रोत्साहन योजनाओं और नीतियों का गहन अध्ययन कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में किसान प्रतिनिधियों ने गन्ना उत्पादकों को भी धान किसानों की तरह प्रति टन 500 रुपये का प्रोत्साहन देने की मांग की। उन्होंने बताया कि गन्ने की खेती में अधिक लागत और कृषि श्रमिकों की कमी किसानों के सामने बड़ी चुनौती है। प्रतिनिधियों ने कहा कि गन्ने से चीनी के अलावा एथेनॉल और बिजली उत्पादन भी संभव है, इसलिए इस क्षेत्र को अधिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

गांधी भवन में मंत्रियों का जनता से सीधा संवाद कार्यक्रम शुरू

मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित गांधी भवन में मंत्रियों का जनता से सीधा संवाद कार्यक्रम बुधवार को शुरू हुआ। कार्यक्रम में तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भाग लिया और लोगों से प्राप्त शिकायतों एवं ज्ञापनों को स्वीकार किया। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के निर्देश पर पिछले कुछ महीनों से जनता के साथ यह सीधा संवाद कार्यक्रम लगातार आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से आम लोगों को अपनी समस्याएं सीधे मंत्रियों के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने संबंधित अधिकारियों के माध्यम से समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

कंगना रनौत द्वारा जेन-जी महिलाओं के अपमान की तेलंगाना महिला कांग्रेस ने की निंदा

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेल्ली स्वर्ण ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही जेन-जी महिला आंदोलनकारियों के खिलाफ भाजपा सांसद कंगना रनौत की टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि एक महिला और जनप्रतिनिधि होने के बावजूद इस तरह की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना है। एर्राबेल्ली स्वर्ण ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रही महिलाओं को कंगना रनौत ने अशोभनीय शब्दों से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आंदोलन कर रही महिलाओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और कथित हमले के बाद भी उन्हें अपमानित करना कंगना रनौत की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कंगना रनौत में महिलाओं के प्रति थोड़ी भी संवेदनशीलता और मानवता नहीं है।

उन्होंने कहा कि जेन-जी महिलाएं अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रही हैं और उनके साथ खड़ा होना चाहिए, न कि उनका अपमान करना चाहिए। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, कंगना रनौत को सोचना चाहिए कि उन्होंने किससे टकराव मोल लिया है। उन्होंने जेन-जी महिलाओं से टकराव लिया है। महिलाओं के सम्मान के मुद्दे पर कोई भी पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान महिला किसानों को लेकर कंगना रनौत की कथित टिप्पणी का भी उल्लेख किया और कहा कि उन्हें पहले की घटनाओं को नहीं भूलना चाहिए। एर्राबेल्ली स्वर्ण ने कहा कि एक सांसद के रूप में कंगना रनौत को संसद में जनता के मुद्दों पर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। यदि वह ऐसा नहीं कर सकतीं तो नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देकर अपने निर्वाचन क्षेत्र लौट जाना चाहिए।

तेलंगाना में चार औद्योगिक पार्कों की स्थापना का प्रस्ताव केंद्र को भेजेगी सरकार : मुख्य सचिव

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत राज्य में चार औद्योगिक पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया है। राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू ने बताया कि इन औद्योगिक पार्कों से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट इस माह के अंत तक केंद्र सरकार को सौंप दी जाएगी। डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में बुधवार को भव्य योजना के तहत राज्य में प्रस्तावित औद्योगिक पार्कों की प्रगति की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरकारी मुख्य सचिव अहमद नदीम, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव कृष्ण आदित्य, हथकरघा एवं उद्योग विभाग के निदेशक निखिल चक्रवर्ती, सिक्ता पटनायक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य सचिव संजय जाजू ने बताया कि भव्य योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत राज्य में चार औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक पार्क का क्षेत्रफल 500 एकड़ से अधिक होगा। इसके लिए भूमि अधिग्रहण सहित अन्य आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित औद्योगिक पार्क कंदुकूर मंडल के तिम्मापुर, इब्राहिमपट्टनम के एलीमिनेडु, घटकेसर मंडल के मादारम और चौटुप्पल मंडल के दंडु माइलारम में स्थापित किए जाएंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि इन औद्योगिक पार्कों में इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर सहित विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए कई प्रमुख कंपनियों ने रुचि दिखाई है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त राज्य के अन्य 16 स्थानों पर भी औद्योगिक पार्क स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं।

सस्ते सोने का झांसा देकर 2 करोड़ की ठगी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) पुलिस ने सस्ते आयातित सोने का लालच देकर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय ठग गिरोह के सदस्य कोंडापुरम लक्ष्मीकांत रेड्डी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, सनतनगर निवासी राकेश बालाराम गौड़ की शिकायत के आधार पर सीसीएस थाने में अपराध संख्या 147/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) एम. श्रीनिवास, आईपीएस की निगरानी, पुलिस उपायुक्त (सीसीएस) एस. चैतन्य कुमार के मार्गदर्शन और सहायक पुलिस आयुक्त मल्लिकार्जुन चौधरी के निर्देश पर जांच अधिकारी उपनिरीक्षक गोपी किरण रेड्डी ने जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी महबूबनगर जिले के कोइलकोंडा मंडल स्थित अय्यावरीपल्ली का निवासी है। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी खुद को दुबई और श्रीलंका से मुंबई आने वाले सस्ते आयातित सोने के कारोबारियों से जुड़ा हुआ बताता था।

विश्वास हासिल करने के लिए वह पीड़ितों को व्हाट्सऐप पर सोने की बिस्किटों के पैकेटों के वीडियो भेजता था और कम समय में अधिक लाभ दिलाने का झांसा देता था। इसी तरीके से उसने शिकायतकर्ता से करीब 2 करोड़ रुपये की राशि ठग ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने इसी तरीके से कई अन्य लोगों को भी ठगा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश में पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें अपहरण, विश्वासघात, आर्थिक धोखाधड़ी और धमकी जैसे मामले शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें से अधिकांश मामलों में आरोप पत्र दाखिल किए जा चुके हैं। आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए सीसीएस हैदराबाद के वर्तमान मामले को संगठित अपराध के रूप में दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

सीसीएस पुलिस ने आम जनता को सलाह दी है कि बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर सोना देने या कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने का दावा करने वाले ठगों से सावधान रहें। किसी भी व्यक्ति को अपनी मेहनत की कमाई देने से पहले पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें।

साइबराबाद सीपी ने माधापुर और यातायात थाने का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने माधापुर कानून व्यवस्था पुलिस थाना और माधापुर यातायात पुलिस थाने का दौरा कर वहां की आधारभूत सुविधाओं, जनता को दी जा रही सेवाओं, यातायात प्रबंधन व्यवस्था और पुलिस कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने थाना परिसर का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने यातायात दबाव वाले क्षेत्रों में वैज्ञानिक तरीके से यातायात प्रबंधन करने तथा वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रभावी उपाय करने के निर्देश दिए। सीपी ने थाना परिसरों में आधारभूत सुविधाओं के उचित रखरखाव, स्वच्छता, अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण, जनता की शिकायतों के शीघ्र समाधान और पुलिस कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना पुलिस विभाग का प्रमुख लक्ष्य है और प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को जिम्मेदारी तथा समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने यातायात प्रशिक्षण संस्थान (टीटीआई) का भी दौरा किया और यातायात पुलिस कर्मचारियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान व्यावसायिक दक्षता, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने विशेष रूप से नशे में वाहन चलाने (ड्रंक एंड ड्राइव) की जांच के दौरान वाहन चालकों और आम लोगों के साथ सम्मानजनक एवं संयमित व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून का सख्ती से पालन कराते हुए लोगों के सम्मान का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। सीपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से प्रत्येक कार्रवाई में पेशेवर आचरण, पारदर्शिता और जिम्मेदार रवैया बनाए रखने को कहा। इस अवसर पर साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) सनप्रीत सिंह, आईपीएस, यातायात-1 पुलिस उपायुक्त रवि कुमार, शेरलिंगमपल्ली यातायात अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त हनुमंत राव, माधापुर यातायात सहायक पुलिस आयुक्त चंद्रशेखर रेड्डी सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाव चालकों के लिए सीपीआर प्रशिक्षण से जल पर्यटन सुरक्षा को मजबूती

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आपातकालीन तैयारियों को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, फ्रीमेसनरी की प्राथमिक शाखा, लॉज कीज़ नंबर 297 ने जीवीके ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के सहयोग से और तेलंगाना पर्यटन विभाग के समर्थन से मंगलवार को हुसैन सागर झील में नाव चालकों के लिए सीपीआर और एईडी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

तीन घंटे के व्यावहारिक प्रशिक्षण में तेलंगाना के प्रमुख जल पर्यटन स्थलों के 32 नाव चालकों और सहायक कर्मचारियों को सीपीआर, एईडी का उपयोग, बचाव श्वास, घुटन प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहित जीवन रक्षक कौशल से लैस किया गया। इस बैच के साथ, इस पहल ने 1,000 प्रशिक्षित जीवनरक्षकों का निर्माण करने के अपने मिशन के तहत 818 सीपीआर ब्रांड एंबेसडरों को प्रशिक्षित किया है। आयोजकों ने यह भी बताया कि जागरूकता सेमिनारों के माध्यम से अब तक 1,800 से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं, और लक्ष्य 10,000 लाभार्थियों तक पहुंचना है। कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।

अंबरपेट महाकाली बोनालु महोत्सव के लिए व्यापक तैयारियों के निर्देश

सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव ने 9 अगस्त को आयोजित होने वाले अंबरपेट महाकाली बोनालु महोत्सव के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं। डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, ट्रांसको, पुलिस, जल मंडल, स्वास्थ्य विभाग, संस्कृति विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोनालु तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख पर्व है और राज्य के लोग इसे अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मनाते हैं। इस वर्ष आषाढ़ जात्रा उत्सव 16 जुलाई से 13 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे हैं। हैदराबाद, सिकंदराबाद, रंगारेड्डी तथा मेडचल-मलकाजगिरि जिलों के मंदिरों में होने वाले बोनालु उत्सवों के दौरान सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। वी. हनुमंत राव ने कहा कि घटोत्सव, बोनालु समर्पण, साका समर्पण, थोट्टेल शोभायात्राएं, पोतुराजु के पारंपरिक प्रदर्शन, रंगम, गावु पट्टडम तथा सागनंपु जैसे पारंपरिक आयोजन तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। इन आयोजनों के सुचारु संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने मंदिरों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, विद्युत सजावट, पुष्प सज्जा, सीसीटीवी कैमरे, कतार प्रबंधन, पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था तथा चिकित्सा शिविर स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिक भीड़ वाले मंदिरों में विशेष यातायात योजना, अतिरिक्त बसों की व्यवस्था, चिकित्सा दलों की तैनाती, सुरक्षा प्रबंध तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा देवादाय विभाग और मंदिरों के विकास के लिए 20 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत किए जाने पर उनका आभार व्यक्त किया। बैठक में विधान परिषद सदस्य बलमूर वेंकट, दक्षिणी विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक जितेश वी. पाटिल, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक डी.एस. जगन, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के जोनल आयुक्त, जल मंडल के महाप्रबंधक, राज्य सड़क परिवहन निगम के कार्यकारी निदेशक, देवादाय विभाग के सहायक आयुक्त, मंदिर समिति के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सीपी ने जलभराव क्षेत्रों और सीओडी पाइपलाइन कार्यों का किया निरीक्षण

बारिश के मौसम में अग्रिम उपाय तेज करने के निर्देश

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बारिश के मौसम में जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अग्रिम उपायों को तेजी से पूरा किया जाए। साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने रायदुर्गम थाना क्षेत्र के अंतर्गत मल्कमचेरुवु जलभराव क्षेत्र, सिटी वाइन्स जलभराव क्षेत्र तथा माधापुर यातायात थाना क्षेत्र में चल रहे सेंटर फॉर ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट (सीओडी) पाइपलाइन कार्यों की संबंधित नागरिक निकाय अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जलभराव की समस्या के कारणों की जानकारी दी। इस पर सीपी ने निर्देश दिए कि बारिश के पानी की निकासी सुचारु रूप से सुनिश्चित करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं।

उन्होंने कहा कि नालों की क्षमता बढ़ाने, पानी के प्रवाह में आने वाली बाधाओं को हटाने और सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि आम जनता और वाहन चालकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सीपी ने सीओडी पाइपलाइन कार्यों में तेजी लाने और यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा जरूरत पड़ने पर यातायात मार्गों में बदलाव की जानकारी लोगों को पहले से उपलब्ध कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) सनप्रीत सिंह, सीएमसी आयुक्त सृजना, शेरलिंगमपल्ली यातायात अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त हनुमंत राव, माधापुर यातायात सहायक पुलिस आयुक्त चंद्रशेखर रेड्डी, सीएमसी के उप आयुक्त, सहायक अभियंता, सहायक कार्यकारी अभियंता, हाइड्रा के कर्मचारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.